You Tube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

वर्ष-14 | अंक-303 | सोमवार, 08 दिसम्बर 2025 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर, हम उन बहादुर पुरुषों और महिलाओं के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जो अटूट साहस के साथ हमारे राष्ट्र की रक्षा करते हैं। उनका अनुशासन, दृढ़ संकल्प और भावना हमारे लोगों की रक्षा करते हैं और हमारे राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नरेन्द्र मोदी

वक्फ संपत्तियों का डिजिटल लेखा-जोखा पूरा, 'उम्मीद' पोर्टल बंद 11

बिहार स्टेट एक्स सर्विसमैन बेनेवोलेंट फंड में करें अंशदान : नीतीश कुमार 12

संक्षेप

यूपी बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं में हुये बदलाव

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में इस बार उत्तर पुस्तिकाओं में दो अहम बदलाव किए गए हैं। अभी तक उत्तर पुस्तिका में महज एक कवर पेज होता रहा है जिस पर परीक्षार्थी अपना पूरा विवरण लिखता था। लेकिन पहली बार इस परीक्षा में दो कवर पेज किया जा रहा है। पहला कवर पेज परीक्षार्थियों के लिए होगा तो दूसरा कवर पेज परीक्षकों के लिए होगा। दूसरे कवर पेज पर परीक्षक अंक लिखेंगे कि किस पेज पर कितने अंक परीक्षार्थी को मिले हैं। अभी तक परीक्षक कापियों के मूल्यांकन के समय उसी कवर पेज पर अंक भी लिख देते थे जिस पर परीक्षार्थी अपना विवरण भरा होता था। इससे कई बार कन्फ्यूजन भी होता था। इसी तरह दूसरा बदलाव कापियों की साइज में किया गया है। कापियां अब वर्टिकल साइज में की गई है। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटर की परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च के बीच आयोजित होगी। यूपी बोर्ड की 2026 की परीक्षा में 52,30,297 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। हाईस्कूल में 27 लाख 50 हजार 945 और इंटरमीडिएट में 24 लाख 79 हजार 352 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।जबकि यूपी बोर्ड की 2025 की परीक्षा में 5438597 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। हाईस्कूल में 2740151 और इंटर मीडिएट में 2698 446 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। 2025 में कुल 8140 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। लेकिन इस बार परीक्षार्थियों की संख्या लगभग दो लाख घटी है जिससे प्रस्तावित परीक्षा केंद्रों की संख्या भी 209 तक कम हुई है।

भारत में पहली बार यूनेस्को का अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सम्मेलन आज से

नयी दिल्ली। 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' (आईएचसी) की सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के सम्मेलन का आयोजन पहली बार भारत में किया जा रहा है।
यूनेस्को की अंतरसरकारी समिति का यह 20वां सत्र दिल्ली के लाल किला परिसर में आठ से 13 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। इस सत्र की अध्यक्षता यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधि विशाल वी. शर्मा करेंगे।
भारत ने अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए 2003 के सम्मेलन की 2005 में पुष्टि की थी। इस पुष्टि की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर यह आयोजन भारत में हो रहा है।
यूनेस्को के अनुसार, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में वे प्रथाएँ, ज्ञान, अभिव्यक्ति, जैसी चीजें शामिल हैं जिन्हें समुदाय अपनी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा मानते हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती हुई यह विरासत विकसित होती है, सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करती है और विविधता को समेटती है।
गौरतलब है कि आज तक, भारत की 15 अमूर्त विरासतों को यूनेस्को की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया जा चुका है। इनमें कुटियाट्टम, कालबेलिया, गरबा, मुडियाट्टम और छाऊ जैसी

इंडिगो ने 610 करोड़ रिफंड किए, 650 उड़ानें रद

देशभर में 3 हजार यात्रियों का सामान भी लौटाया, 10 दिसंबर तक परिचालन स्थिरता का लक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता। इंडिगो में छाए ऑपरेशन संकट के रविवार शाम तक एयरलाइन ने यात्रियों को 610 करोड़ का रिफंड प्रोसेस किया है। इसके साथ ही कंपनी ने देशभर में यात्रियों के 3 हजार से ज्यादा बैगेज भी लौटाए हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार शाम इसकी जानकारी दी।

मंत्रालय ने बताया कि रिफंड या री-बुकिंग पर एक्स्ट्रा पैसा नहीं लिया जाएगा। यात्रियों की मदद के लिए स्पेशल सपोर्ट सेल बनाए गए हैं। इसके साथ ही इंडिगो के फ्लाइट ऑपरेशन में भी तेजी आई है। डोमेस्टिक फ्लाइट फुल कैपेसिटी के साथ उड़ान भ रही हैं। इंडिगो के सीईओ ने पीटर एल्बर्स ने बताया कि आज हम 138 में से 137 डेस्टिनेशंस पर 1650 फ्लाइट ऑपरेट कर रहे हैं। ऑन टाइम परफॉर्मेंस 75% रहने का अनुमान है। शनिवार को यह आंकड़ा 1500 था। आमतौर पर एयरलाइन रोजाना करीब 2300 उड़ानें ऑपरेट करती है। हमारी सेवाएं धीरे-धीरे सामान्य हो रही हैं। इंडिगो का संकट छठे दिन भी जारी रहा और उसकी लगभग 650 उड़ानें रद्द कर दी गईं। कंपनी को 10 दिसंबर तक परिचालन स्थिर होने की उम्मीद है। फिलहाल 2,300 निर्धारित दैनिक सेवाओं में से 1,650 उड़ानें संचालित करने के दावों के बावजूद संकट बरकरार है।सबसे ज्यादा हैदराबाद हवाई अड्डा प्रभावित रहा, जहां से रविवार को

115 उड़ानें रद्द हुईं। इसके बाद मुंबई और दिल्ली में क्रमशः 112 और 109 उड़ानें रद्द हुईं। चेन्नई में 38 उड़ानें रद्द हुईं, जबकि अमृतसर में 11 उड़ानें रद्द कर दी गईं। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि हालिया परिचालन गड़बड़ियों के बाद एयरलाइन अपने पूरे नेटवर्क में और महत्वपूर्ण तथा लगातार सुधार कर रही है। इसका पहला कदम शनिवार को उठाया गया था। रविवार को पहले की तुलना में कम उड़ानें रद्द हुई। ये उड़ानें पहले रद्द की गईं हैं ताकि हम अपने ग्राहकों को समय पर सूचित कर सकें। उन्होंने दावा किया कि उनकी टीमें परिचालन को स्थिर करने के लिए लगातार काम कर रही हैं और शनिवार की 1,500 उड़ानों की तुलना में रविवार को 1,650 उड़ानें संचालित की जा रही हैं। इंडिगो ने कहा कि उसका ऑन-टाइम प्रदर्शन लगभग 75 प्रतिशत हो गया है, जो एक दिन पहले दर्ज किए गए लगभग 30 प्रतिशत से अधिक है। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि सामान्य स्थिति बहाल करने और यात्रियों को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए प्रयास तेज किए जा रहे हैं। एयरलाइन ने यह भी कहा कि उसकी रिफंड और सामान से संबंधित प्रक्रियाएं अब प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनों बुकिंग के लिए पूरी तरह से चालू हैं, जिससे प्रभावित यात्रियों को आश्वासन दिया गया है कि लंबित दावों और सामान संबंधी मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जा रहा है। इंडिगो ने हालांकि सेवाओं के सामान्य होने के लिए कोई समय-सीमा निर्दिष्ट नहीं की है। एयरलाइन ने ● शेष पेज 11 पर

गोवा के नाइट क्लब में आग लगने से 25 की मौत

क्लब का मैनेजर गिरफ्तार, 4 टूरिस्ट समेत 18 लोगों के शवों की पहचान की गई

एजेंसी

पणजी। गोवा के अरपोरा इलाके में शनिवार देर रात एक नाइट क्लब में सिलेंडर ब्लास्ट होने से 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हैं। मरने वालों में 4 टूरिस्ट और 14 स्टाफ शामिल हैं, जबकि 7 लोगों की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

गोवा पुलिस ने क्लब के मैनेजर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक क्लब में करीब 12 बजे सिलेंडर ब्लास्ट हुआ। यह इतना जोरदार था कि कुछ ही मिनटों में आग पूरे क्लब में फैल गई। फायर ब्रिगेड ने काफी देर की कोशिश के बाद आग पर काबू पाया।

घटना की सूचना मिलते ही सीएम प्रमोद सावंत और स्थानीय विधायक माइकल लोबो मौके पर पहुंचे। एख्र ने बताया कि 3 लोगों की मौत जलने और बाकी की मौत दम घुटने से हुई है। हादसे की पूरी जांच होगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि क्लब में फायर सेफ्टी नियमों का पालन नहीं किया गया था। प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और फोरेंसिक टीम आग की असली वजह की जांच कर रही है। वहीं, प्रधानमंत्री ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवारों को लिए 2 लाख रुपए और घायलों के लिए 50 हजार रुपए देने का ऐलान किया है। उल्लेखनीय है कि आग लगने से पहले के क्षणों का एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख

रहा है कि कैसे आग की लपटों ने कुछ ही सेकंडों में पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया जिससे अंदर मौजूद कलाकारों और कर्मचारियों में भगदड़ मच गयी थी।

वीडियो में छत से आग की लपटें निकलते हुए दिखाई दे रही हैं। इसके तुरंत बाद डांसर और अन्य कर्मचारी मौके से भागते नजर आ रहे हैं। थोड़ी ही देर में धुएं से पूरा स्थान भर गया। वीडियो में कोई भी अग्नि-सुरक्षा प्रणाली सक्रिय होती हुई दिखाई नहीं देती है।

पुलिस ने बताया कि यह आग सिलेंडर फटने से लगी। गोवा पुलिस नियंत्रण कक्ष को रात 12:04 बजे आपातकालीन कॉल मिली, जिसके बाद बचाव दल तुरंत मौके पर भेजे गए। पुलिस महानिदेशक ने पुष्टि की कि आग पर काबू पा लिया गया है और सभी शव घटनास्थल से बरामद कर लिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने देर रात नाइटक्लब का दौरा किया। उन्होंने बताया कि मरने वालों में अधिकांश लोग रसोई कर्मचारी थे, जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं, जबकि तीन से चार पर्यटक भी मारे गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शुरुआती जांच में अग्नि सुरक्षा नियमों के अनुपालन में गंभीर खामियां सामने आई हैं। उन्होंने क्लब प्रबंधन और नियमों के उल्लंघन के बावजूद संचालन की अनुमति देने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

गोवा के राज्यपाल अशोक गजपति राजू ने गोवा मेडिकल कॉलेज के दौरे के दौरान संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा, ''यह एक बुरी घटना है, उन्हें चिकित्सकीय मदद मिल रही है। हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि वे सभी ठीक हो जाएं। मुख्य सचिव ने मुझसे कहा है कि इससे संबंधित वे सभी विभागों की समीक्षा करेंगे। यह परेशान करने वाली बात है। गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन खाउंटे ● शेष पेज 11 पर

इजराइल और भारत के बीच सहयोग के 'अनंत अवसर'

इजराइली अधिकारी का दावा

एजेंसी

यरुशलम। इजराइली अधिकारी ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना को ''बेहतरीन'' करार दिया और कहा कि इजराइल और भारत के बीच संबंध ''बेहद मजबूत'' हैं तथा दोनों देशों के बीच सहयोग के ''अनंत अवसर'' मौजूद हैं।

इजराइली विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा, ''इजराइल और भारत के बीच संबंध बहुत मजबूत है और ये और भी मजबूत होते जा रहे हैं, नागरिक के साथ ही सैन्य और रक्षा सहयोग के संदर्भ में भी। मंत्रालय के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि दोनों देशों के पास साथ मिलकर काम करने के 'अनंत अवसर' हैं। आईएमईसी परियोजना के बारे में अधिकारी ने कहा, '' इजराइल के लिए यह एक बहुत ही अच्छी पहल। हम इस पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। फिलहाल, दो देश ऐसे हैं जो हस्ताक्षरकर्ता नहीं हैं जॉर्डन और इजराइल। पहले चरण के लिए हम यही चाहते हैं कि ये दोनों देश एक बड़े ढांचे का हिस्सा हों। आईएमईसी, तीन क्षेत्रों में संपर्क, व्यापार और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य वाली एक परिवर्तनकारी पहल है, जिसकी शुरुआत सितंबर 2023 में दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान की गई थी। इस गलियारे के लिए भारत, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और कुछ अन्य जी20 भागीदारों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। आईएमईसी के अस्तित्व में आने के एक महीने से भी कम समय में हमास ने सात अक्टूबर को इजराइल पर हमला किया जिसका असर इस परियोजना पर पड़ा। इजराइली अधिकारी ने कहा, ''यह सच है कि सात अक्टूबर के हमले ने इन सभी पहलों पर रोक लगा दी है३ दूसरे देशों को ● शेष पेज 11 पर

मुख्यमंत्री योगी ने 'फ्लैग पिन' और 'स्मारिका' का विमोचन किया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सरकारी आवास, पांच कालिदास मार्ग, लखनऊ में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर 'फ्लैग पिन' और 'स्मारिका' का विमोचन किया। यह दिवस देश की रक्षा में शहीद हुए वीर जवानों और उनके परिवारों के कल्याण तथा सम्मान के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यूपी ने रचा तीन लाख इंस्टॉलेशन का रिकॉर्ड

1038.27 मेगावॉट क्षमता ने बढ़ाई ऊर्जा आत्मनिर्भरता की रफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और स्पष्ट नीति निर्देशन का ही परिणाम है कि राज्य में सौर ऊर्जा के तीन लाख इंस्टॉलेशन (3,00654) का लक्ष्य पार कर लिया है। उत्तर प्रदेश ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में जो उपलब्धि हासिल की है, वह ऐतिहासिक है। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश को देश के अग्रणी सौर राज्यों में शामिल करती है और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस मामले में गुजरात और महाराष्ट्र ही उत्तर प्रदेश से आगे हैं। आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में कुल 983915 आवेदनों में से 300654 इंस्टॉलेशन पूरे किए जा चुके हैं। राज्य में सौर ऊर्जा की कुल इंस्टॉलेशन क्षमता 1038.27 मेगावॉट तक पहुंच चुकी है, जिससे लाखों परिवारों को स्वच्छ और किफायती ऊर्जा प्राप्त हो रही है। पिछले 8 वर्षों में सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता में शामिल किया है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सोलर रूफटॉप की पहुंच बढ़ाने के लिए पारदर्शी प्रक्रिया डिजिटल मॉनिटरिंग और समयबद्ध इंस्टॉलेशन पर विशेष जोर दिया गया है। मौजूदा 1038.27 मेगावॉट क्षमता न सिर्फ बिजली की मांग को संतुलित कर रही है बल्कि अतिरिक्त ऊर्जा उत्पादन का मार्ग भी प्रशस्त कर रही है।

देश भर में क्लैट – 2026 परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न

लखनऊ। देश के विभिन्न लॉ कॉलेजों में प्रवेश के लिये कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट)-2026 का आयोजन रविवार को पूरे देश में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। परीक्षा का आयोजन दोपहर 2:00 बजे से 4:00 बजे तक किया गया। इस वर्ष की परीक्षा का आयोजन कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज़ द्वारा डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से किया गया। देशभर के 173 टेस्ट केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में कुल 92,344 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। इनमें 75,008 अभ्यर्थी स्नातक पाठ्यक्रम तथा 17,336 अभ्यर्थी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए सम्मिलित हुए। परीक्षा शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित माहौल में हुई। लखनऊ क्षेत्र में कुल 5,365 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 5,212 ने परीक्षा दी, जबकि 153 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार क्षेत्र में 97 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई, जो उल्लेखनीय मानी जा रही है। परीक्षा केंद्र पर व्यवस्था की निगरानी विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा ● शेष पेज 11 पर

वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर आज संसद में होगी चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। वहीं, वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर 8 दिसंबर को संसद में खास बहस का आयोजन किया गया है। इस दौरान राष्ट्रीय गीत से जुड़े कई अहम और ऐतिहासिक तथ्यों को सदन में रखा जाएगा, जिनके बारे में बहुत कम लोगों के पता है।

समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार की दोपहर 12 बजे लोकसभा में बहस की शुरुआत करेंगे। इसके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ अंतिम भाषण के साथ बहस का समापन करते नजर आएंगे। राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा चर्चा शुरू करने की संभावना है। संसद में वंदे मातरम पर बहस के दौरान कांग्रेस के 8 नेता भी सदन में अपनी बात रखेंगे। इस लिस्ट में लोकसभा के उप नेता प्रतिपक्ष गोरव गोगोई, प्रियंका वाड्रा, दीपेंद्र हुड्डा, बिमोल अकोइजाम, प्रणीति शिंदे, प्रशांत

लोकसभा में पीएम मोदी करेंगे शुरुआत

पडोले, चमाला रेड्डी और ज्योत्सना महंत का नाम शामिल है।

बता दें कि संसद के शीतकालीन सत्र का आगाज 1 दिसंबर से हुआ था, जो 19 दिसंबर तक चलेगा। वहीं, 7 नवंबर को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मनाई गई थी। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित 'वंदे मातरम' को पहली बार 7 नवंबर 1875 को साहित्यिक पत्रिका 'बंगदर्शन' में प्रकाशित किया गया था। 1882 में यह गीत बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास 'आनंदमठ' का हिस्सा बना था। रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे संगीत का रूप दिया और आजादी की लड़ाई में यह स्वतंत्रता सेनानियों के लिए ● शेष पेज 11 पर

राजनाथ ने बी आर ओ की पांच हजार करोड़ रूपये की 121 परियोजनाओं का उद्घाटन किया

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने संयम बरता : राजनाथ

हमारी सेनाएं और अधिक कर सकती थीं

एजेंसी

लेह। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बल ''और भी बहुत कुछ कर सकते थे'' लेकिन उन्होंने जानबूझकर ''संयमित'' और ''संतुलित'' प्रतिक्रिया का विकल्प चुना। सिंह ने कहा कि मई में हुए ऑपरेशन ने भारतीय सेना की क्षमता और अनुशासन को रेखांकित किया, जिन्होंने बिना तनाव बढ़ाये आतंकी खतरों को बेअसर कर दिया।

रक्षामंत्री सिंह ने देश के विभिन्न हिस्सों में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा पूरी की गई 125 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने अपने सशस्त्र बलों, नागरिक प्रशासन और सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के बीच जो समन्वय देखा, वह अविश्वसनीय था। मैं लद्दाख और सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रत्येक नागरिक के प्रति हमारे सशस्त्र बलों को अपना समर्थन देने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।''

सिंह ने कहा, ''यह समन्वय ही हमारी पहचान है। हमारा आपसी बंधन ही हमें दुनिया में सबसे अलग पहचान देता है।'' ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा सात मई को शुरू किया गया था, जिसका लक्ष्य पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाना था। यह अभियान जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को किये गए उस हमले का बदला लेने के लिए शुरू किया गया था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे और इस हमले में जान गंवाने वालों में से अधिकतर पर्यटक थे।

उन्होंने कहा, ''कुछ ही महीने पहले, हमने देखा कि कैसे पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले के जवाब में, हमारे सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और दुनिया जानती है कि उन्होंने

आतंकवादियों के साथ क्या किया।'' रक्षा मंत्री सिंह ने कहा, ''बेशक, अगर हम चाहते तो और भी बहुत कुछ कर सकते थे, लेकिन हमारे बलों ने ना केवल वीरता, बल्कि संयम का भी परिचय दिया और केवल वही किया जो जरूरी था।''

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इतना बड़ा ऑपरेशन मजबूत कनेक्टिविटी के कारण ही संभव हो पाया। सिंह ने कहा, ''हमारे सशस्त्र बल समय पर रसद पहुंचाने में सक्षम थे। सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ संपर्क भी बनाए रखा गया, जिससे ऑपरेशन सिंदूर को ऐतिहासिक सफलता मिली।'' रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी सुरक्षा को कई तरह से बदल रही है और सैनिकों को दुर्गम इलाकों में अधिक प्रभावी ढंग से काम करने में सक्षम बना रही है।

उन्होंने कहा, ''आज, हमारे सैनिक दुर्गम इलाकों में मजबूती से खड़े हैं क्योंकि उनके पास सड़कें, वास्तविक समय की संचार प्रणाली, उपग्रह सहायता, निगरानी नेटवर्क और रसद कनेक्टिविटी उपलब्ध है।'' सिंह ने कहा, ''सीमा पर तैनात एक सैनिक का हर मिनट, हर सेकंड बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए, कनेक्टिविटी को केवल नेटवर्क, ऑप्टिकल फाइबर, ड्रोन और रडार तक सीमित नहीं, बल्कि सुरक्षा की रीढ़ माना जाना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर वह देश के किसी भी कोने में सशस्त्र बलों से मिल पाते हैं, तो यह मजबूत संचार नेटवर्क और कनेक्टिविटी की वजह से ही ● शेष पेज 11 पर

उप्र में सड़क परिवहन होगा और सुरक्षित, योगी सरकार ने दी आधुनिक तकनीक को मंजूरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, ट्रैफिक प्रबंधन को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने और नागरिकों को सुरक्षित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिये परिवहन विभाग और यातायात निदेशालय द्वारा प्रस्तुत कई महत्वपूर्ण योजनाओं को मंजूरी दे दी गई है।

इन योजनाओं के तहत राज्य के प्रमुख शहरों और हाई-रिस्क जिलों में अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंफोर्समेंट डिवाइस, इंटीग्रेटेड सीसीटीवी कैमरा नेटवर्क, के-इन-मोशन सेंसर और इंटरसेप्टर वाहनों की खरीद की जाएगी। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियानों पर भी विशेष बल दिया जाएगा।

राजधानी लखनऊ और मुरादाबाद में सड़क सुरक्षा निगरानी को और मजबूत बनाया जाएगा। सरकार ने लखनऊ के प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी इंस्टॉलेशन के लिए 4.96 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। इसी प्रकार मुरादाबाद और बलिया जनपदों में भी इंटीग्रेटेड सीसीटीवी व्यवस्था के लिए 3.10 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। साथ ही बीटीटीई इकाइयों के लिये ट्रक सिमुलेटर और तकनीकी उपकरणों की खरीद के लिए 1.28 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर हाई-रिस्क जिलों में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक इंफोर्समेंट प्रणाली को तेजी से लागू किया जा रहा है। इसके तहत 25 जिलों में 1 करोड़ रुपये प्रति जनपद की दर से कुल 25 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके अतिरिक्त शेष जनपदों के लिए 50 लाख रुपये प्रति जिला की दर से 25 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यातायात निदेशालय की ओर से बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत स्वीकृत राशि से 70 इंटरसेप्टर वाहनों की खरीद हो चुकी है। साथ ही 18 के-इन-मोशन सेंसर स्थापना के लिए 14.05 करोड़ रुपये की राशि पहले ही भेजी जा चुकी है। सेंसरों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्लेटफॉर्म आदि के निर्माण के लिये प्रस्ताव भी तैयार किए गए हैं। परिवहन विभाग ने सड़क सुरक्षा जागरूकता को मजबूत करने के लिए 2.10 करोड़ रुपये से अधिक की राजस्व योजनाओं को भी मंजूरी दी है। इसके तहत प्रचार-प्रसार कार्यक्रमों के अलावा साइनेज बोर्ड, ई-चालान प्रणाली, वाहन व उपकरणों का रख-रखाव, इंटरनेट सेवा और अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं संचालित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त 25 करोड़ रुपये की लागत से 4,500 आयरन बैरियर, 4,525 फोल्डिंग बैरियर, 7,200 सेफ्टी हेलमेट, 8,000 फ्लोरोसेंट जैकेट, 270 ब्रेथ एनालाइज़र, 85 स्पीड लेज़र गन, 15 चारपहिया और 62 दोपहिया इंटरसेप्टर वाहन खरीदे जाएंगे। सरकार का दावा है कि इन सभी सुधारों के लागू होने के बाद सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी, ट्रैफिक नियंत्रण अधिक प्रभावी होगा और प्रदेशवासियों को सुरक्षित एवं सुगम परिवहन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह फैसला सुरक्षित उत्तर प्रदेश की दिशा में एक अहम और दूरदर्शी कदम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में स्टार्टअप इंडिया की नई धड़कन बना प्रदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- सरकारी नीतियों से आईटी सेक्टर में त्वरित वृद्धि से स्टार्टअप इकोसिस्टम को मिला नया आयाम
- 18568 सक्रिय स्टार्टअप के साथ युवाओं को जॉब क्रिएटर बनाने में जुटी प्रदेश सरकार

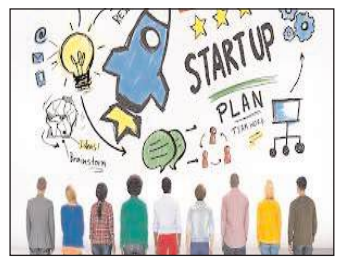

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश स्टार्टअप इंडिया की नई धड़कन बनकर उभर रहा है। प्रदेश सरकार के संकल्पित प्रयासों और उद्योग अनुकूल नीतियों ने राज्य में एक नई स्टार्टअप संस्कृति को जन्म दिया है। पिछले कुछ वर्षों में स्टार्टअप इकोसिस्टम में गुणात्मक और परिमाणात्मक वृद्धि देखने को मिली है। स्टार्टअप इकोसिस्टम के मामले में उत्तर प्रदेश, देश में अपना विशेष स्थान रखता है। यह बदलाव न केवल प्रदेश की आर्थिक प्रगति को रफ्तार दे रहा है बल्कि युवा ऊर्जा को सही दिशा भी प्रदान कर रहा है।

योगी आदित्यनाथ सरकार के समर्थन से उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप की संख्या तेजी से बढ़ी है। वर्तमान में प्रदेश में 18568 स्टार्टअप सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। यह संख्या इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश अब उद्यमिता का मजबूत गढ़ बन चुका है। इन स्टार्टअप्स में से लगभग आठ हजार स्टार्टअप्स का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। प्रदेश के कई विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थान नवाचार के केंद्र बन चुके हैं। यहां से निकलने वाले नए विचार और प्रयोग पूरे देश के स्टार्टअप परिदृश्य में अपनी पहचान बना रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ सरकार की आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स संबंधी नीतियों ने भी स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा दी है। प्रदेश में आईटी सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, लखनऊ, कानपुर और गोरखपुर जैसे शहर अब आईटी और टेक आधारित स्टार्टअप के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। सरकार द्वारा आईटी पार्कों का विकास तेज गति से किया जा रहा है। यही कारण है कि विश्व की कई बड़ी कंपनियां भी उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए उपयुक्त स्थान मान रही हैं। स्टार्टअप सेक्टर के विशेषज्ञ रजत श्रीवास्तव का कहना है कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की प्रभावी और ठोस स्टार्टअप नीति के कारण स्टार्टअप इकोसिस्टम तेजी से सुदृढ़ हो रहा है। इनका कहना है कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश स्टार्टअप का बहुत बड़ा केंद्र बनेगा।

समस्याओं के निदान के लिए संविधान को सही तरीके से लागू करे सरकार : मायावती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने रविवार को कहा कि बाबा साहेब डा भीमराव आंबेडकर ने करोड़ों गरीबों, दलितों, शोषितों और वंचितों को सामाजिक न्याय व अधिकार दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनके मिशनरी विचार बहुजन समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस (6 दिसंबर) पर देशभर में आयोजित कार्यक्रमों के लिए समर्थकों और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुये उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों पर चिंता जताते हुए कहा कि देश आज महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी, वायु प्रदूषण, रुपये की गिरती कीमत और आर्थिक अस्थिरता जैसे गंभीर संकटों से जूझ रहा है। एयरलाइंस संचालन में अव्यवस्था से लेकर आम लोगों की प्रतिदिन की समस्याओं तक हर ओर चिंता का माहौल है। ऐसे में सरकार को बाबा साहेब के मानवतावादी और कल्याणकारी संविधान को सही तरीके से लागू करने की दिशा में गंभीरता दिखानी चाहिए, तभी देश इन समस्याओं से छुटकारा पा सकेगा।

सुश्री मायावती ने कहा कि बाबा साहेब ने जीवनभर वंचितों और आमजन के हितों के लिए संघर्ष किया और संविधान के माध्यम से उन्हें अधिकार दिलाए। इसलिए उनके दिखाए मार्ग पर चलना और उनकी नीतियों को ईमानदारी से लागू करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी समर्थकों और श्रद्धालुओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि बाबा साहेब का मिशन तभी पूरा होगा जब पिछड़े, दलित और वंचित वर्गों को न्याय, सुरक्षा और समान अवसर वास्तविक रूप से प्राप्त होंगे।

'काशी तमिल संगमम 4.0 में मीडिया कार्यशाला, कमिश्नर वाराणसी परिक्षेत्र भी हुए शामिल

मोदी ने उत्तर एवं दक्षिण भारत की सांस्कृतिक परंपरा को 'काशी तमिल संगमम' के माध्यम से किया पुनर्जीवित : 'दयालु'

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के आयुष मंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर एवं दक्षिण भारत की सांस्कृतिक आदान-प्रदान की परंपरा को 'काशी तमिल संगमम' के माध्यम से पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है । आयुष मंत्री रविवार को सर्किट हाउस सभागार में मीडिया कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। 'काशी तमिल संगमम 4.0' के तहत पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी)की ओर से आयोजित कार्यशाला में आयुष मंत्री डॉ. दयालु ने केंद्र सरकार के जन कल्याणकारी नीतियों और योजनाओं का उल्लेख कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी के विकास के लिए ऐतिहासिक कार्य किए है। इसी का परिणाम है कि पिछले 4 वर्षों में काशी में लगभग 26 करोड़ श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का आगमन हुआ, जो वाराणसी के सांस्कृतिक आकर्षण को बताता है।

मीडिया कार्यशाला में वाराणसी परिक्षेत्र के कमिश्नर एस.राजलिंगम ने कहा कि 'काशी तमिल संगमम' के चौथे संस्करण का आयोजन उत्तर एवं दक्षिण भारत की संस्कृति के आदान-प्रदान की परंपरा को पुनर्जीवित करने के साथ-साथ राष्ट्र की एकता और अखंडता को भी बल प्रदान करती है। मंडलायुक्त ने कहा कि यह काशी एवं रामेश्वरम का आकर्षण ही है कि उत्तर भारत के लोगों को दक्षिण भारत एवं दक्षिण भारत के लोगों को उत्तर भारत की यात्रा के लिये प्रोत्साहित करती है। मंडलायुक्त ने कहा कि उत्तर एवं दक्षिण भारत के बीच यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान सदियों पुराना है। 'काशी तमिल संगमम' के माध्यम से यह एक नये रूप में दिख रहा है। कार्यशाला में काशी पत्रकार संघ के अध्यक्ष अरुण मिश्र ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है । जिसके चलते इसकी जिम्मेदारियां भी एक सजग प्रहरी के रूप में है। उन्होंने कहा की पत्रकारिता का राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है।

उन्होंने कहा कि पत्रकारिता स्वतंत्र और निष्पक्ष होनी चाहिए तथा उसे सरकार एवं जनता के बीच की कड़ी के रूप में कार्य करना चाहिए। कार्यशाला में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो.प्रभाकर सिंह,बैंक ऑफ़ बड़ौदा के उप महाप्रबंधक मनोज कुमार बख्शी और पीआईबी के निदेशक दिलीप कुमार शुक्ल ने भी विचार प्रकट किया। कार्यशाला में केंद्र सरकार के जन कल्याण कारी नीतियों, जन कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी दी गई। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान, बैंकों में जनता के अनक्लेम्ड एसेट्स के निस्तारण संबंधी प्रयास पर भी चर्चा हुई।

आंशिक रूप से बिजली बिल का भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को भी मिलेगा लाभ : शर्मा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने आम उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ऊर्जा मंत्री एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने विद्युत बिल राहत योजना के दायरे को विस्तारित करने का बड़ा निर्णय लिया है। अब वे उपभोक्ता भी योजना का लाभ प्राप्त करेंगे, जिन्होंने 31 मार्च के बाद भी आंशिक रूप से बिजली बिलों का भुगतान किया है लेकिन अब भी बकाया शेष है।

इससे पहले केवल 31 मार्च 2025 तक भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को ही योजना में शामिल किया गया था, जिसके कारण हजारों परिवार लाभ से वंचित रह जा रहे थे। विभिन्न जनपदों में भ्रमण व विद्युत बिल राहत शिविरों के निरीक्षण के दौरान कई उपभोक्ताओं ने मंत्री से अपनी व्यथा रखी। उन्होंने बताया कि अप्रैल, मई, जून सहित बाद के महीनों में उन्होंने कुछ-न-कुछ भुगतान किया है, फिर भी वे योजना के पात्र नहीं बन पाए थे।

इन शिकायतों के मद्देनज़र ऊर्जा मंत्री ने अत्यंत संवेदनशीलता दिखाते हुए अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निर्देश दिए कि ऐसी स्थिति वाले उपभोक्ताओं को योजना में सम्मिलित किया जाए। उन्होंने कहा कि ह्लसरकार का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक लोगों को राहत मिले। जिन्होंने अपनी क्षमता के अनुसार भुगतान किया है, उन्हें लाभ से वंचित नहीं रखा जा सकता।

ऊर्जा मंत्री के आदेशों के बाद अब 30 नवंबर 2025 तक भुगतान करने वाले सभी आंशिक बकायेदार उपभोक्ताओं को विद्युत बिल राहत योजना में शामिल कर लिया गया है। इस फैसले से प्रदेश के लाखों उपभोक्ताओं को सीधा लाभ होने जा रहा है और उनके आर्थिक बोझ में बड़ी कमी आएगी। फ़िलहाल, सरकार का यह कदम उपभोक्ता हितों के संरक्षण, संवेदनशील प्रशासन और जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण माना जा रहा है।

केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार विफल साबित : अखिलेश यादव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ/सहारनपुर। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को लेकर कड़ा प्रहार किया है। रविवार को सहारनपुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य दोनों ही जगह भाजपा सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। जनता महंगाई की मार झेल रही है, नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा और थानों में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है।

अखिलेश यादव ने भारतीय मुद्रा में लगातार गिरावट पर चिंता जताते हुए कहा कि रुपया डॉलर के मुकाबले तेजी से कमजोर होता जा रहा है। उन्होंने कहा, ह्लरूपया गिरते-गिरते 90 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच चुका है। अर्थव्यवस्था पर बड़ा संकट है, लेकिन भाजपा सरकार सच छिपाने में लगी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार भावनाओं की राजनीति कर रही है, जबकि किसानों, मजदूरों और युवाओं के हितों की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि संविधान की मूल भावना से हटकर काम करना देश के हित में नहीं है। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा दिया गया संविधान ही देश को सही दिशा दे सकता है।

इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानें प्रभावित होने और यात्रियों को हो रही परेशानी पर भी उन्होंने भाजपा सरकार को घेरा। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार उद्योगपतियों को इतना ताकतवर बना रही है कि वे नीतियों और फैसलों पर दबाव बना सकें। उन्होंने इलेक्टोरल बांड को लेकर भी भाजपा पर आरोप लगाए और कहा कि इसी वजह से सरकार का इंडिगो पर कोई नियंत्रण नहीं है।

वोटर सूची में संशोधन और नाम कटने के आरोप पर उन्होंने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए। उनका दावा है कि उत्तर प्रदेश में दो से तीन करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जाने का खतरा है। उन्होंने कहा कि सबके पास आधार कार्ड है, फिंगरप्रिंट और आंख की रेटिना तक का रिकॉर्ड है, फिर भी आधुनिक तकनीक का उपयोग करके वोट जोड़ने की प्रक्रिया सरल नहीं की जा रही। उन्होंने कहा कि भाजपा जानबूझकर जनता को परेशान कर रही है, जैसा नोटबंदी और कोविड के दौरान किया गया था।

अखिलेश यादव ने महाकुंभ मामले का भी जिक्र किया और आरोप लगाया कि सरकार ने सही आंकड़े सामने नहीं रखे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो भी वादे किए थे, उनमें से कोई पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने दावा किया कि जनता भाजपा को इस बार सत्ता से बाहर कर देगी और आगामी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक परिणाम सामने आएंगे। सहारनपुर की जनता को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में गठबंधन को यहां से मजबूती मिली थी और आगामी चुनाव में भी जनता सपा के साथ खड़ी रहेगी।

खिचड़ी मेले की तैयारियों का जायज़ा, डीएम व एसएसपी ने सुरक्षा के लिए दिए सख्त निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। जिलाधिकारी दीपक मीणा व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करन नय्यर ने आगामी प्रसिद्ध धार्मिक पर्व खिचड़ी मेला के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगमता एवं सुविधा सुनिश्चित करने हेतु शनिवार को गोरखनाथ क्षेत्र में व्यापक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने विशेष तौर पर विभिन्न पार्किंग स्थलों, मुख्य मार्गों तथा गोरखनाथ निर्माणाधीन पुल का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने निर्देश दिया कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। पार्किंग व्यवस्था सुव्यवस्थित रहे तथा भीड़ प्रबंधन के लिए यातायात पुलिस समय से पहले रूट डायवर्जन प्लान तैयार करे। उन्होंने निर्माणाधीन पुल के आसपास सुरक्षा घेरा मजबूत करने, बैरिकेडिंग लगाने और सफाई-व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

एसएसपी राज करन नय्यर ने कहा कि मेले के दौरान सुरक्षा मुख्य प्राथमिकता है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को पैदल गश्त बढ़ाने, संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने, सीसीटीवी निगरानी को सक्रिय रखने व भीड़ नियंत्रित करने वाली टीमों को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए। उन्होंने यातायात सुगमता के लिए सभी पार्किंग एरिया पर पुलिसकर्मियों की अलग ड्यूटी लगाने और आपातकालीन परिस्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया दल (डटट्ड) को तैयार रहने का आदेश दिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक यातायात राजकुमार पाण्डेय, उपजिलाधिकारी नगर अंजनी कुमार सिंह, नगरपालिका व पुलिस प्रशासन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मेले के मार्गों, प्रवेश-निर्गम द्वारों, बैरिकेडिंग पॉइंट्स व पार्किंग एरिया का विस्तार से मुआयना किया। प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि इस वर्ष खिचड़ी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित व सुगम वातावरण प्रदान करने हेतु सभी तैयारियाँ समय रहते पूरी कर ली जाएँगी।

संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा तैयारियों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी मोहित अग्रवाल द्वारा शहर में कानून एवं शान्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा तैयारियों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया गया। एक राजनीतिक दल द्वारा बिना अनुमति प्रस्तावित प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए पुलिस आयुक्त महोदय ने मौके पर तैनात पुलिस बल को ब्रीफ किया तथा सतर्कता और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। पुलिस कर्मियों को हेलमेट, डण्डा, बॉडी प्रोटेक्टर एवं असलहों के साथ तैयार रहने और आवश्यकता अनुसार बैरिकेडिंग, रस्से एवं अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि ऐसी भीड़ में शामिल अराजकतत्वों की तुरंत पहचान कर गिरफ्तार किया जाए तथा उनके विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाए। साथ ही उच्चाधिकारियों को क्षेत्र में सतत भ्रमणशील रहने, विभिन्न प्वाइंट्स पर तैनात बल के मनोबल को बढ़ाने और स्पष्ट दिशा-निर्देश उपलब्ध कराने हेतु कहा गया। पुलिस आयुक्त महोदय द्वारा यह भी दोहराया गया कि शहर की शान्ति व्यवस्था भंग करने वाले किसी भी प्रकार के जुलूस, रैली अथवा प्रदर्शन बिना पूर्व अनुमति पूर्णतया प्रतिबंधित हैं और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

यहियागंज गुरुद्वारे का दो करोड़ से होगा कायाकल्प

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ के ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों को विश्व पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में लखनऊ के यहियागंज स्थित प्राचीन गुरुद्वारे का कायाकल्प किया जाएगा। मुख्यमंत्री पर्यटन स्थल विकास मद से दो करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत करते हुए पर्यटन विभाग ने इस महत्वपूर्ण परियोजना की शुरुआत की है।

रविवार को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यहियागंज गुरुद्वारा अपनी विशिष्ट ऐतिहासिक एवं धार्मिक विरासत के लिए जाना जाता है। सिखों के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर, और दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी की स्मृतियों से जुड़े इस पवित्र स्थल के संरक्षण व

सुंदरीकरण को सरकार प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय की आस्था और सामाजिक सौहार्द का यह केंद्र आने वाली पीढ़ियों को अपनी समृद्ध विरासत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मंत्री के अनुसार, गुरुद्वारे में उपलब्ध पवित्र दस्तावेज और विरासत को ध्यान में रखते हुए पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यहां स्थित आर्ट गैलरी में सिख इतिहास से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों को दर्शाया गया है, जिसमें गुरु तेग बहादुर और गुरु गोबिंद सिंह द्वारा हस्ताक्षरित दो हुक्मनामे तथा श्री गुरु ग्रंथ साहिब की हस्तलिखित प्रति प्रमुख आकर्षण हैं। इन धरोहरों को सुरक्षित बनाते हुए दर्शकों के लिए आधुनिक सुविधाओं को बढ़ाया जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्यटन विकास के साथ-साथ गुरुद्वारे के मूल स्वरूप को यथावत रखा जाएगा। परियोजना के तहत परिसर सुंदरीकरण, सुगम आवागमन मार्ग निर्माण, आगंतुक सुविधाओं का उन्नयन, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा एवं संरक्षा प्रबंध पर ध्यान दिया जाएगा।

प्रमुख सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य अमृत अभिजात ने कहा कि सरकार की नीति ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों को आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से जोड़कर राज्य की विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने की है। उन्होंने यहियागंज गुरुद्वारे को सांस्कृतिक एकता, धार्मिक सद्भाव और आध्यात्मिक आस्था का महत्वपूर्ण प्रतीक बताते हुए कहा कि उन्नत पर्यटन अवसंरचना के माध्यम से इसे एक प्रमुख सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा।

तीन दिवसीय खेल महोत्सव पराक्रम का भव्य आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। अभय ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस (एजीआई) द्वारा तीन दिवसीय भव्य खेल महोत्सव पराक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस खेल महोत्सव में यशराज फार्मेसी संस्थान, बाबू यूगराज सिंह फार्मेसी महाविद्यालय, यशराज शिक्षा संस्थान, यशराज विधि महाविद्यालय तथा बाबू यूगराज सिंह चिकित्सा एवं विज्ञान महाविद्यालय (नर्सिंग महाविद्यालय) के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस आयोजन का नेतृत्व एजीआई समूह के प्रबंध निदेशक यश ठाकुर एवं उपाध्यक्ष योगेश सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। तीन दिनों तक चले इस खेल महोत्सव में कबड्डी, वॉलीबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, दौड़, चम्मच दौड़ जैसी अनेक इनडोर एवं आउटडोर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें छात्रों ने अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। खेल महोत्सव

का समापन उपाध्यक्ष योगेश सिंह द्वारा विजेता छात्रों को ट्रॉफी एवं पदक प्रदान कर किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में एजीआई समूह के निदेशक डी.डी. पांडे, विभागाध्यक्ष शुभम पांडे, नर्सिंग विभागाध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा, विभागाध्यक्ष ओम प्रकाश यादव, सभी समन्वयकों एवं समस्त स्टाफ सदस्यों का विशेष योगदान रहा। अभय ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायक एवं प्रतिभा-विकास से जुड़े आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर प्रयासरत रहेगा।

बीसीसीआई और एडिडास ने किया ऑल न्यू टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप जर्सी का अनावरण

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑफिशियल किट स्पॉन्सर, एडिडास ने रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया(बीसीसीआई) के साथ साझेदारी में ऑल-न्यू टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप 2026 जर्सी का अनावरण किया। एडिडास इंडिया के जीएम विजय चौहान ने कहा कि एडिडास हमारे क्रिकेटर्स को विश्वस्तर का परफॉर्मेंस गियर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हर जर्सी उस खिलाड़ी या फैन की कहानी कहती है, जो इसे पहनता है। हर

जर्सी एक विरासत प्रदर्शित करती है। बीसीसीआई के साथ हमें भारतीय क्रिकेट फैंस के बीच इस जर्सी का अनावरण करने की खुशी है। हम चाहते हैं कि आगामी टूर्नामेंट्स, खासकर वर्ल्ड कप में देश इन रंगों को गर्व के साथ पहने। भारतीय क्रिकेटर और एडिडास एथलीट, रोहित शर्मा ने कहा कि क्रिकेट फैन के रूप में उत्साह बढ़ाने से लेकर देश के लिए ट्रॉफी लाने तक इस खेल ने मुझे पूरे जीवन की यादें दी हैं। अब मैं एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहा हूँ, लेकिन गर्व अभी भी वही है। यह नई टीम इंडिया जर्सी हमें याद दिलाती है कि चाहे आप स्टैंड में हों या मैदान पर, हम सभी एक ही रंग पहनते हैं और भारत के लिए एक ही सपने में यकीन रखते हैं। किट में रेट्रो ट्विस्ट के साथ आधुनिक इनोवेशन के पैटर्न पेश किए गए हैं।

नवज्योति क्रिकेट क्लब ने जीता लीजेंड मुकाबला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज के रामपाल त्रिवेदी इंटर कॉलेज ग्राउंड पर खेले गए लीजेंड मुकाबले की विजेता बनी नव ज्योति क्रिकेट क्लब टीम। फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए एचएमजीए ने पांच ओवर में 53 रन बनाए। पांच ओवर में लक्ष्य का पीछा करने उतरी नवज्योति क्रिकेट क्लब की टीम ने तीन गेंद शेष रहते 54 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमों ने हिस्सा लिया था। लेकिन फाइनल में पहुंची एचएमजीए व नवजोत क्रिकेट क्लब की टीम। आयोजक अंकित मिश्रा तनु के पिता पूर्व अध्यक्ष दिनेश नारायण मिश्रा दऊवा ने अपने हाथों से विजेता व उपविजेता टीम को कप व पुरस्कार वितरित किए। विजेता खिलाड़ियों ने खूब जश्न मनाया लोगों ने लीजेंड खिलाड़ियों जो उम्र दराज खिलाड़ी हैं उनके मैच का पूरा आनंद लिया। अंपायरिंग की भूमिका निभाई दीपचंद वर्मा, राहुल यादव ने। आशुतोष सोनी, अर्जुन बिल्ला, एकांश जायसवाल, उबेद व

शंकरदीन ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। डॉ दऊवा ने सभी सीनियर खिलाड़ियों का सम्मान किया। पवन मिश्रा परोरे ने अलग अंदाज में बेहतरीन कमेंट्री की। उनका साथ देकर समीर गुप्तेश्वर सिंह ने सुंदर कमेंट्री की। मुकेश मिश्रा ने आए हुए सभी आगंतुकों के प्रति आभार जताया और कहा कि सफल आयोजन गोसाईगंज में संपन्न हुआ। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख संघ के लखनऊ जिला अध्यक्ष विनय वर्मा डिंपल, नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल मिश्रा, पूर्व विधायक अम्बरीष पुष्कर, अर्चना रावत, राहुल मिश्रा, अखिलेश गुप्ता अक्का भाई पार्षद, राजकमल दीक्षित, सुरेंद्र शुक्ला, अरविंद मिश्रा, अर्श मिश्रा, यष्टिका वर्तिका, जितेंद्र मिश्रा,सर्वेश शुक्ला उपस्थित रहे। जुबेर जंगी द्वारा नकद पुरस्कारों की बरसात की गई। क्षेत्र में चारों तरफ इस आयोजन की सराहना हो रही थी।

ढाबे के पास मिला अधेड़ व्यक्ति का शव, हत्या किए जाने की आशंका

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मोहनलालगंज क्षेत्र में एक व्यक्ति की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। रविवार को उसका शव एक ढाबे के पास पड़ा मिलने से हड़कंप मच गया। व्यक्ति के साथ कोई अनहोनी होने की आंशका जताई जा रही है, जबकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ होगा कि मौत कैसे हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मोहनलालगंज क्षेत्र में गुप्ता नाम का ढाबा है। कुछ राहगीर रविवार को उधर से गुजर रहे थे कि देखा कि एक शख्स की लाश पड़ी है। शव देख आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की। पुलिस के मुताबिक मृतक की जेब से एक मोबाइल फोन मिला है, जिसके आधार पर संपर्क किया गया तो पता चला कि व्यक्ति तन्दूरी कारीगर है जिसका नाम राजकुमार या फिर राजेश है यह साफ नहीं हो सका है। वहीं स्थानीय लोग व्यक्ति की हत्या कर शव फेंकें जाने की आंशका जता रहे हैं, जबकि पुलिस का कहना है कि मृतक के शरीर पर कोई जाहिरा चोट के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ होगा कि मौत कैसे हुई है। वहीं पुलिस की जांच पड़ताल में सामने आया है कि मृतक तंदूर का कारीगर था, इससे लग रहा है कि किसी ढाबे वाले की भूमिका तो नहीं, यह सवाल फिलहाल हर किसी को बेचैन कर रहा है। पुलिस के मुताबिक मामले की गहनता से जांच पड़ताल की जा रही है।

सड़क हादसे में युवक की मौत, साथी घायल

मोहनलालगंज लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। राजधानी लखनऊ में सड़क हादसे में मौत होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। मोहनलालगंज क्षेत्र के बिदौवा गांव के पास रविवार को तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई। इस हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस आनन–फानन में दोनों घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। दूसरे युवक की हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने पीजीआई के लिए रेफर कर दिया। पुलिस मामले की छानबीन कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मोहनलालगंज क्षेत्र स्थित बिदौवा गांव के पास रविवार को तेज रफ्तार से आ रहे बाइक सवार दो युवक गिर पड़े। मौके पर पहुंची पुलिस के मुताबिक मामले की छानबीन की गई तो दोनों युवकों की पहचान कन्नौज जिले के गुरसहायगंज थाना क्षेत्र स्थित महोना गांव निवासी 34 वर्षीय ब्रजेश राजपूत पुत्र विश्राम सिंह व उपरोक्त निवासी 30 वर्षीय सोनू तिवारी पुत्र राम प्रकाश तिवारी के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया जहां डॉक्टरों ब्रजेश राजपूत को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे साथी सोनू तिवारी की हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने पीजीआई के लिए रेफर कर दिया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

आगे जा रहे टैंकर में पीछे से घुसी कार दंपत्ति सहित परिवार के पांच लोग घायल

बंथरा, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र में कानपुर रोड पर शनिवार की देर रात एक कार आगे जा रहे टैंकर में घुस गई। इस हादसे में दंपति सहित परिवार के ही पांच लोग घायल हो गए। घटना के बाद चीख पुकार मच गई। रात्रि ड्यूटी पर लगे टीआई कृष्णा नगर शावक कुमार सिंह और उनकी टीम मौके पर पहुंची, जिसके बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया और फिर एम्बुलेंस की मदद से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। कानपुर के आर्य नगर निवासी प्रियांशु गुप्ता शनिवार को अपनी कार से पत्नी राधिका बहन मानसी, संस्कृति और सार्थक के साथ अयोध्या दर्शन करने गए थे। कार वह खुद चलाकर ग?ए थे। रात को वापस घर लौटने के दौरान बंथरा थाना क्षेत्र में कानपुर रोड स्थित पिलर संख्या पी– 64 के पास आगे जा रहे कंटेनर के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दी। जिससे प्रियांशु कार लेकर उसी में घुस गए। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के एक तरफ का अगला हिस्सा उड़ गया था। वहीं कार के आगे के दरवाजे भी लाक हो ग?ए थे। जिससे प्रियांशु और उनकी पत्नी दोनों उसी में फंस गए। चीख पुकार सुनकर लोग मदद के लिए दौड़े। वहीं रात ड्यूटी पर लगे टीआई शावक कुमार सिंह और उनकी टीम भी मौके पर पहुंची। इसके बाद यातायात पुलिस के इन जवानों ने लोगों की मदद से किसी तरह कार का दरवाजा तोड़कर प्रियांशुऔर उनकी पत्नी राधिका को बाहर निकाला। राधिका के दोनों पैरों में काफी चोटें थी, वहीं प्रियांशु भी खून से लतपथ था। पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। जहां प्रियांशु की हालत गंभीर बनी हुई है। थाना प्रभारी राणा राजेश कुमार सिंह के मुताबिक प्रियांशु के घर वाले उसे यहां से इलाज के लिए कानपुर के एक अस्पताल ले गए हैं और थाने में मामला इत्तफाकिया दर्ज किया गया है।

सिविल डिफेंस के जांबाज विनय ने सीपीआर देकर बचाई एक व्यक्ति की जान

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सिविल डिफेंस के प्रखंड लोहिया नगर के बहादुर स्वयंसेवक विनय कुमार मौर्य ने सूझबूझ और त्वरित प्रतिक्रिया दिखाते हुए एक अजनबी व्यक्ति की जान बचा ली।जानकारी के अनुसार, राजेंद्र मणि त्रिपाठी ट्रांसपोर्ट नगर स्थित आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सालय में दवा लेने आए थे। कुछ देर बाद अचानक उनका ब्लड प्रेशर बेहद कम हो गया, वे जमीन पर गिर पड़े और बेहोश होकर उनकी सांसें रुक गईं।उसी समय मौके पर मौजूद सेक्टर वार्डन विनय कुमार ने बिना देर किए उन्हें सीपीआर देना शुरू किया। लगातार पाँचऽसात मिनट तक प्रयास करने के बाद राजेंद्र त्रिपाठी की सांसें वापस चलने लगीं। ब्लड प्रेशर जांचने पर 80/50 पाया गया, जिसके बाद उन्हें उनके बेटे की मदद से अजंता अस्पताल भेज दिया गया। मौके पर मौजूद सभी लोगों ने विनय कुमार की तेज़ कार्रवाई और मानवता की भावना की खुले दिल से सराहना की। विनय ने बताया कि उन्होंने यह तकनीक सिविल डिफेंस के प्रशिक्षण के दौरान सीखी थी, जो आज सही समय पर लोगों की मदद में काम आई और एक बड़ी अनहोनी टल गई।

एसटीएफ ने जीएसटी विभाग से आरोपियों की फर्मों का ब्योरा मांगा

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जल्दी ही कई लोगों को नोटिस भेजेगी एसटीएफ और ईडी लखनऊ, विशेष संवाददाता एसटीएफ और ईडी अब अपनी कार्रवाई और तेज कर रही है। इसी कड़ी में एसटीएफ ने आरोपियों की फर्मों की सूची और कर जमा करने में दिए गए ब्योरे का पूरा विवरण मांगा है। जांच में यह आ चुका है कि पूर्व बाहुबली सांसद के करीबी बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह, अमित टाटा और मास्टरमाईड शुभम जायसवाल ने कई फर्जी फर्मे बनाकर फर्जी ई–बिल से जीएसटी विभाग में टैक्स भरा था। इसकी आंड़ में करोड़ों की दवा बिना बिल के भी सप्लाई की गई थी। एसटीएफ ने विभोर राणा और विशाल राणा को जब गिरफ्तार किया था, तब ही पूरे नेटवर्क का राज खुला था। इसके बाद ही शुभम जायसवाल, आलोक सिंह और अमित टाटा के करोड़ों रुपये के खेल का खुलासा हुआ। इस दौरान ही सामने आया कि इनकी फर्मों से करीब दो हजार करोड़ रुपये की सिरप तस्करी के जरिए पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश तक भेजी गई। एसटीएफ की जांच के दौरान ही ईडी ने भी इस मामले में आरोपियों की सम्पत्तियां खंगालना शुरू कर दिया था।

रोजगार मेले में 476 युवाओं को मिले नौकरी के आफर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अलीगंज स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम के तहत युवाओं को नौकरी देने के लिए रोजगार मेला आयोजित किया गया। मोदी-योगी सरकार अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार व नौकरी देने के अभियान में लगी हुई है। इस मेले में 476 युवाओं को नौकरी के आफर दिए गए।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम के अंतर्गत लखनऊ में शनिवार को आयोजित इस रोजगार मेले में क्षेत्रीय सेवायोजन विभाग के अधिकारियों का सक्रिय सहयोग रहा। यहां नौकरी पाने की उम्मीद में सुबह से ही युवाओं का आना शुरु हो गया था और शाम तक चयन प्रक्रिया चलती रही। वाहन निर्माण से जुड़ी कई कंपनियों के अधिकारी लगभग डेढ़ हजार पदों के लिए ट्रेंड युवाओं को चयनित करने के इरादे से आई थे और लगभग 600 युवाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। युवाओं को चयन प्रक्रिया के कई चरणों से गुजरना पड़ा। हालांकि इस दौरान कई युवा तो अपने कोर्स से जुड़ी सामान्य जानकारियां तक नहीं दे पाएं। ऐसे में आफर लेकर आए अधिकारियों को निराशा भी हुई। आईटीआई लखनऊ के प्रधानाचार्य राजकुमार बताया कि रोजगार मेले में देशऽप्रदेश की 33 कंपनियां प्लेसमेंट करने के लिए आईं थी। इनमें लगभग 1,500 पदों की चयन प्रक्रिया में शामिल होने के ?लिए 600 से अधिक अभ्यर्थी पहुंचे थे। सभी प्रकार की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 476 युवाओं को नौकरी के आफर दिए गए हैं । उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी की ओर से 10,000 से 27,000 रुपये तक वेतन, साथ में दोपहर का भोजन, ड्रेस और जरूरी मेडिकल सुविधाएं दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि यह रोजगार मेला प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम के अंतर्गत आयोजित किया गया था। राजकीय

जनसंवाद शिविर में अशरफनगर वासियों ने रखी आवास, लाइट और पेंशन जैसी समस्याएँ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को उनके द्वार तक पहुंचाने तथा मेधावियों व गाँव के वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित करने के उद्देश से शुरू की गयी 'आपका विधायक - आपके द्वार' जन संवाद शिविर की साप्ताहिक पहल 146 आयोजनों का कीर्तिमान स्थापित कर चुकी है।

रविवार को सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में अर्जुनगंज मंडल के अंतर्गत अशरफनगर में 146 वें 'आपका विधायक - आपके द्वार' जनसुनवाई शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया और अपनी समस्याओं एवं सुझावों को साझा किया।

शिविर के दौरान क्षेत्रवासियों ने स्ट्रीट लाइट, घ्ख्र आवास, नाली, सड़क,

आयुष्मान कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन आदि से जुडी करीब 23 समस्याओं/सुझाओं से अवगत कराया जिनमें से 3 समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया। शिविर के दौरान 'गांव की शान' पहल के अंतर्गत हाईस्कूल तथा इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाने वाले अशरफ़ नगर के 4 मेधावियों - प्रशांत वर्मा (96.5%), साधना रावत (80%), श्लोक कश्यप (73%) तथा अमरदीप (69%) को साइकिल, घड़ी और प्रशस्तिपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। युवाओं को खेल संसाधन उपलब्ध कराने के संकल्प क्रम में 160 वें ड्डधफ्द्ध एद्यफ्ष (उधभप) व 95वें ब्ध्द्धन्ध्यप ड्डधफ्द्ध एद्यफ्ष का गठन कर कैरम, वॉलीबॉल, क्रिकेट किट, फुटबॉल आदि प्रदान की गईं। स्वास्थ्य सेवाओं को जन - जन तक सुलभ बनाने के उद्देश्य से विजन प्लस हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य तथा नेत्र शिविर का आयोजन किया गया, इस दौरान 50 क्षेत्रवासियों के नेत्र परीक्षण कर आवश्यकता अनुसार चश्में भी प्रदान किए गये। इस दौरान सेक्टर संयोजक दिनेश कश्यप एवं सचिन नाथ, बूथ अध्यक्ष मनीष कुमार, सूबेदार लोधी, मुकेश लोधी, राम नरेश लोधी, रामू लोधी, लता तिवारी, रेनू कुशवाहा, मोनिका गौतम, सुष्मिता सिंह, अर्चना, कुलदीप, ननकी, बसंती, सावित्री, अर्जुन धानुक एवं अन्य क्षेत्रवासियों को अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शराब माफियाओं के खिलाफ विशेष अभियान, 18.5 लाख लीटर अवैध शराब बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने अवैध शराब और मादक द्रव्यों के खिलाफ अपना अब तक का सबसे सबसे व्यापक और असरदार अभियान चलाकर शराब माफियाओं को सख्त संदेश दिया है।

आबकारी विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025ऽ26 में अक्टूबर 2025 तक शराब तस्करों के खिलाफ कुल 70,017 मामले दर्ज किए और 18.5 लाख लीटर अवैध शराब बरामद की। अवैध शराब की बिक्री से जुड़े 13,243 लोगों को पकड़ा गया और 2,464 आरोपियों को जेल भेजा गया। नवंबर 2025 में भी अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध सरकार का अभियान जारी रहा और सिर्फ एक माह में 10,002 अभियोग दर्ज करने के साथ 2.35 लाख लीटर अवैध शराब की बरामदगी की गई।

त्योहारों और विशेष अवसरों पर अवैध शराब की मांग बढ़ने की आशंका को देखते हुए सरकार ने वर्ष 2025ऽ26 में अक्टूबर तक पांच विशेष छापेमारी अभियान चलाए। अभियान का छठा चरण 17 नवंबर से आरंभ हुआ है जो 16 दिसंबर तक जारी रहेगा। इन अभियानों के दौरान 20,590 मामले दर्ज किए गए और 5.2 लाख लीटर अवैध शराब की बरामदगी की गईं। अभियान के दौरान 3,976 गिरफ्तारियां और 657 आरोपियों को जेल भेजा गया।

आबकारी विभाग की टीम ने 23 तस्करी वाहन भी जब्त किए। अवैध शराब कारोबार के खिलाफ योगी आदित्यनाथ सरकार की संगठित, रणनीतिक और सख्त कार्रवाई एक मिसाल बन गई है। विभाग द्वारा अप्रैल से अक्टूबर 2025 के बीच अंतरराज्यीय तस्करी के विरुद्ध चलाए गए विशेष अभियानों में प्रदेश ने बड़ी सफलताएं

अर्जित की है। इस अवधि में सोनभद्र में 18,491 लीटर, मथुरा में 9,913 लीटर, लखनऊ में 7,247 लीटर, बलिया में 6,152 लीटर, और आजमगढ़ में 4,958 लीटर अवैध शराब बरामद की गई। बरामदगी की मात्रा और अभियोगों की गंभीरता साफ दर्शाती है कि अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय गिरोहों पर इस बार की कार्रवाई सबसे प्रभावी रही।

आबकारी विभाग द्वारा कई जिलों में एक ही अभियान में बड़ी मात्रा में शराब पकड़े जाने से यह भी स्पष्ट है कि योगी आदित्यनाथ सरकार की आक्रामक रणनीति से सीमावर्ती क्षेत्रों में तस्करी की गतिविधियों पर लगाम लगा है। अक्टूबर 2025 तक चले छापेमारी अभियानों में सबसे अधिक शराब की बरामदगी रामपुर जिले से हुई है। यहां से कुल 62,950 लीटर अवैध शराब पकड़ी गई। वहीं बरेली में 59,451 लीटर, लखीमपुर खीरी से 55,697 लीटर, झांसी में 45,080 लीटर और हरदोई में 45,053 लीटर शराब जब्त हुई। जो इन जिलों में चलाए गए सघन अभियानों की सफलता को रेखांकित करती है। इन जिलों में दर्ज अभियोगों की संख्या भी उल्लेखनीय रही। लखीमपुर खीरी में 2,480, रामपुर में 1,677, बरेली में 1,646 अभियोग दर्ज किए गए। इन अभियानों में तस्करी में उपयोग हुए वाहनों की भी बड़ी संख्या में जब्ती हुई जिससे अवैध शराब कारोबार की कमर टूट गई।

यू.पी. ग्रामीण बैंक सडिला शाखा के कैशियर पर अनियमितताओं और दुर्व्यवहार के आरोप

छोटे लेन-देन रोकने और अभद्र व्यवहार की शिकायत

बैंक कैशियर के खिलाफ शिकायत, कार्रवाई की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मछरेहटा, सीतापुर । यू.पी. ग्रामीण बैंक सडिला शाखा के कैशियर शोभित कश्यप के विरुद्ध ग्राम सडिला निवासी भरत अवस्थी ने क्षेत्रीय कार्यालय सीतापुर में प्रार्थना-पत्र देकर अभद्र व्यवहार, कार्य में लापरवाही और छोटे लेन-देन रोकने जैसी अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए हैं।

प्रार्थी के अनुसार 05 दिसंबर 2025 को वह बैंक में धन जमा कराने पहुंचे, जहां पैन कार्ड उपलब्ध न होने पर उन्होंने फॉर्म ऽ60 की मांग की। आरोप है कि कैशियर ने पहले फॉर्म देने से इंकार किया और बाद में आर.एम. को सूचना देने के बाद फॉर्म उपलब्ध कराया गया। उसके बाद अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया।

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि कैशियर के व्यवहार से बैंक उपभोक्ता लंबे समय से परेशान हैं। शिकायती पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि छोटे अमाउंट (2,000-5,000) के भुगतान में अनावश्यक बाधाएँ उत्पन्न की जाती हैं और ग्राहकों को बैंक मित्र के पास भेज दिया जाता है। बैंक परिसर में अनुशासनहीनता के भी आरोप लगाए गए हैं, जिनकी पुष्टि सीसीटीवी फुटेज से होने का दावा किया गया है

उन्होंने ने बैंक प्रशासन से अनुरोध किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की जाए, ताकि बैंकिंग सेवाएँ सम्मानजनक, सुरक्षित और सुचारू रूप से उपलब्ध हो सकें।

इस संबंध में जब शाखा प्रबंधक से बातचीत की गई तो उन्होंने छोटे लेन-देन रोकने के आरोपों को असत्य बताते हुए कहा कि शाखा में साक्ष्य के तौर पर विड्राल उपलब्ध है, उन्होंने यह भी कहा कि बैंक परिसर में शराब सेवन जैसी कोई घटना नहीं हुई है और आवश्यकता पड़ने पर सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराया जा सकता है।

दुर्व्यवहार के आरोपों पर शाखा प्रबंधक ने संक्षेप में कहा कि बातचीत के दौरान किसी प्रकार की गलत फहमी संभव है।

महिला मजदूर शून्य, फिर भी 17 की हाजिरी, नौ मजदूर करते काम, 37 की फर्जी हाजिरी लगाने का आरोप

चक मार्ग कार्य में धांधली: पुरुष-महिला मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाकर धन गबन का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

झरेखापुर, सीतापुर । विकास खंड परसेंडी की ग्राम पंचायत गौराअर्जुनपुर में मनरेगा कार्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा है।ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम प्रधान और तकनीकी सहायक पंचायत सचिव की मिलीभगत से फर्जी हाजिरी लगाकर सरकारी धन का गबन किया जा रहा है।

गौरा अर्जुनपुर सीसी रोड से पूरब बॉर्डर तक चल रहे चक मार्ग पटान कार्य हो रहा है।ग्रामीण आशीष आदि का आरोप है कि रविवार को मौके पर केवल 9 पुरुष मजदूर काम कर रहे थे,पोर्टल पर 46 मजदूरों की उपस्थिति दिखाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। यह सीधे तौर पर सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने का मामला है।ग्राम प्रधान द्वारा पोर्टल पर अपलोड की गई तस्वीरों में भी एक भी महिला मजदूर कार्य पर मौजूद नहीं है बावजूद इसके 17 महिला मजदूर की हाजिरी लगाई गई है। मिट्टी पटाई कार्य पर 9 मजदूरों के सहारे 37 फर्जी जिसमें 17 महिला व 20 पुरूष मजदूरों की हाजिरी लगाई गई है।ग्रामीणों का आरोप है कि इस संबंध में ब्लॉक अधिकारियों से शिकायत की गई है बावजूद इसके कोई जांच नहीं कराई गई है जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है।इस संबंध में खण्ड विकास अधिकारी रजनीश शुक्ला का कहना है मामले की जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

कटिया में मनरेगा कार्यों में भारी अनियमितता फर्जी हाजिरी का खेल तेज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महिलाएँ फोटो में नहीं, लेकिन हाजिरी में दर्ज, कटिया में मनरेगा पर सवाल, जमीनी काम कम, फर्जी हाजिरी ज्यादा

मछरेहटा (सीतापुर)। विकास खण्ड मछरेहटा की ग्राम पंचायत कटिया में मनरेगा के तहत चल रहे कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं और फर्जी हाजिरी लगाने का मामला सामने आया है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार दिनांक 6 दिसम्बर को पंचायत में नाला खुदाई व अन्य कार्यों में श्रमिकों की उपस्थिति दिखाने के लिए एक ही फोटो को दो अपलोड किया गया। जानकारी के अनुसार मेन रोड से जंगल की ओर बनाए जा रहे नाला खुदाई कार्य में श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज करने हेतु जो फोटो अपलोड किया गया, उसमें कही महिलाये दिखाई नही दे रही है। जबकि उपस्तिथि महिलाओ की भी दर्ज की जा रही है। हैरानी की बात यह है कि अपलोड की गई तस्वीर में महिलाओं की कहीं भी मौजूदगी नहीं है, जबकि उपस्थिति में कई महिलाओं के नाम दर्ज कर दिए गए हैं।इसी तरह राकेश पुत्र रामदास के खेत से महमूदपुर तक चल रहे नाली खुदाई कार्य में भी जमकर फर्जी हाजिरी लगाने के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वास्तविक तौर पर बहुत नाम मात्र मजदूर काम पर उपस्थित रहते हैं, लेकिन रिकॉर्ड में अधिक संख्या दर्ज की जा रही है।ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मामले की जाँच कर उचित कार्यवाही की मांग की है।अब देखना यह कि क्या की जांच कर कार्यवाही की जाती है या फर्जी हाजरी का खेल यू ही चलता रहेगा।

पतंग उड़ाते समय छत से गिरा दस वर्षीय किशोर, हालत गंभीर

रायबरेली। थाना क्षेत्र के कटरा मजरे मऊ गांव में पतंग उड़ाते समय एक 10 वर्षीय बालक के छत से गिर जाने की दुर्घटना प्रकाश में आई है, पारिवारीजनों द्वारा आनन-फानन अपने निजी वाहन से उसे सीएचसी महराजगंज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। आपको बता दें कि, प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह दुर्घटना आज रविवार दोपहर लगभग 2 बजे की है। गांव निवासी श्रीकृष्ण का 10 वर्षीय बेटा राजन अपने घर की छत पर पतंगबाजी कर रहा था, और पतंग उड़ाते-उड़ाते वह बीचो-बीच छत से किनारे पहुंच गया, तभी उसका पैर फिसल गया, और वह छत से नीचे आ गिरा। चीख पुकार सुनकर घर वाले दौड़े, उसे बेहोशी की अवस्था में उच्चीकृत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज ले गये, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसके बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया है, जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

एसआईआर के नाम पर मतदाता सूचियों से वोट काटने की चल रही मुहिम: हाजी मोहम्मद दानिश

सपा के जिला कार्यालय पर मासिक बैठकमें पहुंचे विधान परिषद बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सपा प्रत्याशी हाजी मोहम्मद दानिश अख्तर का फूलमाला के साथ हुआ स्वागत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष तनवीर खां की अध्यक्षता में पार्टी के जिला कार्यालय पर मासिक बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधान परिषद बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सपा प्रत्याशी हाजी मोहम्मद दानिश अख्तर का फूलमाला पहनाकर व बुके देकर स्वागत किया गया। साथ ही सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव परवेज अंसारी और सपा जिला सचिव इम्तियाज अली ने मुख्य अतिथि और तनवीर खां को फूलमाला व अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। बैठक में मुख्य अतिथि हाजी मोहम्मद दानिश ने कहा कि भाजपा और निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के नाम पर लोकसभा व विधानसभा की मतदाता सूचियों से वोट काटने और वोट चुराने की मुहिम चल रही है, लेकिन अभी भी समय है, जिन शिक्षकों के नाम मतदाता सूचियों में शामिल नहीं हुए हैं, पार्टी के जिम्मेदार उनका नाम मतदाता सूची में शामिल करवाएं।सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खां ने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपनी पिछली 2012 की सरकार में शिक्षकों को मानदेय देने का काम किया था और वित्तविहीन शिक्षकों को वोट डालने का अधिकार भी दिलाया था। साथ ही उनके लिए 200 करोड रुपए की व्यवस्था भी कराई थी। जिसको भाजपा सरकार ने बंद कर दिया। पूर्व मंत्री अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि शिक्षक के हक और अधिकार की लड़ाई सिर्फ समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव ही लड़ रहे हैं। पूर्व विधायक रोशनलाल वर्मा ने कहा कि प्रत्येक बीएलए, बूथ अध्यक्षों और पार्टी के जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को एक-एक वोट की लड़ाई लड़ना है। कोई नाम मतदाता सूची में छूटने न पाए। रहे। बैठक का संचालन सपा जिला महासचिव रंणजय सिंह यादव ने किया। इस दौरान सपा प्रदेश सचिव विजय सिंह, सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश प्रमुख महासचिव सैयद रिजवान अहमद, महानगर अध्यक्ष चैधरी रामकुमार भोजवाल, नगर विधानसभा अध्यक्ष अतिउल्लाह सिद्दीकी समेत समस्त विधान सभाओं के अध्यक्ष आदि मौजूद रहे।

मीडिया कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर डीएम को सौंपा तीन सूत्रीय ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पिपरिया धनी खीरी। थाना मोहम्मदी के पत्रकार संगठनों ने मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी के नाम उपजिलाधिकारी चलुवराजु आर को तीन सूत्रीय सौपा ज्ञापन दिया व ज्ञापन देने से पूर्व सभी मीडियाकर्मी एक साथ भीमराव अंबेडकर चौराहे पर इकट्ठा हुए।जहां से मोटरसाइकिल के माध्यम से पत्रकार एकता जिंदाबाद, जिंदाबाद, अवैध खनन बंद हो बंद हो के नारे लगातें हुये तहसील पहुंचे जहां उप जिलाधिकारी और पुलिस उपाध्यक्ष को तीन सूत्री ज्ञापन पत्रकारों ने सौपा।

मीडिया बंधुओ ने दिए ज्ञापन में कहा कि मोहम्मदी तहसील में दिन हो या रात लगातार खनन जारी हैं,जिसको तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए।वहीं पीड़ित पत्रकार राहुल राठौर को जिस तरीके से बंधक बनाकर उसका उत्पीड़न किया गया हैं ऐसे अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से कार्रवाईं की जाएं व कवरेज करने जा रहें।पत्रकारों का उत्पीड़न ना किया जाएं अगर इस पर शीघ्र कार्रवाईं नहीं होती हैं तो जनपद के वरिष्ठ मीडिया साथियों से सहयोग लेकर एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा इस मौके पर तहसील मोहम्मदी क्षेत्र के कई संगठनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और प्रशासन को यह संदेश दिया कि अगर किसी पत्रकार के साथ उत्पीड़न किया जाता हैं तो हम लोग एक बड़े आंदोलन के लिए धरने पर बैठ जाएंगे धरना जब तक समाप्त नहीं किया जाएगा जब तक तहसील में तैनात तहसीलदार अरूण कुमार सिंह के द्वारा राहुल राठौर पत्रकार के साथ बदतमीजी की गईं उसकी गलती नहीं मानते हैं तब तक।इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार अब्बास नकवी, देवरंजन मिश्रा,शिवम राठौर, आसाराम सैनी, हरबंस सिंह व गौरव कुमार,शिबू सिद्दीकी,संजय राठौर,अतुल मिश्रा मोहम्मद इलियास, शाहनवाज खान,सिराकत मंसूरी,अश्वनी राजपूत, प्रेमजीत भार्गव,गोपाल गिरी, शमशाद खान,रामकुमार कश्यप व सैंकड़ों की संख्या में पत्रकार मौके पर मौजूद रहें।

पुलिस लाइन में निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। एसपी के निर्देशन और एसपी ग्रामीण के नेतृत्व में वामा वेलनेस कैम्प के अंतर्गत पुलिस लाइन में निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में पुलिस परिवारों के बच्चों, किशोरों, बुजुर्गों, पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित रिक्रूट महिला आरक्षियों का चिकित्सा परीक्षण किया गया और उन्हें होम्योपैथिक दवाएं वितरित की गईं। इसके अलावा विशेषज्ञ चिकित्सकों ने जनसमूह को रोगों के कारण, लक्षण, बचाव के उपाय, खानपान एवं जीवनशैली संबंधी आवश्यक परामर्श भी दिया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार में सहायक होते हैं, बल्कि पुलिस बल और उनके परिवारों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वामा वेलनेस समिति द्वारा आगे भी पुलिस परिवारों के कल्याण एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए इसी तरह के कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित करते रहेंगे। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन, क्षेत्राधिकारी कार्यालय, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन, वामा सारथी प्रभारी रूबी, आरटीसी प्रभारी आदि मौजूद रहे।

पुलिस चौकी से कुछ कदम की दूरी पर तीन और शराब की दुकान में बड़ी चोरी

सांडा, सीतापुर। थाना बिसवां अंतर्गत चौकी सांडा से महज़ चंद कदमों की दूरी पर स्थित कम्पोजिट विदेशी/बियर शॉप में बीती रात हुई सनसनीखेज चोरी ने क्षेत्र की कानून-व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है। सुरक्षा व्यवस्था के साए में मानी जाने वाली इस दुकान में चोरों ने पीछे की दीवार में नकब लगाकर पूरी वारदात को अंजाम दिया।सूत्रों के अनुसार, दुकान से 29 पीस शराब जिसकी कीमत 7,140, तथा अलमारी में रखी 47,720 की नगदी पर चोर हाथ साफ कर गए। इतना ही नहीं, वारदात की फुटेज सामने न आए, इसके लिए चोरों ने CCTV कैमरों को तोड़कर DVR भी उठा लिया।पुलिस चौकी से इतनी नज़दीकी के बावजूद चोरी की घटना होना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोग पूछ रहे हैं''जब चौकी के पास की दुकान सुरक्षित नहीं, तो आम जनता कितनी सुरक्षित है ''घटना की जानकारी पाकर पुलिस मौके पर पहुँची और जांच शुरू की है, लेकिन लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। व्यापारियों ने भी पुलिस से गश्त बढ़ाने और दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। इस साहसिक चोरी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि अपराधियों को पुलिस का कोई भय नहीं बचा और चौकी के साये में हुई यह वारदात व्यवस्था पर सीधा तमाचा है।मामले की जानकारी लेने के लिए चौकी प्रभारी सांडा का फोन लगाया गया परंतु उनका फोन रिसीव नहीं हुआ

जमीन का फर्जी बैनामा करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

शाहजहांपुर। थाना पुवायां पुलिस ने धोखाधड़ी करके जमीन का फर्जी बैनामा करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया।बीती 28 जुलाई को थाना पुवायां क्षेत्र के गांव डेलखेड़ा निवासी अजय सिंह के प्रार्थना पत्र पर न्यायालय के आदेश पर थाना पुवायां में छोटेलाल पर संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। आरोप था कि छोटेलाल ने फर्जी दस्तावेज बनवाकर उसकी माता को धोखा दिया और मालिक न होते हुए बेईमानी से उसकी जमीन का बैनामा कर दिया और बिक्री का रूपया हड़प लिया। थाना पुवायां पुलिस ने विवेचना के बाद अभियुक्त छोटेलाल को ग्राम डेलखेड़ा से गिरफ्तार किया और विधिक कार्रवाई करते हुए उसके न्यायालय के समक्ष पेश किया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थाना पुवायां के उपनिरीक्षक नीरज सिंह के साथ हेड का. हरपाल सिंह और सतीश कुमार मौजूद रहे।

झंडा दिवस : खीरी में सशस्त्र सेनाओं को नमन, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने किया सैनिक स्मारिका का विमोचन

वीर शहीदों को श्रद्धाभिवंदन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी । सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर रविवार को जिला मुख्यालय देशभक्ति की भावनाओं से सराबोर रहा। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी विंग कमांडर धनंजय प्रसाद सिंह ने डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल को सशस्त्र सेना झंडा दिवस का प्रतीक ध्वज लगाया और प्रतीक चिन्ह भेंट किया। इसी अवसर पर डीएम ने सैनिक स्मारिका का विमोचन भी किया।डीएम ने शहीदों के परिजनों और वीर सेनानियों के सम्मान में सहयोग राशि प्रदान की। वहीं 1965 के भारतऽपाक युद्ध की हीरक जयंती पर निदेशालय सैनिक कल्याण, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी स्मृति चिह्न भी उन्हें सौंपा गया। इस स्मृति चिह्न में परमवीर चक्र से सम्मानित 1965 युद्ध के नायक, उत्तर प्रदेश के सपूत एडख़्कअब्दुल हमीद की तस्वीर प्रमुख रूप से अंकित है।डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने भारतीय सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर वीर जवानों और उनके परिजनों को हृदय से प्रणाम करते हुए कहा कि देश-देशवासियों की रक्षा के लिए अपने प्राणों को उत्सर्ग करने वाले वीरों के परिवारों के कल्याण के लिए सहयोग करने का यह दिन है। मां भारती के गौरव एवं सम्मान की रक्षा करते हुए प्राणोत्सर्ग करने वाले शहीदों के आश्रितों एवं परिजनों तथा दिव्यांग सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों के कल्याण के इस पुनीत कार्य में हम सभी योगदान दें। देश के वीर जवानों और उनके परिजनों को प्रणाम करता हूं।जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी विंग कमांडर धनंजय प्रसाद सिंह ने बताया कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर मोटर वाहनों में लगने वाले कार ध्वज तथा प्रतीक ध्वज वितरित किए जाते हैं।

पति की तलास मे दर-दर भटक रही पीड़िता, पुलिस प्रशासन मौन

गाव के ही एक व्यक्ति पर पीड़िता ने युवक को गायब करने का लगाया आरोप

पीड़िता थाने चौकी के लगा रही चक्कर नही हो रही कोई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोला गोकरणनाथ खीरी। गोला थाना क्षेत्र मे महिला ने अपने पति को गायब करने के सम्बन्ध मे गाव के ही एक व्यक्ति पर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगायी है।

पीड़िता पिछले कई माह से थाना चौकी के चक्कर लगा रही है किन्तु प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नही की जा रही है उल्टा प्रार्थना पत्र देने पर पुलिस गाव मे जाकर पीड़िता के कागज पर हस्ताक्षर व अंगूठा लगवाकर पुलिसकर्मी वापस आ जाते है किन्तु गाव के ही व्यक्ति संजय के खिलाफ कोई कार्यवाही नही की गयी। पीड़िता काँती देवी पत्नी राजेश कुमार ग्राम तिनावा मजरा आलियापुर थाना गोला ने पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा व जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल को दिये गये प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि 11 अगस्त 2025 को गाव के ही संजय कुमार पुत्र मुरली प्रार्थिनी के पति राजेश कुमार और साथ मे 6 व्यक्तियो को भी मजदूरी करवाने के लिए ग्राम खुटपुरी,सोना रोड,जिला हाजीपुर, राज्य हरियाणा लेकर गया था। दिये गये प्रार्थना पत्र मे प्रार्थिनी ने बताया कि 24 अगस्त 2025 को उसके पति राजेश ने फोन पर रो रोकर कहा कि हमारे पास किराये के लिए पैसा नही है, पैसा भेजो मै घर आना चाहता हूं।ठीक उसी दिन प्रार्थिनी ने फोन के माध्यम से एक हजार रुपया खूंटीपुर गाव मे स्थित एक दुकान पर पैसा भेज दिया और संजय कुमार और राजेश कुमार गाव मे स्थित दुकान पर पैसा लेने गये किन्तु पैसे राजेश कुमार को मिलने के वजाय संजय ने ले लिए और उसके पति राजेश कुमार को नही दिये।प्रार्थिनी ने बताया कि उसका पति आज तक घर वापस नही आया और उसका फोन से सम्पर्क भी नही हो पा रहा है कहा है, किस हालत मे है,ज्ञात नही है।प्रार्थिने ने बताया कि गाव के ही जो लोग साथ मे गये थे उनसे पूछताछ करने पर पता चला कि प्रार्थिनी के द्वारा भेजे गये पैसे लेने संजय और राजेश कुमार दोनो लोग गये थे किन्तु वापस सिर्फ संजय आया और उसके साथ गया हुआ प्रार्थिनी का पति राजेश संजय के साथ नही था।प्रार्थिनी ने बताया कि वापस आये हुए संजय से कई बार उसके पति राजेश के बारे मे पूछताछ की गयी किन्तु वह बात को तालमटोल कर देता है और कहता है मैने तुम्हारे पति को मारकर लाश गायब कर दी है,तुमको जो भी करना है कर लो मेरा कुछ नही होगा। प्रार्थिनी ने पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी को दिये गये प्रार्थना पत्र के माध्यम से न्याय की गुहार लगाते हुए कहा है कि संजय निहायत बदमाश और गुंडा किस्म का शराबी व्यक्ति है जो प्रार्थिनी के पति को जान से मार भी सकता है,प्रार्थिनी ने बताया कि उसके छोटे छोटे बच्चे है जो पिता के न होने पर लावारिस हो गये है,प्रार्थिनी भी मानसिक और शारीरिक पीड़ा से गुजर रही है।प्रार्थिनी ने दिये गये प्रार्थना पत्र के माध्यम से प्रशासन से मांग की है कि उपरोक्त संजय कुमार पर तलब करके कठोर से कठोर कार्यवाही की जाए और उसके पति के बारे मे पूछताछ कर न्याय दिलाया जाये।

शिक्षक संघ ने सांसद को दिया ज्ञापन: टीईटी अनिवार्यता को समाप्त करने की मांग

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने टीईटी अनिवार्य को अव्यवहारिक बताते हुए प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सांसद अरुण कुमार सागर को दिया। ज्ञापन शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष मुनीश मिश्रा के नेतृत्व में दिया गया और शिक्षकों के भविष्य से जुड़ी महत्वपूर्ण समस्या को संसद भवन में जोरदार तरीके उठाने की मांग की गई। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 29 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को सेवाओं में जारी रखने व वेतनमान-पदोन्नति के लिए टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त किया जाए। ज्ञापन में 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को सेवा में रखने के लिए टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने, शैक्षणिक योग्यता के आधार पर पूर्व नियुक्त शिक्षकों को वेतनमान, पदोन्नति एवं सेवा लाभ प्रदान करने, न्यायालयों में लंबित प्रकरणों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की गई। इस दौरान उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री देवेश बाजपेई, जिला कोषाध्यक्ष रवींद्र पाल प्रजापति, जिला मीडिया प्रभारी राजकुमार तिवारी, डॉ.विनय गुप्ता, अश्विनी अवस्थी, राजकमल आर्य, अरविंद त्रिपाठी, आनंद गंगवार, शुभम शुक्ला, अरविंद गौतम, उमेश चंद्र सक्सेना, अभिनय मिश्रा सचिन अवस्थी, अभिषेक कटियार, धर्मेन्द्र कुमार, सुधीर गुप्ता, विकास मिश्रा, ममता शर्मा, प्रतिमा, संगीता, अलका आदि शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

संविधान को कमजोर करने की हो रही साजिश: ओमकार सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

श्रद्धांजलि सभा में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि देते हुए मुख्य वक्ता बीएलए 1 जिला कांग्रेस कमेटी पूर्व जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह ने कहा कि देश में संविधान को कमजोर करने की साजिशें हो रही है

बदायूं। पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार उझानी बाईपास स्थित अम्बेडकर पार्क में भारतीय संविधान निर्माण डॉ. भीमराव अंबेडकर के 69वें महा परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

श्रद्धांजलि सभा में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि देते हुए मुख्य वक्ता बीएलए 1 जिला कांग्रेस कमेटी पूर्व जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह ने कहा कि देश में संविधान को कमजोर करने की साजिशें हो रही हैं। ऐसे में बाबा साहब की विचारधारा को और मजबूत करने का समय है। इस अवसर पर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी ओमकार सिंह ने संविधान की कमजोर करने की साजिशों के खिलाफ बाबा साहब की विचारधारा को मजबूत करने की बात की। इस कार्यक्रम में कई नेताओं ने भाग लिया और बाबा साहब को श्रद्धांजलि दी। भारतीय संविधान निर्माण डॉ. भीमराव अंबेडकर के 69वें महा परिनिर्वाण दिवस पर ओमकार सिंह ने उपस्थित कांग्रेसजन एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अपने संबोधन में कहा कि देश में संविधान को कमजोर करने की साजिशें हो रही हैं। ऐसे में बाबा साहब की विचारधारा को और मजबूत करने का समय है। उन्होंने कहा बाबा साहब ने जो संविधान हमें दिया, वह हमारी एकता और अखंडता का सबसे बड़ा आधार है।

आज जब देश में संविधान को कमजोर करने की साजिशें हो रही हैं, तब बाबा साहब की विचारधारा को और मजबूत करने का समय है। इस अवसर पर निवर्तमान प्रदेश सचिव ,जिला पंचायत सदस्य रजनी सिंह एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुन्ना लाल सागर ने सयुक्त रूप से कहा कुछ लोग संविधान बदलने की बात करते हैं। जिस संविधान ने इस देश को एक सूत्र में बांधे रखा और गांव की दलित बस्ती से लेकर संसद तक का रास्ता खोला, उस संविधान को बदलना मतलब बाबा साहब के सपनों को बदलना है। बाबा साहब के सपने नहीं बदलेंगे, बदलेंगे तो सिर्फ़ सिस्टम के वो लोग जो बाबा साहब से डरते हैं। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सुनीता सिंह, उपासना चौहान, जिला कांग्रेस कमेटी महासचिव राम रतन पटेल तथा किसान कांग्रेस प्रदेश कॉर्डिनेटर गौरव सिंह ने सयुक्त रूप से कहा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने हमेशा दबे कुचले लोगों की आवाज को बुलंद करने का काम किया है।

देश में मौजूदा सरकारे नफरत फैलाकर बाबा साहब का लिखा हुआ संविधान बदलने का प्रयास कर रही हैं। इस अवसर पर संचालन करते हुए पीसीसी सदस्य जिला उपाध्यक्ष सोमेंद्र यादव, जिला युवा कांग्रेस राजवीर यादव, किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष सद्दाम सैफी, जिला कांग्रेस महासचिव इगलास हुसैन ने कहा जिन लोगों को बाबा साहब ने अधिकार दिए हैं वह संविधान में बदलाव किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। मुख्य रूप से कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष उझानी ,एस आई आर बिल्सी विधानसभा कॉर्डिनेटर रियासत खान, जिला कांग्रेस कमेटी सचिव वीरपाल यादव, जिला महासचिव किशनवीर मौर्या, पूर्व अध्यक्ष नगर कांग्रेस कमेटी उझानी अरुण पाराशर, ब्लाक कमेटी अध्यक्षचंद्रपाल कश्यप, पूर्व जिला सचिव मुजाहिद रजा, खलील, जावेद, छोटेलाल, कमल प्रताप, राजाराम, तेजेन्द्र पाल कश्यप, राघवेंद्र, विजयपाल कश्यप, लोकपाल, नेपाल सिंह सोलंकी, हेमसिंह बीएलए2 एवं आदि सैकड़ों कांग्रेसजन मौजूद रहे।

उर्स में हुई कव्वाली में रुपये लुटाने को लेकर बवाल, प्रधान के भाई को लगी गोली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव खासपुर में हो रहे उर्स में कव्वाली के दौरान रुपये लुटाने को लेकर बवाल हो गया। इस दौरान जमकर मारपीट हुई। कुर्सियां चलीं और फायरिंग से अफरातफरी मच गई। पुलिस ने इस मामले में 14 लोगों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उनको जेल भेजा गया है।

गोली लगने से प्रधान का भाई घायल हुआ है। गांव खासपुर में दो पक्षों में पहले से रंजिश चल रही है। इसे पहले भी फायरिंग व मारपीट हो चुकी है। गांव में उर्स का आयोजन किया जा रहा था। शुक्रवार देर रात करीब एक बजे दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते मारपीट होने लगी। एक दूसरे पर कुर्सियों की बौछार होने लगी। पुलिस लोगों को शांत करती नजर आ रही थी, लेकिन मारपीट होती रही। इसी दौरान युवकों ने हवाई फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद भगदड़ मच गई। इसमें गिरकर कई लोग घायल हो गए। उर्स शुरू होने से पहले थाना प्रभारी राजेश कौशिक ने गांव के प्राथमिक विद्यालय में ग्रामीणों व आयोजकों के साथ बैठक कर शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की थी, लेकिन इसके बावजूद विवाद भड़क गया। पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है। फायरिंग के आरोपों की भी पुष्टि की जा रही है। पुलिस ने गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया है। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जान से मारने की नियत से चलाई गोलीगांव के प्रधान सगीर अहमद ने बताया कि गांव में उर्स का आयोजन चल रहा था। शुक्रवार की रात को वह अपने भाई शाहिद आलम व परिजनों के साथ मेले में जा रहे थे। इसी दौरान गांव के ही लोगों ने रंजिश के चलते उनको रास्ते में घेर लिया। मारपीट करने लगे। भागकर मेले में पहुंच गए। वहां भी लोगों ने कुर्सियों से हमला कर दिया। जान से मारने की नियत से तमंचे से गोली चला दी, जो भाई शाहिद आलम के सिर में जा लगी। इसमें वह गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। रुपये लुटाने को लेकर हुआ था विवाद प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो उर्स के मेले में कव्वाली चल रही थी। प्रधान पक्ष व आरोपी पक्ष के लोग मौजूद थे। आरोपी पक्ष के लोग कव्वाली पर रुपये लुटाने लगे। प्रधान पक्ष के लोगों पर कुछ तंज भी कसते हुए रुपये उनकी तरफ को फेंकने लगे। इसके बाद दोनों पक्षों के युवकों में कुर्सियां चलने लगी। फायरिंग भी हुई। इसमें प्रधान के भाई को सिर में गोली लगने की बात सामने आई है। इन लोगों के खिलाफ दर्ज हुई रिपोर्ट - खसपुर बवाल में खुर्शीद पुत्र न्याय अहमद, शारिफ पुत्र खुर्शीद, नन्हे पुत्र जियाउद्दीन, रहागीर पुत्र नन्हे, मुस्लिम पुत्र इकरार, विकार पुत्र इस्लाम, स्वाले पुत्र हुजूर अहमद के अलावा अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।इन आरोपियों को किया कोर्ट में पेश पुलिस ने गांव खसपुर के रहने वाले अरमान पुत्र अकरम, शारिक पुत्र अब्दुल रहमान,शवाब पुत्र अकरम, आफताब पुत्र अफसर, मोहम्मद शावेज पुत्र मोहम्मद असलम, शारिक पुत्र असलम, महताब पुत्र अफसर, मुशीर पुत्र मुनीफ आलम व गांव लाही फरीदपुर के रहने वाले तारिक पुत्र जान मोहम्मद, विकार पुत्र वली रजा तथा बनेई निवासी आकिब पुत्र तौकीर अहमद, दिगुरैया निवासी आमीर पुत्र राशिद, हुसैनपुर निवासी हसनैन पुत्र सरीयतउल्ला, आरिफपुर नवादा निवासी अमजद हसन पुत्र जवारुल हसन को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से आरोपियों को जेल भेजा गया है।

ग्राम पंचायात अधिकारियों का धरना प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। ग्राम पंचायत अधिकारी ग्राम विकास अधिकारियों ने अपने विभागीय दायित्वों से अतिरिक्त बिना संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे गैर-विभागीय कार्यों, अव्यवहारिक ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली तथा अन्य लंबित समस्याओं के समाधान हेतु शनिवार को विकास खंड वज़ीरगंज परिसर में दरी बिछाकर शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन किया।

धरने के दौरान अधिकारियों ने अपनी सभी प्रमुख माँगों को लेकर मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन इंद्रपाल सिंह, एडीओ एसबीआई एवं प्रभारी खंड विकास अधिकारी, वज़ीरगंज को सौंपा। जिलाध्यक्ष रमेश चंद्र पाल का संबोधन ग्राम विकास अधिकारी संघ, जनपद बदायूँ के जिलाध्यक्ष रमेश चंद्र पाल ने अपने संबोधन में कहा कि ह्लहम किसी टकराव के लिए नहीं, बल्कि अपनी न्यायपूर्ण व लंबे समय से लंबित माँगों को सरकार तक पहुँचाने के लिए एकत्र हुए हैं। ग्राम पंचायत सचिव ग्रामीण विकास की रीढ़ है। परंतु अब भी सेवा शर्तें, वेतनमान, पदोन्नति और कार्यस्थल सुरक्षा जैसे मुद्दे स्पष्ट नहीं हैं। ह्लसरकार द्वारा थोपे जा रहे ऑनलाइन हाजिरी नियम तथा लगातार गैर-विभागीय कार्यों का दबाव बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है।ङ्कआंदोलन की प्रमुख घोषणाएँ सभी सचिवों ने सामूहिक रूप से निम्न निर्णय लिए–मांगें पूरी न होने तक सभी सचिव सरकारी व्हाट्सऐप समूह छोड़ देंगे। 10 दिसंबर से मोटर चालित वाहन का उपयोग बंद करेंगे। 15 दिसंबर को अपने डिजिटल हस्ताक्षर विकास खंड मुख्यालय पर जमा करेंगे। उपस्थित अधिकारी विकास खंड वज़ीरगंज में तैनात सचिव देवपाल सिंह, प्रवीण पांडे, मनोज कुमार सिंह, विनोद कुमार, अंकुर कुमार, सत्यपाल सिंह, संजय कुमार, दीपेंद्र कुमार, राजेश कुमार, उमेश कुमार, अभिनय बिंद्रा सहित अन्य सचिव उपस्थित रहे राज्यव्यापी आंदोलन जिला अध्यक्ष ने कहा कि यह आंदोलन सकारात्मक, शांतिपूर्ण और रचनात्मक है तथा सभी सचिवों की न्यायपूर्ण माँगों पर आधारित है। उन्होंने बताया कि जब तक अधिकार नहीं मिलता, आंदोलन जारी रहेगा। यह आंदोलन उत्तर प्रदेश के सभी विकास खंडों में एक साथ चल रहा है। बदायूँ जनपद के सभी 15 विकास खंडों से मुख्यमंत्री एवं प्रमुख सचिव को ज्ञापन सौंपा गया है।

नौसेना दिवस पर पूर्व नौसैनिकों ने आयोजित किया भव्य कार्यक्रम, अनुभव साझा कर दी नई पीढ़ी को प्रेरणा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। नौसेना दिवस के पावन अवसर पर रायबरेली जनपद के पूर्व नौसैनिकों ने एक यादगार और भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। शहर के एक होटल में आयोजित इस समारोह में दर्जनों पूर्व नौसैनिकों ने एकत्र होकर अपनी पुरानी यादों को ताजा किया और नई पीढ़ी को देशसेवा की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय नौसेना की परंपरा के अनुसार केक काटकर की गई। इसके बाद पूर्व सैनिकों ने मंच पर आकर अपने-अपने अनुभव साझा किए।

इस दौरान भावुक पल भी आए जब कई सैनिकों ने समुद्र में बिताए खतरनाक दिनों और देश की रक्षा में दिए योगदान की कहानियां सुनाईं। ऑनरेरी लेफ्टिनेंट उमा शंकर ने कहा, जब हम नौसेना में थे तब जहाजों में सुविधाएं सीमित थीं, लेकिन आज की नौसेना अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। जहाज, हथियार, रहन-सहन सब कुछ बेहतर हो गया है। फिर भी सैनिक का जज्बा और देशभक्ति आज भी वैसी ही है जैसी पहले थी।ङ्कार्यक्रम में वरिष्ठ नेवल वेटरन धीरेंद्र सिंह, एसजेएस पब्लिक स्कूल के पीआरओ मनोज शर्मा, आरबी सिंह, श्याम भवन सिंह, आबकारी निरीक्षक कुलदीप बहादुर सिंह, बैंक ऑफ बड़ौदा में कार्यरत राजेंद्र सिंह, प्रदीप कुमार, आरपी सिंह, पंजाब नेशनल बैंक के विप्लव श्रीवास्तव, दीपक कुमार मिश्रा, शैलेंद्र दीक्षित, दिलीप कुमार, सत्येंद्र सिंह सहित कई अन्य पूर्व नौसैनिकों ने अपने नौसेना जीवन और रिटायरमेंट के बाद की जिंदगी के रोचक किस्से सुनाए। कई सैनिकों ने बताया कि नौसेना ने उन्हें अनुशासन, टीमवर्क और मुश्किल हालात में भी हार न मानने की सीख दी, जो आज उनके सिविल जीवन में भी काम आ रही है। परिवारों की भी रही सक्रिय भागीदारी कार्यक्रम में सिर्फ पूर्व सैनिक ही नहीं, उनके परिवार के सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बच्चों से लेकर पत्नियां तक ने इस आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कई परिवारों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से उन्हें अपने परिजनों के बलिदान और गौरव का एहसास होता है।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित पूर्व सैनिकों और आयोजकों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। माहौल में देशभक्ति के नारे और तालियों की गूंज लगी रही। उल्लेखनीय है कि जनपद के वरिष्ठ नौसैनिक धीरेंद्र सिंह की प्रेरणा से संभव हो सका। उनके मार्गदर्शन में मनोज शर्मा, आरबी सिंह, सत्येंद्र सिंह, दीपक कुमार मिश्रा और दिलीप कुमार ने महीनों की मेहनत से कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया।

समर्पण निधि का कार्यक्रम आयोजित

संभल। आज लक्ष्मी देवी हरप्रसाद सरस्वती शिशु मंदिर शांता मिल बहजोई बस अड्डा चंदौसी में पूर्व छात्र परिषद चंदौसी द्वारा समर्पण निधि का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता चंदौसी पूर्व छात्र परिषद के संरक्षक श्री सचिन शर्मा एडवोकेट जी ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व छात्र परिषद के प्रान्त सह संयोजक श्री अंकित राणा जी तथा मुख्य वक्ता के रूप में विद्या भारती के सह मंत्री श्री अक्षी अग्रवाल जी रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने पूर्व छात्र परिषद के गठन एवं उसकी उपयोगिता के विषय में सभी का मार्गदर्शन किया और मुख्य वक्ता जी ने समर्पण के महत्व को समझाते हुए सभी का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व छात्र परिषद जिला सम्भल के जिला संयोजक हृदेश यादव एडवोकेट जी ने किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य श्री भोपाल शास्त्री जी,श्री रामपत जी,श्री सुरेश चंद्र जी व्यवस्थापक महोदय श्री मुकेश बाबू गुप्ता जी, कार्यकारिणी सदस्य श्री सौरव मिश्रा जी आदि उपस्थित रहे।

विवादित धार्मिक स्थल शाही जामा मस्जिद बनाम श्री हरिहर मंदिर मामले की सुनवाई टली

संभल। जिले की सिविल सीनियर डिवीजन कोर्ट चंदौसी के न्यायाधीश आदित्य कुमार सिंह की अदालत में विवादित धार्मिक स्थल शाही जामा मस्जिद बनाम श्री हरिहर मंदिर मामले की सुनवाई टल गई। सुप्रीम कोर्ट के स्थगन आदेश के कारण कोई सुनवाई नहीं हुई। न्यायमूर्ति ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 08 जनवरी 2026 की तिथि निर्धारित की है।हिंदू पक्ष के अधिवक्ता श्री गोपाल शर्मा ने बताया कि 8 जनवरी 2026 की तारीख सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण तय की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायालय के सर्वे आदेश के विरुद्ध मस्जिद पक्ष इलाहाबाद हाईकोर्ट गया था, जिसने सिविल जज सीनियर डिवीजन के आदेश को सही ठहराते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट के इस निर्णय के खिलाफ मस्जिद पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की, जहां स्थगन आदेश जारी किया गया। सुप्रीम कोर्ट में एक बार सुनवाई हो चुकी है, लेकिन कोई अंतिम निर्णय नहीं आने के कारण स्थगन आदेश अभी भी प्रभावी है।शाही जामा मस्जिद पक्ष के अधिवक्ता शकील अहमद वारसी ने जानकारी दी कि 19 नवंबर को सिविल जज सीनियर डिवीजन चंदौसी कोर्ट संभल में प्रस्तुत हुए मुकदमे की आज सुनवाई होनी थी। उन्होंने बताया कि मामले की अगली तारीख 8 जनवरी 2026 दी गई है, क्योंकि यह मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है और अभी तक कोई अंतिम आदेश नहीं आया है।

संभल में अपना दल एस की बैठक में हुई पार्टी की समीक्षा

संभल। अपना दल एस जनपद सम्भल ज़िला कैम्प कार्यालय नवाब खेल सरायतरीन में पार्टी की समीक्षा बैठक ज़िला अध्यक्ष जावेद अशरफ की अध्यक्षता मे हुए बैठक में पार्टी पदाधिकारी को संबोधित करते हुए ज़िला अध्यक्ष जावेद अशरफ ने सभी पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने को ज़िला पंचायत चुनाव व 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाए राष्ट्रीय अध्यक्ष व भारत सरकार मे स्वास्थ्य मंत्री दीदी अनुप्रिया पटेल जी के निर्देश अनुसार व कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल जी के निर्देश अनुसार कहा संगठन को मजबूत करें संगठन मजबूत होगा तो हमारा एक-एक कार्यकर्ता मजबूत होगा और हम उत्तर प्रदेश में अपने विधायकों की गिनती बढ़ा सकेंगे और दीदी अनुप्रिया पटेल जी को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बना पाएंगे इस मौके पर सभी पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे जिला सचिव हसन खान,जिला अध्यक्ष महिला मंच बबीता भारद्वाज,विधानसभा अध्यक्ष नाजिम खान, उमर,फहीम, सलीम, जीशान, शोएब सैफी, बिलाल सैफी, अकरम सैफी,इमरान, हाजी जमील, शाखा जाटव, जीतू जाटव,राहुल सैनी, शावेज़ सिद्दीकी, शाहद एडवोकेट,आदि मौजूद रहे।

गांव के पास तालाब किनारे पड़ा मिला युवक का शव, तीन दिन से था लापता

बदायूँ। बिनावर थाना क्षेत्र में मोहम्मदी निवासी युवक का शव रविवार सुबह गांव के बाहर तालाब किनारे पड़ा मिला। परिजनों के मुताबिक युवक तीन दिन से लापता था। उसकी मौत कैसे हुई, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।बदायूं के बिनावर थाना क्षेत्र के गांव मोहम्मदी में रविवार सुबह तालाब किनारे युवक का शव पड़ा मिला। मृतक की पहचान इस्ताक अहमद (38 वर्ष) पुत्र शकील निवासी मोहम्मदी के रूप में हुई है, जो पिछले तीन दिनों से लापता था। परिजन और ग्रामीण उसकी लगातार खोज कर रहे थे। ग्रामीणों ने तालाब किनारे युवक का शव देखा तो गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि इस्ताक बिना बताए घर से निकल गया था और लौटकर नहीं आया। थक-हारकर परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश में जुटे थे, लेकिन रविवार को उसकी मौत की खबर ने सभी को स्तब्ध कर दिया। सभी पहुलओं पर जांच कर रही पुलिस घटना की जानकारी मिलने पर थाना बिनावर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। हत्या और आत्महत्या समेत सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस ग्रामीणों और परिवारजनों से घटना से जुड़ी जानकारी कर रही है। साथ ही मृतक के मोबाइल और हाल की गतिविधियों की भी पड़ताल की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक स्थिति सामने आएगी।

बाबा साहब की पुण्यतिथि पर गोष्ठी का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। आवास विकास स्थित राजकीय महाविद्यालय, बदायूं में डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि को परिनिर्वाण दिवस के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाया गया तथा गोष्ठी आयोजित कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर केन्द्रित विचारों का आदान प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ने की तथा संचालन डॉ. रविंद्र सिंह यादव ने किया।

दीप प्रज्वलन के माध्यम से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. संजय कुमार ने भाषण दिया। उन्होंने कहा कि जब तक समाज की निचली पायदान पर खड़ा व्यक्ति आत्मगौरव के साथ नहीं उठ खड़ा होगा, तब तक राष्ट्र का समग्र विकास और विकसित भारत का निर्माण संभव नहीं है। डॉ. संजय ने अंबेडकर जी के जीवन से जुड़ी घटनाओं का उल्लेख करते हुए बाबा साहब के द्वारा गरीबों तथामहिलाओं को शिक्षित करने से संबंधित विचारों को रेखांकित किया। विशिष्ट वक्ता के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सतीश सिंह यादव ने अंबेडकर जी के जल संरक्षण संबंधी प्रयासों का उल्लेख करते हुए ह्लनदी जोड़ो परियोजनाङ्क पर भी अपने विचार प्रस्तुत किए। इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने अंबेडकर जी के सामाजिक न्याय के सिद्धांत और दलित समाज के उत्थान हेतु किए गए कार्यों को विस्तार से बताया। शारीरिक शिक्षा विभाग के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. हुकुम सिंह ने अंबेडकर जी द्वारा अस्पृश्यता उन्मूलन के लिए किए गए आंदोलन की चर्चा की। इस अवसर पर इतिहास परिषद के अध्यक्ष अनूप सिंह यादव, छात्रा समीक्षा एवं अस्मिता सागर ने भी अपने विचार रखे। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर दलित व वंचित समाज के मसीहा थे। उन्होंने समाज के अछूत वर्ग को समानता का अधिकार दिलाकर राष्ट्र के उन्नयन के लिए संविधान की रचना की, जिससे भारत लोकतंत्र के पथ पर अग्रसर हुआ। कार्यक्रम में डॉ. बबीता यादव, डॉ. सारिका शर्मा, डॉ. गौरव कुमार सिंह, डॉ. दिलीप कुमार वर्मा, डॉ. जुनेद आलम, वीर बहादुर सिंह, निखिल सिंह चौहान, पवन कुमार, विकास कुमार, महिमा भारती और तमन्ना समेत अनेक छात्र-छात्राएँ एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

राज्य सूचना आयुक्त ने पद्मांचल जैन मंदिर पर किया वृक्षारोपण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। अरिहंत वृक्षारोपण सामाजिक सेवा समिति के तत्वावधान में पद्मांचल जैन मंदिर पर भव्य वृक्षारोपण एवं पर्यावरण मित्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्य सूचना आयुक्त स्वतंत्र प्रकाश गुप्ता के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण किया गया।

इस अवसर पर श्री गुप्ता ने कहा कि वृक्षारोपण कोई कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह हमारे जीवन की एक शैली है करोना काल से हमें पता चला कि यदि हम अपने जीवन में जो कुछ भी ऑक्सीजन ले रहे हैं वह करोड़ों रुपए में भी नहीं मिल सकती जो भगवान ने हमें निशुल्क दी है इसलिए हमें चाहिए कि हमें हमारे पूर्वजों के द्वारा दी गई विरासत को आगे बढ़ते हुए अपने आगे आने वाली पीढियां के लिए विषैली वातावरण ना छोड़कर जाएं इसलिए अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का परम दायित्व और कर्तव्य है इसके बाद उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए ट्री मैन प्रशांत जैन, वनरक्षक शिवम शंखधार, विष्णु असावा, नीरज अग्निहोत्री, देव ठाकुर ,वंश गोस्वामी ,मृगांक जैन, रमेश बाबू शर्मा,अनुज वार्ष्णेय, अचिन शर्मा समेत कई युवाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया इस मौके पर भाजपा निवर्तमान जिला कोषाध्यक्ष विवेक राठी मुदित असावा समेत समिति के अधिकांश लोग मौजूद रहे।

वामा सारथी एवं जिला होम्योपैथिक चिकित्सालय द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बदायूँ। पुलिस महानिरीक्षक, कार्मिक/पुलिस महानिदेशक के जी0एस0 ओ0 उत्तर प्रदेश के पत्रांक वक्र-12 (वामा सारथी कल्याणकारी कार्य-12)/2025 दिनांक 7 दिसंबर के अनुपालन में कल रविवार को वामा सारथी उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफ़ेयर एसोसिएशन एवं जिला होम्योपैथिक चिकित्सालय बदायूँ के संयुक्त तत्वावधान में रिज़र्व पुलिस लाइन्स, बदायूँ में नि:शुल्क मासिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ डॉ. बृजेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं वेलफ़ेयर एसोसिएशन के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में डॉ. रजनेश शर्मा (होम्योपैथिक चिकित्सक),फार्मासिस्ट संजीव, वार्ड बॉय केशव राम की टीम ने पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवारजनों की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच कर नि:शुल्क दवाइयाँ वितरित की कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. हृदेश कठेरिया, प्रतिसार निरीक्षक इंद्रजीत सिंह सहित पुलिस लाइन के अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

हेड कॉन्स्टेबल सरोज की हत्या का आरोपी सिपाही सरेंडर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। सीआईडी में तैनात महिला हेड कॉन्स्टेबल सरोज यादव की संदिग्ध मौत के मामले में बड़ा मोड़ आ गया है। पत्नी की हत्या के आरोपी यूपी पुलिस के सिपाही अष्टभुज कुमार यादव ने वारदात के लगभग तीन महीने बाद शनिवार को अदालत में सरेंडर कर दिया। घटना के बाद से वह लगातार फरार चल रहा था और शाहपुर पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही थी।

27 फरवरी 2025 की रात हुई मौत को शुरू में सामान्य बताया गया था। पोस्टमार्टम में कारण स्पष्ट न मिलने पर विसरा जांच कराई गई। अगस्त में आई फॉरेंसिक रिपोर्ट में एल्युमीनियम फॉस्फाइड जहर मिलने की पुष्टि हुई। रिपोर्ट के आधार पर शाहपुर पुलिस ने सितंबर माह में सरोज के पिता हरीलाल यादव की तहरीर पर अष्टभुज, उसकी मां और पिता के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया था।हरीलाल यादव, जो सरकारी विभाग से रिटायर हैं, ने गंभीर आरोप लगाया कि दामाद अष्टभुज का खलीलाबाद पोस्टिंग के दौरान एक महिला कांस्टेबल से अवैध संबंध था। बेटी द्वारा विरोध करने पर वह उसे मारता-पीटता था। पिता के अनुसार संबंध जारी रखने, आर्थिक लाभ पाने और इंश्योरेंस रकम हड़पने के लिए साजिशन जहर देकर हत्या की गई।पीड़ित परिवार ने बताया कि शादी के बाद सरोज के नाम 50 लाख का टर्म लाइफ इंश्योरेंस, 41 लाख का संयुक्त लोन और एक अन्य बैंक से 20 लाख का कर्ज लिया गया था। आरोप है कि सरोज की मौत के बाद अष्टभुज ने इंश्योरेंस क्लेम के लिए भी प्रयास किए। सरोज और अष्टभुज की शादी 11 दिसंबर 2013 को हुई थी। दोनों के दो बच्चे–अनमोल (9) और अक्षरा (6) हैं।परिजनों का दावा है कि 27 फरवरी की रात दामाद ने अपने माता-पिता के साथ मिलकर सरोज को जहर दिया और 28 फरवरी की रात 1:36 बजे फोन कर कहा गया कि सरोज की तबीयत खराब है। परिवार के अनुसार उन्हें गुमराह किया गया। विसरा रिपोर्ट में जहर की पुष्टि के बाद मामले में हत्या की धारा बढ़ाई गई।शाहपुर थाना प्रभारी नीरज राय ने बताया कि आरोपी अष्टभुज ने अदालत में सरेंडर किया है।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में रविवार को एल्युमिनी मीट कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य डॉ एस पी त्रिपाठी के उद्बोधन के साथ हुआ आयोजित

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व उपप्राचार्य जी पी त्रिपाठी व केंद्रीय विद्यालय रायबरेली के प्राचार्य एस के श्रीवास्तव मुख्यातिथि रहे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महराजगंज,रायबरेली। क्षेत्र के बावन बुजुर्ग बल्ला स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में रविवार को एल्युमिनी मीट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य डॉ एस पी त्रिपाठी के उद्बोधन के साथ हुआ आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व उपप्राचार्य जी पी त्रिपाठी व केंद्रीय विद्यालय रायबरेली के प्राचार्य एस के श्रीवास्तव मुख्यातिथि रहे। एल्युमिनी मीट कार्यक्रम में विभिन्न बैचों के सौ से अधिक पूर्व छात्रों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन 1993 बैच के पूर्व छात्र रहे धर्मेंद्र बहादुर सिंह व धर्मेंद्र सिंह ने किया। इसके अलावा पूर्व छात्रों में कांग्रेस पार्टी के महासचिव सुशील पासी, घनश्याम, ज़ीशान, सुधांशु, अश्विन मौर्य, पुनीत सोनकर के अलावा सौ से अधिक पुरातन छात्रों की उपस्थिति रही। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक बी के पाठक, मनोज कुमार पाण्डेय, शफक शम्मी, ओ पी सिंह, धीरज प्रताप सिंह, एस के दुबे, सुनीत त्रिपाठी, रीना रानी, आर एफ रसूल समेत सभी शिक्षक व विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

गोंडा से अयोध्या एयरपोर्ट जा रही तेज रफ्तार कार और रोडवेज बस की टक्कर, तीन की मौत

हादसे के शिकार लोग गोण्डा शादी में शामिल होने के लिये आये थे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। अयोध्या मार्ग पर एक तेज रफ्तार बेकाबू कार उत्तराखंड रोडवेज बस की टक्कर में मां और बैंक क्लर्क बेटे समेत तीन लोगों की मौत हो गई हैं,हादसे में तीन साल की बच्ची समेत तीन की हालत गंभीर है। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया हैं और ब्रेजा कार के पुर्जे सड़क पर सौ मीटर त क दूर बिखर गये।

बताते हैं गोंडा के रहने वाले नितिन गुप्ता पुत्र प्रमोद गुप्ता की चार दिसंबर को शादी थी। इसमें शामिल होने के लिए बहन नेहा गुप्ता 28 वर्ष जीजा अक्षत अग्रवाल 35 वर्ष भांजी अनाया तीन वर्ष अक्षत की मां नीता अग्रवाल 55 वर्ष और आगरा निवासी मौसेरा भाई आशु अग्रवाल 34 वर्ष आए थे। अक्षत का परिवार मूल रूप से कानपुर का रहने वाला है। अक्षत की सात साल पहले नेहा से शादी हुई थी। फिलहाल बेंगलुरु में केनरा बैंक में क्लर्क थे और परिवार के साथ बेंगलुरु में ही रहते थे। शा दी समारोह के बाद रविवार को वापस बेंगलुरु जाने के लिए अयोध्या एयरपोर्ट जा रहे थे। नितिन सभी छः लोगों को एयरपोर्ट छोड़ने अपनी कार से निकला था। गोंडा-अयोध्या हाईवे पर सुबह करीब दस बजे वजीरगंज थाना क्षेत्र के अनभुला मोड़ के पास कार का टायर फट ग या था, इससे बेकाबू कार सामने से आ रही खाली बस से टकरा गई। हादसे में अक्षत, आशु और नीता की मौके पर ही मौत हो गई। नितिन और नेहा को लखनऊ रेफर कर दिया गया है। अनाया को मामूली चोटें आई हैं। बताते हैं कि कानपुर गंगा बैराज के रहने वाले अक्षत अग्रवाल की शादी 2018 में गोंडा के आवास विकास कॉलोनी के रहने वाले प्रमोद कुमार गुप्ता के बेटी नेहा गुप्ता के साथ हुई थी। चार दिसंबर को अक्षत के साले नितिन की शादी थी। तीन दिसंबर को अक्षत की मां, पत्नी और बेटी के साथ बेंगलुरु से गोंडा आए। इस दौरान नोएडा से नितिन का मौसेरा भाई आशू पुत्र मुकेश अग्रवाल भी आया। चार दिसंबर को सभी शादी में शा मिल हुए। दिसंबर को सभी वापस लौट रहे थे। नितिन उन्हें ब्रेजा कार से अयोध्या एयरपोर्ट छोड़ने जा रहे थे। वजीरगंज थाना क्षेत्र के अन भुला मोड के पास अचानक कार का टायर फटा। बेकाबू कार अयोध्या से आ रही रोडवेज बस से टकरा गई। कार के परखच्चे उड़ गए। पीछे बैठे तीन लोग दरवाजा तोड़कर बाहर गिरे, जबकि,आगे बैठे लोग दो एयर बैग की वजह बच गए। हादसे में कार सवार अक्षत, मां नीता और आशु की मौत हो गई। नितिन, नेहा और अनाया को चोटें आईं। तीनों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवाबगंज ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर लखनऊ रेफर कर दिया गया।

मुख्यमंत्री योगी ने लिया हादसे का संज्ञान

मुख्यमंत्री योगी ने गोंडा में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया।उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्र ति संवेदनाएं व्यक्त कीं।मुख्यमंत्री ने अधिकारि यों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।साथ ही उन्होंने घायलों के बेहतर उपचार के भी निर्देश दिए। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राय ने बताया-पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

वही दूल्हे-बहन की हालत गंभीर, लखनऊ रेफर गोंडा मेडिकल कॉलेज के प्रमुख चिकित्सा अ धीक्षक डॉ.डीएन सिंह ने बताया कि सुबह साढ़े दस बजे के करीब दो मरीज गंभीर हालत में लाए गए, जबकि तीन लोगों को मृत अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों के परिजन चाहते थे कि उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया जाए, इसलिए उन्हें लखनऊ रेफर किया गया। तीनों मृतकों के शव मॉर्च्यूरी में रखे गए हैं। पंच नामे के बाद शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजे जाएंगे।

भूमाफिया अंकुर अग्रवाल समेत दो गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले की नगर कोतवाली पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भूमाफिया अंकुर अग्र वाल और उसके साथी अब्दुल हमीद को गिर फ्तार कर जेल भेज दिया है।इन पर जमीनी विवाद में जानलेवा हमला और फायरिंग करने का आरोप है।

इस घटना में शामिल 12 अज्ञात व्यक्तियों की भी जांच की जा रही है।यह घटना बीते पांच दिसंबर की देर शाम बूढ़ादेवर गांव में हुई थी।इटियाथोक निवासी अंकित जायसवाल की जमीन पर अंकुर अग्रवाल द्वारा एक निर्मा णाधीन दीवार गिराई जा रही थी। जब अंकित जायसवाल ने मौके पर पहुंचकर इसका विरोध किया, तो अंकुर अग्रवाल, अब्दुल हमीद और बारह अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर उनके साथ मारपीट की और उन पर फायरिंग कर दी।अंकित जायसवाल ने किसी तरह अपनी जान बचाकर गोंडा की नगर कोतवाली पहुंच कर तहरीर दी। उनकी तहरीर पर भूमाफिया अंकुर अग्रवाल,अब्दुल हमीद और बारह अज्ञा त लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था, नगर कोतवाली पुलिस ने अंकुर अग्रवाल और अब्दुल हमीद को गिरफ्ता र कर लिया है। नगर कोतवाल विवेक त्रिवेदी ने बताया कि बूढ़ादेवर गांव में जमीनी विवाद को लेकर मारपीट और फायरिंग की गई थी। तत्का ल मुकदमा दर्ज कर 48 घंटे के भीतर आरोपि यों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। घटना में शामिल बारह अन्य लोगों के बारे में भी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। भूमाफि या अंकुर अग्रवाल के खिलाफ नगर कोतवाली समेत जिले के कई थानों में जमीन घोटाले और फर्जीवाड़े के अन्य मुकदमे भी दर्ज हैं, जिनकी जांच भी चल रही है।

जन औषधि केन्द्र की तर्ज पर ब्लाकों में खुलेंगे ''पशु औषधि केन्द्र''

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जनपद के पशुपालकों को मिलेंगी सस्ती दवाएं

ब्लाक स्तर पर प्रक्रिया शुरू, मांगे गए आवेदन

योजना का मुख्य उद्देश्य है कि पशुपालकों को कम कीमत में उच्च गुणवत्ता वाली दवाएं उपलब्ध हो सकें

बहराइच । कृषकों की आय को दोगुना करना केन्द्र व प्रदेश सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में शामिल है। इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए भारत सरकार द्वारा जन औषधि केंद्र की तर्ज पर ब्लाक स्तर पर पशु औषधि केंद्र खोलने का निर्णय लिया गया है।

योजना का मुख्य उद्देश्य है कि पशुपालकों को कम कीमत में उच्च गुणवत्ता वाली दवाएं उपलब्ध हो सकें। देखने में आता है अब तक पशु दवाओं का एक बड़ा हिस्सा निजी बाजारों पर निर्भर है। खुले बाज़ार से दवाओं की खरीद करने पर पशुपालकों को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। जिससे तमाम लोग इस खर्च नहीं उठा पाते हैं। पशु औषधि केन्द्र योजना के धरातल पर क्रियान्वित होने से न केवल उपचार लागत घटेगी। बल्कि पशुधन संरक्षण व डेयरी क्षेत्र को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा भी मिलेगा। सरकार का यह निर्णय श्वेत क्रान्ति की दिशा में गेम चेन्जर साबित होगा।यह जानकारी देते हुए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश उपाध्याय ने बताया कि योजना हेतु केन्द्रीय स्तर से पोर्टल पशुऔषधि डाट डीएएचडी डाट जीओवी डाट इन शुरू किया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी जिनके पास कम से कम 120 वर्ग फीट स्थान उपलब्ध है, फार्मासिस्ट पंजीकरण प्रमाणपत्र, ड्रग लाइसेंस के साथ आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन का शुल्क रू. 5000 निर्धारित है। आवेदन पत्रों की की जांच के साथ उचित स्थान व निरीक्षण की प्रक्रिया विभागीय अधिकारियों द्वारा की जायेगी।सीवीओ डॉ. उपाध्याय ने बताया कि पशु औषधि केंद्र खुलने के बाद पशुपालकों को एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यहां पर पशुओं के लिए एंटीबायोटिक, विटामिन, हार्मोनल इंजेक्शन, प्राथमिक उपचार किट व पशु टीकाकरण से संबंधित दवाएं सस्ती कीमत पर मिल सकेंगी। सीवीओ ने कहा कि बहराइच जैसे कृषि प्रधान व आकांक्षी जनपद के लिए यह योजना मील का पत्थर साबित होगी यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बड़ा परिवर्तन लाने वाला कदम साबित होगी।

गोरखपुर के इस्माइलपुर में मकान में अचानक लगी आग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

स्थानीय लोगों ने बुझाई लपटें, पुलिस मौके पर; कोई हताहत नहीं

गोरखपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर मोहल्ले में रविवार को एक मकान में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। मकान से धुआँ उठता देख आसपास के लोग मौके पर दौड़े और बाल्टियों व पाइप से पानी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास करने लगे। सूचना पर कोतवाली पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंची। घटना में किसी व्यक्ति के हताहत होने की जानकारी नहीं है।स्थानीय लोगों के अनुसार दोपहर के समय मकान के एक हिस्से से अचानक धुआं दिखाई दिया। कुछ ही देर में आग तेज हो गई। पड़ोसियों ने आवाज लगाकर आसपास के लोगों को बुलाया और मिलकर आग बुझाने में जुट गए। मौके की स्थिति देखते हुए पुलिस ने भी क्षेत्र को सुरक्षित कराया और भीड़ को नियंत्रित किया। बताया जा रहा है कि घर के कुछ सामान जलकर क्षतिग्रस्त हुए हैं, हालांकि बड़ी घटना होने से बचाव हो गया।प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट या किसी ज्वलनशील वस्तु के कारण लगी होगी। कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र का निरीक्षण कर घटना के संबंध में जानकारी जुटाई है। पुलिस का कहना है कि आग पर समय रहते काबू पा लेने के कारण बड़ा नुकसान टल गया। मौके की परिस्थितियों के आधार पर आगे की जांच की जा रही है।

एसपी एवं वामा सारथी अध्यक्षा डॉ.तनवी ने बाल शिशु गृह के बच्चों को दिए सर्दी के गर्म वस्त्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। शीत ऋतु के आगमन को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल द्वारा जनपद में संचालित सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रमों के क्रम में मण्डलीय बाल देखरेख संस्थान बाल शिशु गृह का दौरा किया गया । इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विनीत जाय सवाल के द्वारा अपने पिता राधेश्याम जायसवा ल सेवानिवृत्त जेल अधीक्षक तथा गोण्डा के प्र तिष्ठित व्यापारियों के सहयोग से बाल गृह में निवासरत लगभग 65 बच्चों के लिए सर्दी से बचाव हेतु आवश्यक सभी प्रकार के गर्म वस्त्रों का वितरण किया गया,जिसमें-इनर,जूते, मोजे, लोअर,अपर जैकेट तथा अन्य ऊनी कपड़े शा मिल थे तथा साथ ही साथ सभी बच्चों को फल वितरण किया गया । बाल गृह में नवजात शिशु से लेकर 17 वर्ष की आयु तक के बच्चे शामिल हैं कार्यक्रम की शुरुआत पुलिस अधीक्षक विनी त जो सवाल के द्वारा बच्चों के साथ भावनात्म क संवाद से हुई, जिसमें उन्होंने बच्चों से उनके दैनिक जीवन, पढ़ाई, स्वास्थ्य तथा देखभाल से संबंधित जानकारी प्राप्त की, साथ ही संस्थान में मौजूद सभी दत्तक माताओं तथा कर्मचारियों को बच्चों की देखभाल,पोषण,स्वच्छता, सुरक्षा एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण संवेदनशील ता बरतने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक नेअपने सम्बोधन मे कहां गया कि ह्लसमाज का सबसे कमजोर वर्ग- विशेष रूप से अनाथ एवं परित्यक्त बच्चे हम सभी की सामूहिक जिम्मेदा री हैं।पुलिस संगठन केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवीय मूल्यों और सामाजिक सहयोग के माध्यम से ऐसे बच्चों के भविष्य को संवारना भी उसका कर्तव्य है।पुलिस अधीक्षक के द्वारा बताया गया कि गोण्डा पुलिस समय-समय पर समाज के विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए जागरूकता कार्यक्रम, सहायता शिविर और सेवा-आधारित गतिविधियाँ आयोजित क रती रही है।बाल शिशु गृह के कार्यक्रम भी उसी श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा है,जिसका उद्देश्य बच्चों को ठंड से बचाना और उन्हें सुरक्षित, आ रामदायक वातावरण प्रदान करना है।इस अव सर पर पुलिस अधीक्षक के द्वारा संस्थान के आवासीय कक्ष,भोजनालय, कपड़े रखने की व्यवस्था,शिक्षण संसाधन तथा स्वास्थ्य सुविधा ओं का विस्तार से निरीक्षण किया।साथ ही औ चक रूप से भोजन की गुणवत्ता, बिस्तरों की सफाई तथा बच्चों के लिए उपलब्ध दवाओं पोषक आहार की स्थिति का भी परीक्षण किया और आवश्यकतानुसार सुधारात्मक दिशा-निर्देश दिए।

एसडीएम नेहा मिश्रा के आदेश पर सरकारी जमीन पर चला बुलडोजर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। करनैलगंज तहसील क्षेत्र में सरकारी जमी न पर अवैधकब्जे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है।जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के निर्देश पर करनैलगंज की एसडीएम नेहा मिश्रा के नेतृ त्व में सोनवार गांव में बुलडोजर चलाकर अति क्रमण हटाया गया।यह कार्रवाई बालाजी मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को हो रही दिक्कतों की शिकायत के बाद की गई।सोनवार गांव स्थि त गाटा संख्या 360 और 361 की ग्राम समाज भूमि पर कुछ लोगों ने पीछे की ओर टीन शेड लगाकर कब्जा जमाया हुआ था।स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत प्रशासन से की थी। जांच में आरोप सही पाए जाने पर अतिक्रमणकारियों को कई बार नोटिस देकर अवैध निर्माण हटाने का निर्देश दिया गया,लेकिन उन्होंने कब्जा खा ली नहीं किया।एसडीएम नेहा मिश्रा ने बताया कि नोटिस और चेतावनी के बावजूद कब्जा न हटाए जाने पर प्रशासन को सख्त कार्रवाई करनी पड़ी।सोमवार को बुलडोजर चलाकर सभी अवैध निर्माण ध्वस्त करा दिए गए।साथ ही दोबारा कब्जा करने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई।जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कहा कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पूरे जिले में ऐसे मामलों पर अभियान चलाकर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

राम के जन्म से पूर्व वानर, भालू के रूप में पैदा हो चुके थे ब्रम्हा, विष्णु आदि देवता

अखिल भारतीय श्रीराम-नाम जागरण मंच के तत्वावधान में आयोजित श्रीराम कथा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। अयोध्या में भगवान श्रीराम के अवतार से पूर्व उनकी सेवा के लिए ब्रम्हा, शंकर आदि देवता पृथ्वी पर भालू बंदर बनकर आ चुके थे। ब्रम्हा जामवंत बने तथा शंकर ने हनुमान के रूप में वानर रूप धरा। इसी प्रकार से सभी देवता कोई न कोई रूप धारण करके प्रभु श्रीराम की सेवा के लिए तत्पर हो गए।

यह बात नगर के आवास विकास कालोनी में अखिल भारतीय श्रीराम-नाम जागरण मंच के तत्वावधान में आयोजित श्रीराम कथा में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक रमेश भाई शुक्ल ने कही।भगवान श्रीराम के जन्म की कथा सुनाते हुए उन्होंने कहा कि श्रीराम के पिता राजा दशरथ के जन्म से भी काफी समय पूर्व रावण का जन्म हो चुका था। उसने अपने तप से तीनो लोकों पर प्रभाव जमा लिया। यद्यपि अयोध्या को वह जीत नहीं सका था, किंतु इसके बावजूद वह अपने को तीनो लोकों का स्वामी कहता था। उसके पाप से धरती त्रस्त थी। सभी देवता मिलकर ब्रम्हा जी के पास पहुंचे और इसका कुछ उपाय करने को कहा। ब्रम्हा जी ने कहा कि रावण के 10 सिर हैं। मेरे केवल चार हैं। मैं उसे काबू में नहीं कर सकता। एक हजार नाम वाले भगवान विष्णु ही हमारी मदद कर सकते हैं। हम सभी को मिलकर उन्हीं से प्रार्थना करनी चाहिए। इस प्रकार सभी देवताओं ने मिलकर 'जय-जय सुरनायक, जन सुखदायक' का गान दिया। सामूहिक स्तुति से प्रसन्न होकर विष्णु ने अयोध्या में राजा दशरथ के यहां जल्द ही जन्म लेने की बात कही। यह सुनकर देवता खुश हो उठे और पृथ्वी पर विविध रूपों में जन्म लेने लगे। बाद में 14 वर्ष के वनवास काल में प्रभु श्रीराम के साथ मिलकर उन्होंने रावण, कुंभकर्ण, मेघनाद आदि प्रतापी राक्षसों का वध किया। कथा व्यास के अनुसार, रावण को पहले से ही पता चल गया था कि उसकी मौत अयोध्या के राजा दशरथ के पुत्र के हाथों होगी। इसलिए दोनों के विवाह के पूर्व ही उन्हें मार डालने की योजना बनाई। दरअसल, कुशल प्रदेश (वर्तमान छत्तीसगढ़) के राजा सुकौशल और रानी अमृतप्रभा की पुत्री कौशल्या का विवाह अयोध्या नरेश दशरथ से तय कर दिया। विवाह की तैयारियां जोरों पर थीं। महाराज दशरथ सरयू में नौका विहार कर रहे थे। इसी बीच उन्हें मार डालने के उद्देश्य से रावण ने आकाश से नाव पर घातक अस्त्र का प्रहार किया। इससे नौका क्षतिग्रस्त हो गई और वे नदी में डूब गए। बाद में एक लकड़ी के सहारे नदी में बहते हुए राजा दशरथ गंगासागर पहुंच गए।

बुढ़ापे में आर्थिक असुरक्षा को लेकर कर्मचारी हैं चिंतित : रूपेश

गोरखपुर। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की एक आवश्यक बैठक डिप्लोमा इंजीनियर संघ भवन में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष रूपेश कुमार श्रीवास्तव ने की तथा संचालन महामंत्री मदन मुरारी शुक्ल द्वारा किया गया।बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष रूपेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कर्मचारी बुढ़ापे में अपनी आर्थिक असुरक्षा को लेकर अत्यंत चिंतित हैं, इसलिए सरकार को चाहिए कि पुरानी पेंशन व्यवस्था को पुनः बहाल कर कर्मचारियों की यह चिंता दूर करे। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि आवश्यक हो तो कुछ माननीयों को मिलने वाली चार-चार पेंशन समाप्त कर माननीय सहित सभी को एक पेंशन का प्रावधान किया जाए।महामंत्री मदन मुरारी शुक्ल ने मांग की कि सरकार आगामी शीतकालीन सत्र में आठवें वेतन आयोग में प्रस्तावित फिटमेंट फैक्टर को सार्वजनिक करे, जिससे कर्मचारी भविष्य में मिलने वाले लाभ को लेकर आश्वस्त हो सकें।उन्होंने बताया कि दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस इलाज कार्ड के माध्यम से इलाज कराने वाले कर्मचारियों, पेंशनरों एवं उनके परिजनों को कई गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिनका समाधान शासन स्तर पर आवश्यक है–कैशलेस इलाज से जुड़ी प्रमुख समस्याएँ एवं मांगे–1. कैशलेस चिकित्सा में ओपीडी, जांच सहित संपूर्ण इलाज शामिल किया जाए।2. अस्पतालों को शासन द्वारा भुगतान में विलंब के कारण वे कैशलेस इलाज देने से मना कर रहे हैं। ऐसी व्यवस्था बनाई जाए कि कैशलेस कार्ड पर इलाज में कोई रुकावट न आए।3. भर्ती प्रक्रिया सरल की जाए तथा भर्ती मरीजों को प्राइवेट रूम उपलब्ध कराया जाए।4. बीमारी निर्धारित होने और सांची संस्थान से अनुमोदन आने में देरी होने पर इलाज शुरू नहीं हो पाता। ऐसी व्यवस्था हो कि मरीज का इलाज तुरंत प्रारंभ किया जा सके।5. गंभीर बीमारियों में 5 लाख की सीमा बढ़ाकर संपूर्ण इलाज का खर्च सरकार वहन करे। अपने संबोधन में पं. श्याम नारायण शुक्ल व अशोक पांडेय ने कहा कि कार्यालय में भी चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल को पेंडिंग किया जा रहा है इसलिए सभी कार्यालय अध्यक्ष को सख्त निर्देश हो कीवह एक महीना के अंदर सीएमओ कार्यालय से बिल का परीक्षण कराकर कर्मचारियों के खाते में उसका भुगतान कराएं। बैठक में रूपेश कुमार श्रीवास्तव, अशोक पांडेय, मदन मुरारी शुक्ल, पं. श्याम नारायण शुक्ल, अनिल द्विवेदी, राजेश मिश्रा, अनूप कुमार, इंजीनियर सौरभ श्रीवास्तव, इजहार अली, राजू कुमार, श्रीनाथ गुप्ता, कृष्ण मोहन गुप्ता, सतीश पांडेय, बंटी श्रीवास्तव,रमेश वर्मा सहित कई कर्मचारी उपस्थित रहे।

मसल्स मेनिया में पूर्वांचल का दबदबा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

खलीलाबाद के शुएब और महराजगंज के सनी ने जीता स्वर्ण पदक

गोरखपुर । राजधानी दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित मसल्स मेनिया चैंपियनशिप में पूर्वांचल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर क्षेत्र का परचम लहराया। खलीलाबाद के शुएब और महराजगंज के सनी गुप्ता ने अपनी-अपनी कैटेगरी में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाकर टीम माज़ खान और पूर्वांचल को बड़ी उपलब्धि दिलाई।

दो कैटेगरी में चमके शुएब, सनी ने भी दिलाया स्वर्ण

जानकारी के अनुसार टीम माज़ खान के एथलीट शुएब ने शानदार फार्म जारी रखते हुए दो कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता। मजबूत बॉडी, बेहतरीन पोज़िंग और प्रभावशाली मंच प्रदर्शन के दम पर उन्होंने निर्णायकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।वहीं महाराजगंज के सनी गुप्ता ने भी अपने दमदार प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतकर टीम के मेडल कलेक्शन में एक और चमकदार उपलब्धि जोड़ दी।

टीम माज़ खान लगातार सुर्खियों में

टीम माज़ खान के खिलाड़ी पिछले दिनों भी सुर्खियों में रहे हैं, जब टीम के दो एथलीटों ने थाईलैंड के बैंकॉक में आयोजित अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में भारत का झंडा फहराया था। अब शुएब और सनी की जीत ने फिर साबित कर दिया कि पूर्वांचल के युवा एथलीट राष्ट्रीय मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति बना चुके हैं।

शुएब बोले — माज़ सर सिर्फ कोच नहीं, अभिभावक हैं

अपनी जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए शुएब ने कहा मैं मध्यम परिवार से हूँ। शुरुआत से गोलू भाई के साथ जिम करता रहा हूँ। उन्होंने परिवार की तरह हर कदम पर मेरा साथ दिया। माज़ सर से जुड़ने के बाद असली ट्रेनिंग समझ में आई। सर हमें पूरी नॉलेज और अनुशासन के साथ तैयार करते हैं। वे सिर्फ कोच नहीं, एक अभिभावक की तरह हमेशा हमारे साथ खड़े रहते हैं।

सनी ने बताया संघर्ष— गरीब था, लेकिन माज़ सर ने सपने पूरे करवाए

महाराजगंज के मिठौरा ब्लॉक निवासी सनी ने कहा मैं गरीब परिवार से हूँ। कई कोचों के पास गया, लेकिन पैसों के कारण कोई मदद नहीं करता था। बाद में माज़ सर से मिला और उनकी टीम जॉइन की। फिर मिस्टर पूर्वांचल, मिस्टर गोरखपुर, मिस्टर महाराजगंज और अब मसल्स मेनिया तक पहुँचा। यह सब माज़ सर की वजह से संभव हुआ है। अभी बहुत बड़ी उपलब्धियाँ आनी बाकी हैं–यह तो सिर्फ शुरुआत है।

पूर्वांचल के एथलीटों ने फिर दिखाया दम

मसल्स मेनिया में शुएब और सनी की दमदार जीत ने यह साबित कर दिया कि मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन के साथ पूर्वांचल के खिलाड़ी किसी भी मंच पर इतिहास लिखने की क्षमता रखते हैं।

भाभी से दुष्कर्म का प्रयास, कपड़े फाड़कर मारपीट का आरोप

गोरखनाथ थाना क्षेत्र में देवर के खिलाफ एफआईआर दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। गोरखनाथ थाना क्षेत्र में एक 30 वर्षीय महिला ने अपने देवर पर घर में अकेला पाकर दुष्कर्म का प्रयास करने, कपड़े फाड़ने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद पीड़िता की तहरीर पर आरोपी देवर के खिलाफ गोरखनाथ थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।पीड़िता ने बताया कि उसके पति नौकरी के सिलसिले में अक्सर बाहर रहते हैं। इस दौरान उसका देवर कई बार गलत नीयत से करीब आने की कोशिश करता रहा, लेकिन परिवार की प्रतिष्ठा की वजह से वह चुप रही। महिला के अनुसार 5 दिसंबर की दोपहर वह घर पर अकेली थी। तभी देवर अचानक घर पहुंचा और यह सुनिश्चित करने के बाद कि घर में कोई नहीं है, उसने अनुचित हरकतें शुरू कर दीं।महिला ने आरोप लगाया कि देवर ने जबरन उसे पकड़ लिया और गलत संबंध बनाने का दबाव बनाया। विरोध और चीख-पुकार के बावजूद आरोपी नहीं रुका। महिला के अनुसार वह भागकर बचने की कोशिश कर रही थी, लेकिन देवर ने उसे पकड़कर जबरन कमरे की ओर खींचा। इसी दौरान उसने कपड़े फाड़ दिए और उससे मारपीट की। महिला के अनुसार आरोपी ने धमकाया कि मामला किसी को बताया तो वह जान से मार देगा।घटना की जानकारी डायल 112 पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी घर से फरार हो चुका था। गोरखनाथ थाना प्रभारी शशिभूषण राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी देवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच निरीक्षक संदीप कुमार को सौंपी गई है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है और बयान एवं साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तिलक समारोह से गहनों से भरा बैग चुराने का मामला सुलझा

गोरखपुर। कोतवाली क्षेत्र के प्रगति मैरिज हॉल में 21 नवंबर को हुए तिलक समारोह के दौरान चोरी हुए गहनों के बैग को गोरखनाथ पुलिस ने बरामद कर लिया है। हालांकि घटना को अंजाम देने वाला शातिर चोर मौके से फरार हो गया। चोरी गए गहनों की कीमत लगभग 7 लाख रुपये बताई जा रही है।गोरखनाथ थाना पुलिस के उपनिरीक्षक अनूप सिंह के नेतृत्व में गठित टीम लगातार आरोपी की तलाश कर रही थी। 6 दिसंबर को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मध्य प्रदेश निवासी आरोपी बाबी सासी धर्मशाला बाजार स्थित शराब भट्टी के पास रेलवे लाइन किनारे खड़ा है और किसी साथी का इंतजार कर रहा है।सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर आरोपी रेलवे ट्रैक की ओर भागने लगा। पकड़े जाने के डर से उसने हाथ में लिए झोले को फेंक दिया और ट्रैक पर आ चुकी ट्रेन का फायदा उठाकर अंधेरे में फरार हो गया। पुलिस ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन वह हाथ नहीं लगा।पुलिस द्वारा बरामद झोले को खोलकर देखा गया तो उसमें तिलक समारोह से चोरी हुआ पूरा सामान मौजूद था। बरामद आभूषणों में शामिल हैं–पीली धातु: 1 हार (35 ग्राम), 2 कंगन (19 ग्राम), 2 झुमके (8 ग्राम), 1 अंगूठी (1.6 ग्राम)सफ़ेद धातु: प्लेट (156 ग्राम), नारियल (28 ग्राम), 5 पान पत्ता (22 ग्राम), मछली (22 ग्राम), 5 सिक्के (43 ग्राम), 5 सुपारी (13 ग्राम), 2 हाथ पलासी (53 ग्राम), कर्धनी पेटी (300 ग्राम)।बरामदगी के बाद मामले में धारा 317(2) उगट्ट की बढ़ोत्तरी की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी बाबी सासी एक सक्रिय गिरोह का सदस्य है, जो विभिन्न राज्यों में शादी-विवाह समारोह में शामिल होकर आभूषण व नकदी चोरी करता है। उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर दबिश जारी है।घटना से संबंधित क्राइम मु0अ0सं0 502/2025 धारा 303(2) उगट्ट पहले ही दर्ज की जा चुकी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी किसी भी समय हो सकती है और आगे की विधिक कार्रवाई प्रगति पर है।

जाम के झाम से शहर को नहीं मिल रही निजात,बिगड़े हालात जिलाधिकारी के सामने पहुंची शहर वासियों की समस्या

शहर में ई रिक्शों की बढ़ती संख्या जाम की बड़ी समस्या उत्पन्न कर चुकी है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। नगर के मुख्य मार्गों पर जाम का झाम खत्म नहीं हो रहा इसकी एक वजह सड़क की पटरियों पर अतिक्रमण के अलावा बेतहाशा ई रिक्शा का सैलाब एक बड़ी वजह बना हुआ है तो वाहनों की बढ़ती समस्या भी एक वजह है शहर में आने वाले लोगों को जाम की वजह से बड़ी दिक्कतें उठानी पड़ती है।

सबसे ज्यादा जाम में आम जन मानस और प्रभावित होता हैं हालात यह है कि जाम फंसने पर शहर के प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लगना शुरू हो जाता है शहर में सोमवार को छोड़ अन्य दिनों में सुबह जैसे ही बाजार खुलता है, राहगीरों की परेशानी बढ़ जाती है। दुकानदार फुटपाथों पर सारा सामान सजा देते हैं जिससे सड़क के दोनों तरफ बने फुटपाथों पर पैदल चलने वालों के लिए जगह ही नहीं बचती जनता की सुविधा के लिए बनवाए गए फुटपाथों पर अब दुकानदारों का पूरी तरह से कब्जा हो चुका है फुटपाथ तो अब गायब ही हो चुकी है उसके आगे ठेलों की भरमार, खरीदारों के वाहन खड़े हो जाते हैं सड़क संकरी हो चुकी है।

सिरसा चौराहा, कोतवाली रोड से तिरंगा चौक, माधोटांडा रोड से तिराहा तक माधोटांडा फाटक से शेरपुर फाटक तक स्टेशन से ब्लॉक चौराहा, ब्लॉक चौराहा से राजीव नगर तक सभी अतिक्रण की चपेट में है जाम की समस्या से कराह रहे लोगों का कहना कि किसी जगह समय से निकलने पर निर्धारित जगह पहुंचना मुश्किल हो जाता है इसलिए जब गंतव्य तक पहुंच जाए तभी आने की जानकारी दी जाती है ताकि झूठा न बनना पड़े। यदि जाम में फंस गए तो न तो आगे जाते बनता है न ही पीछे लौटते बनता है। लोगों का मानना है कि चल रहा है चलने दो कि परम्परा की तरह जाम की समस्या को लिया जा रहा है। इस पर कड़ी कार्रवाई नहीं हो रही। जबकि जाम को लेकर कड़ाई से प्रयास पर अतिक्रमण हटाने के अलावा ई रिक्शा फीडर रूट निर्धारण की प्रक्रिया चल कर बीच में ही दम तोड़ गई ई रिक्शा में दांई ओर लगी राड जिससे यात्री बाई ओर ही चढ़े, उतरें जिससे जाम न लगे सभी ने एक स्वर में कहा कि सख्त नियम बने, फुटपाथों को खाली करवाया जाए दुकानदारों को जागरूक करने के साथ बार-बार कब्जा करने वालों पर बिना सख्त कार्रवाई के समस्या से निजात माना नामुमकिन है शहर में बाहरी ई-रिक्शे भी बन रहे परेशानी की वजह एक अनुमान के मुताबिक जिले में ई रिक्शा लगभग 2 हजार की संख्या में पहुंच चुके हैं शहर के हर मार्ग पर ई रिक्शा की भरमार न टूटने वाली कतार मिलेगी शहरी ई रिक्शा चालकों के अलावा ग्रामीण इलाकों के स्टेट हाईवे, नेशनल हाईवे से होते हुए शहर पहुंच जाम की सबसे बड़ी वजह बन रहे हैं शहर के आसाम हाईवे चौराहे, स्टेशन चौराहे बड़ी संख्या में ई-रिक्शे संचालित हो रहे हैं खास बात तो ये है कि ये लोग बीच सड़क पर चलते हैं अपने साइड में नहीं चलते पार्किंग न होने की वजह से ये चालक जहां मन करता है वहीं ई-रिक्शा खड़ा कर देते हैं इसकी वजह से भी लोगों को जाम से जूझना पड़ रहा है सड़कों के किनारे दर्जनों की संख्या में वाहनों के खड़े होने से पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा है सवारियां भरने के चक्कर में वे किसी भी हद तक जा सकते हैं बढ़ते वाहनों, अतिक्रमण के चलते सिकुड़ती सड़कों ने शहर की यातायात व्यवस्था को पटरी से उतार दिया है।

तमाम कोशिशों के बाद भी यातायात बेलगाम हो गया है शहर में ऐसा कोई चौराहा नहीं है जाम बनने की सूरत में तमाम बेलगाम ई रिक्शा, बाइक चालक आड़े तिरक्षे होकर रांग साइड जाकर जाम लगा देते हैं जाम में हर कोई वाहन चालक जल्द निकलने के प्रयास में कसूरवार बन जाते हैं। लोग अपनी साइड में कतार में न चल दांये बांये से निकलने की कोशिश में जाम को उलझा देते हैं जाम में फंसे मरीज, स्कूल कालेज के छात्र छात्राओं, सरकारी दफ्तरों में जाने वाले अधिकारी, कर्मी, यहां तक की एंबुलेंस तक फंस जाती हैं। यही नहीं शहर में ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर तमाम ई रिक्शा चालक, बाइक सवार घुमावदार संकरी गलियों से निकलने के प्रयास में गलियों में भी जाम के हालात बन जाते हैं शहर में कही भी पार्किंग व्यवस्था न होना भी एक बड़ी वजह है बाजार आए लोग वाहनों को सड़क पर खड़ा करते हैं अवैध तरीके से अतिक्रमण व ठेले खोमचों की भी तादाद बढ़ी है इसकी वजह से हर रोज जाम लगता है आलम ये है कि बच्चे समय से स्कूल व घर नहीं पहुंच पाते। एम्बुलेंसों से मरीजों को अस्पताल पहुंचने में देर होती है लोग घंटों जाम से जूझते रहते हैं। शहर में दो किमी की दूरी तय करने में एक घंटे से अधिक लग जाते हैं प्रशासनिक अफसर समस्या से निजात के दावे करते हैं। दावे खरे नही उतरते सड़क भी संकरी है पैलेस को छोड़ कही पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से खरीददार या जरूरतमंद वाहनों को सड़क पर खड़ा कर देते हैं शहर में सबसे ज्यादा जाम है जिसकी वजह आस-पास बिना पार्किंग संचालित हो रही पैथालॉजी, नर्सिंग होम व अन्य प्रतिष्ठानों में प्रतिदिन हजारों लोग पहुंचते हैं पार्किंग की व्यवस्था कही भी न होने से सभी मरीज व उनके तीमारदार अपने वाहन मुख्य सड़क के किनारे खड़े करते हैं जिससे पूरे दिन जाम के हालात रहते है।

रोडवेज डिपो परिसर की बाउंड्रीवाल में बड़े पैमाने पर हो रही है गड़बड़ी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। बीते जुलाई माह में बारिश के चलते रोडवेज बस स्टाप परिसर की बाउंड्रीवाल बढैयाबीर/बस स्टाप मुख्य मार्ग पर ाराशायी हो गई थी, गनीमत रही कि कोई जनहानि नही हुई, जबकि मुख्य मार्ग होने के कारण 24 घंटे आवागमन लगा रहता है, हालांकि दीवार गिरने की सूचना पर परिवहन विभाग के जिम्मेदारो में एक भय था की कह कोई मलवे में दबा न हो बहरहाल आनन-फानन में पूर्व इंचार्ज सिंह के द्वारा बढैयाबीर में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला गया, पता चला कि बारिश के वजह से आवागमन रूक-रूककर होने से बड़ी घटना नही हुई, जबकि सीसीटीवी फुटेज में दीवार गिरने से कुछ ही सेकंड पहले एक व्यक्ति गुजरा था, लगभग 14 इंच की दीवार जिसमें दर्जन भर पिलर थे, पिलर में मोटी-मोटी सरिया डालकर बाउंड्रीवाल खड़ी की गई थी, उसके बाद भी बारिश में ाराशाई हो गई, तो भला इस बार बगैर सरिया और बगैर पिलर के कैसे खड़ी रह जाएगी सांय है। बहरहाल बहुत तेजी के साथ दोयम दर्जे की ईंट और भ्रष्टाचार के मसाले से बाउंड्रीवाल तैयार कर प्लास्टर करके सारे ऐब को छुपाने का प्रयास किया जा रहा है,वह भविष्य के लिए घातक साबित हो सकता है, सूत्रों की माने तो इस भ्रष्टाचार की बाउंड्रीवाल में स्टेशन इंचार्ज और एआरएम रोडवेज बेबस दिखाई दिए। इस संबा में आरएम अयोया द्वारा दूरभाष पर बताया गया है कि बाउंड्रीवाल से संबाित समस्त जानकारी एआरएम सुल्तानपुर से ली जाएगी, वही इंचार्ज व एआरएम सुल्तानपुर ने बताया कि डिपो परिसर की हो रही बाउंड्रीवाल की समस्त जानकारी आरएम अयोया मंडल को भेजी गई है।

दुर्घटना में तीर्थयात्रियों के लिए मसीहा बने प्रभाकर शुक्ला 'रिंकू

दुर्घटना की जानकारी होते ही श्री शुक्ला ने दवा, कपड़े एवं भोजन के साथ साथ साथ ठहरने की व्यवस्था करा यात्रियों का राहत पहुंचाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। कल हुई सड़क दुर्घटना ने महाराष्ट्र से आए तीर्थयात्रियों के चेहरों से मुस्कान छीन ली थी, लेकिन आज उन्ह चेहरों पर राहत की चमक लौटाने का काम किया लोकाािकार सेवा समिति के अयक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ला 'रिंकू ने।

दुर्घटना की जानकारी मिलते ही प्रभाकर शुक्ला ने बिना देर किए प्रशासन से संपर्क साधा और घायल तीर्थयात्रियों के इलाज, दवा, रातभर ठहरने, भोजन तथा अन्य आवश्यक सुवाािओं की त्वरित व्यवस्था कराकर संकट की घड़ी में सहारे का स्तंभ बन गए। रातभर उन्होंने लगातार स्थिति पर नज़र रखी ताकि किसी यात्री को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। आज प्रातः उन्होंने स्वयं एक विशेष बस की व्यवस्था करवाकर सभी तीर्थयात्रियों को उनके घरों के लिए रवाना कराया। विदाई के समय प्रभाकर शुक्ला ने यात्रियों को कंबल वितरित कर संवेदना और सहयोग की गर्माहट भी दी। घायलों का मनोबल बढ़ाने के लिए उन्होंने हर व्यक्ति से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर हिम्मत बंााई। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि ऐसी परिस्थितियों में जो काम प्रशासन करता है, वही कार्य प्रभाकर शुक्ला ने अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी समझकर किया, जो अपने आप में समाजसेवा की एक अनोखी मिसाल है। नगरवासियों ने उनके इस मानवीय प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज में ऐसे लोग हों तो मानवता कभी हार नह सकती। प्रभाकर शुक्ला का यह कदम न केवल पीड़ित यात्रियों के लिए संबल बना, बल्कि पूरे क्षेत्र में समाजसेवा के प्रति नया उत्साह, नई प्रेरणा भी जगाने का काम कर रहा है।

पीलीभीत में तैनाती के दौरान सिपाही और दरोगा को ब्लैकमेल कर चुकी है विवादित महिला कांस्टेबल मीनाक्षी

पुलिस ने किया गिरफ्तार, जालौन जनपद के थाने कुठौंद में दर्ज हुआ है हत्या का मुकदमा कुछ दिन पूर्व इंस्पेक्टर से लिया था सोने का हार

यहां पर विवादों में आने के बाद इसका स्थानांतरण अमरिया और फिर सुनगढ़ी थाना क्षेत्र में डायल 112 में हुआ था

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। शातिर कारनामों को लेकर 2019 बैंच की महिला आरक्षी मीनाक्षी पीलीभीत में भी काफी सुर्खिया बटोर चुकी है। आरोपित महिला आरक्षी की सबसे पहले तैनाती सगी बहन के साथ पीलीभीत जनपद की कोतवाली पूरनपुर में हुई थी। यहां कई माह तैनाती के दौरान काफी चर्चा में रही है।

यहां पर विवादों में आने के बाद इसका स्थानांतरण अमरिया और फिर सुनगढ़ी थाना क्षेत्र में डायल 112 में हुआ था। इसी दौरान पूरनपुर कोतवाली के बाद पीलीभीत कोतवाली में स्थानांतरण होकर गए पुरुष आरक्षी मोहित खोकर पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज कराया था। इसके अलावा कोतवाली में तैनात एक दरोगा को भी महिला सिपाही ने कई दिन तक ब्लैकमेल किया था। कई दिन तक मामले में डीलिंग चलती रही लेकिन बाद में सिपाही को जेल भी जाना पड़ा था।

अब 5 दिसंबर को उरई जनपद के कुठौंद थाने के अरुण कुमार राय प्रभारी थे। थाना कैंपस में ही वह रहते थे। रात करीब 9 बजे थाने स्थित अपने सरकारी आवास आ गए। करीब आधे घंटे बाद कमरे से गोली चलने की आवाज आई। इसी दौरान ट्रैक सूट पहने महिला सिपाही मिनाक्षी शर्मा भागते हुए कमरे से बाहर आई। उसने चीखकर कहा कि साहब ने गोली मार ली है। फिर वहां से भाग गई। थाने में तैनात सिपाही दौड़ते हुए कमरे में पहुंचे। वहां इंस्पेक्टर खून से लथपथ बेड पर पड़े थे। थानेदार को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जहां उनकी मौत हो गई। मामले में पत्नी की ओर से महिला सिपाही के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। घटना के बाद से वह फरार चल रही है।फिलहाल पुलिस ने महिला आरक्षी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया जा रहा हाल ही में उसने तीन लाख का हार भी लिया था। आरोपी महिला सिपाही की शादी भी तय हो गई थी।

समाजसेवी के निधन पर जनप्रतिनिधियों ने जताया शोक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। विकास क्षेत्र शुकुल बाजार की ग्राम पंचायत महोना पश्चिम के पूर्व ग्राम प्रधान एवं समाज सेवी डॉ अताउल्ला के निधन पर शोक की लहर दौड़ गई क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ ही सम्भ्रांत नागरिकों ने उनके आवास पर पहुंचकर नम आंखों से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया है। क्षेत्र के गांव गौसल का पुरवा मजरे महोना पश्चिम निवासी डॉ अताउल्ला ने नदुवा कालेज लखनऊ से शिक्षा ग्रहण करने के बाद क्षेत्र में डॉक्टरी से कोसों दूर तक नाम कमाया तथा व्यवसाय में भी हाथ आजमाया जिसमें अनवी प्रिटिग प्रेस सहित प्रिंट मीडिया सदाये दलित सप्ताहिक के सम्पादक बने और और महोना पच्छिम ग्राम पंचायत से दो बार प्रधान बने अपने बच्चों की शिक्षा के लिए खूब मेहनत की और तीन बच्चों को डाक्टर बनाया जिसमें क्षेत्र में अरमा हास्पिटल ने इलाके में अपनी एक अलग पहचान बनाई है।बताते चलें कि बीते दिनों समाज सेवी डाक्टर अता उल्ला का स्वास्थ्य खराब हुआ तो परिजनों द्वारा एसजीपीजीआई लखनऊ में भर्ती कराया गया लेकिन शनिवार को उनका निधन हो गया इसकी सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई उनके पैतृक गांव गौसल का पुरवा महोना पश्चिम में अंतिम संस्कार किया गया।समाज सेवी के निधन पर जगदीशपुर के पूर्व विधायक राधेश्याम कनौजिया, मोहम्मद नईम, विजय पासी, डॉ आर के मिश्रा, इफ़्तिख़ार अहमद, मोहम्मद सबूर, संदीप शुक्ला, अवधेश द्विवेदी, डीएम सोलंकी, देव नारायण यादव, फकीर मोहम्मद, मोहम्मद सल्लन सहित हजारों की संख्या में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और सम्भ्रांत नागरिकों ने नम आंखों से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

गन्ना तौल को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट

पूरनपुर। तहसील क्षेत्र के थाना सेहरामऊ उत्तरी के ग्राम कुरैंया मे गन्ना क्रय केंद्र पर गन्ना तौल को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट मे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया थाना क्षेत्र के बहादुरपुर निवासी धर्मेंद्र अपने ट्रैक्टर-ट्रॉली में गन्ना लेकर कुरैया सेंटर पहुंचे थे आरोप है कि वहां गांव के ही शेर सिंह, उनके पुत्र प्रमोद सिंह और कपिल सिंह पहले से अपनी ट्रॉली के साथ मौजूद थे। इसी दौरान गन्ना तौल को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई वहां मौजूद दीपक कुमार ने बीच-बचाव करने की कोशिश की,जिससे विवाद और बढ़ गया पीड़ित के अनुसार, तीनों आरोपियों ने मिलकर डंडों और धारदार हथियार से धर्मेंद्र और दीपक के साथ मारपीट शुरू कर दी मारपीट के बाद आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी जिसकी पीड़ित युवक ने थाना सेहरामऊ उत्तरी में तहरीर दी तहरीर के आधार पर बहादुरपुर निवासी शेर सिंह, प्रमोद सिंह और कपिल सिंह के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है

पुलिस मुठभेड़ में सर्राफा व्यवसाई से लूट करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। थाना मोहनगंज पुलिस ने सर्राफा व्यवसाई के साथ हुई लूट की वारदात का खुलासा करते हुये पुलिस मुठभेड़ में लूट की घटना से संबन्धित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और घटना की मुखबिरी करने वाले एक अन्य युवक को भी गिरफ्तार किया है।

पुलिस टीम ने पकड़े गये लुटेरों के कब्जे से सात चाभी का एक गुच्छा, एक मोबाइल,दो पायल सफ़ेद धातु (लूटे हुए सामान की शत प्रतिशत रिकवरी) घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल व एक तमंचा,दो खोखा कारतूस,दो जिन्दा कारतूस बरामद किया है।पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना मोहनगंज के प्रभारी निरीक्षक राकेश सिंह मय हमराह देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन में भ्रमणशील थे। भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो दिसम्बर को सर्राफा व्यवसाई घनश्याम सोनी के साथ हुई लूट की घटना से संबन्धित युवक चिनगाही मोड़ नई इण्टर लाकिंग पुल के पास मौजूद हैं एवं लूटे हुये सामान का बंटवारा कर रहे हैं।मुखबिर के द्वारा बताये गये स्थान पर पुलिस द्वारा पहुंचकर देखा गया तो मौके पर मौजूद व्यक्तियों द्वारा सोनार के साथ लूटे गये सामान के बंटवारे के बारे में बात की जा रही थी।पुलिस द्वारा उक्त व्यक्तियों की घेराबंदी की गई तो बदमाशों द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर कर दिया गया।पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ फायरिंग करने पर मौके पर एक बदमाश घायल हो गया तथा दो बदमाश भागने लगे जिन्हें पुलिस टीम द्वारा पकड़ लिया गया। पुलिस टीम द्वारा नाम पता पूछने पर घायल युवक ने अपना नाम आकाश विश्वकर्मा पुत्र भारत विश्वकर्मा निवासी रामपुर गोसाई थाना जगदीशपुर बताया।दूसरे ने अपना नाम अंकित विश्वकर्मा पुत्र प्रवेश विश्वकर्मा निवासी बिराज थाना मोहनगंज बताया तथा तीसरे ने अपना नाम शिवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ सत्यम सिंह पुत्र देवेन्द्र प्रताप सिंह निवासी बिराज थाना मोहनगंज बताया। मौके पर खड़ी हीरो स्पेलेण्डर प्लस मोटरसाइकिल संख्या यूपी 36 पी 9983 के कागज मांगने पर दिखा नही सके।पूंछतांछ में गिरफ्तार आकाश विश्वकर्मा ने बताया कि वह पहले जेल गया था जहां उसका परिचय 01 व्यक्ति से हुआ जिसके साथ वह एक दिसम्बर को अपने रिश्तेदार साहबदीन विश्वकर्मा के पास आया था जहां पैसे कमाने की बात करने लगा।साहबदीन विश्वकर्मा ने उन्हे बताया कि यहीं बगल में एक सुनार ने दुकान खोल रखी है जो उम्र में ज्यादा एवं दिव्यांग है।उपरोक्त दोनों व्यक्ति साहबदीन के साथ मिलकर सोनार के आने जाने के रास्ते की रेकी किया जिसके उपरान्त आकाश विश्वकर्मा ने अपने रिश्तेदार अंकित विश्वकर्मा व मित्र शिवेन्द्र प्रताप सिंह को उक्त घटना को अंजाम दिया। इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने अभियोग दर्ज कर तीन बदमाशों के साथ रेकी करने वाले एक युवक को जेल भेज दिया है।

ट्रक और पिकअप की टक्कर की चपेट में आये बाइक सवार दम्पत्ति घायल

अमेठी। थाना पीपरपुर क्षेत्र के विद्युत उपकेन्द्र घोरहा के पास रविवार को तेज रफ्तार ट्रक और पिकअप की आमने सामने भीषण टक्कर हो गई जिसमें पास से गुजर रहा एक बाइक सवार दम्पत्ति इसकी चपेट में आ गया और वह गम्भीर रुप से घायल हो गये जिन्हें पीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। थाना क्षेत्र के विद्युत उपकेन्द्र घोरहा के पास रविवार को ट्रक और पिकअप की टक्कर के दौरान बाइक सवार युवक दिनेश गुप्ता पुत्र छेदीलाल गुप्ता और उनकी पत्नी सुषमा निवासी चंदौकी, लोहारन का पुरवा गम्भीर रूप से घायल हो गये।स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल सीएचसी भेंटुआ ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत नाज़ुक देखते हुये जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। ट्रक और पिकअप में टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के आगे के हिस्से क्षतिग्रस्त हो गये।

सहकारी समिति की बैठक हुई संपन्न मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रही ब्लॉक प्रमुख सभ्यता वर्मा

पीलीभीत। बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति की वार्षिक बैठक गजरौला में संपन्न हुई जिसमें वित्तीय वर्ष का लेख जोखा समिति के सचिव रामदयाल वर्मा ने प्रस्तुत किया। समिति के अध्यक्ष शतरंज जीत सिंह की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता वर्मा उपस्थित रही हैं। बैठक में मुख्य रूप से शाखा प्रबंधक संतोष कुमार कुशवाहा, प्यारेलाल,सर्वजीत सिंह, साधू सिंह, राकेश कुमार, मुकेश कुमार,सोनू, बलजिंदर सिंह सहित कई किसान एवं ग्रामीण उपस्थित रहे हैं।

आखिर कौन है सचिन कुमार , रवि प्रभाकर, रंजीत सिंह, जिनके खातों में सचिव ने कई ग्राम पंचायत में लगा दिया लाखों का भुगतान

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार लगातार जीरो टोलरेंस नीति पर कार्य कर रही है। लेकिन जनपद पीलीभीत के विकासखंड अमरिया में तैनात सचिव शिखा योगी सरकार की इस जीरो टोलरेंस नीति पर धव्वा लगा कर सरकारी धन का दुरुपयोग कर रही है। सचिव शिखा अपने क्लस्टर की ग्राम पंचायत उदयपुर,जगत, तुमरिया सहित अन्य ग्राम पंचायतो में विभिन्न कथित कार्यों को दर्शाकर सचिन कुमार,रवि प्रभाकर,रंजीत सिंह के नाम लाखों रुपए का भुगतान किया है।इन तीनों नाम पर भारी भरकम सचिव द्वारा लगातार भुगतान किया जा रहा है। अब सवाल यह उठता है। कि आखिर यह तीनों लोग कौन हैं।जिन पर सचिव शिखा द्वारा लगातार लाखों रुपए का भुगतान किया जा रहा है।

नगर में जाम की समस्या से मुक्ति की मांग, सभासदों ने डीएम से की शिकायत

पूरनपुर। नगर में लगातार बढ़ रही जाम की समस्या से लोगों को राहत दिलाने की मांग को लेकर नगरपालिका सभासदों ने जिलाधिकारी से शिकायत दर्ज कराई है। नगरपालिका सभासद नदीम ने रविवार सुबह लगभग 11 बजे जानकारी देते हुए बताया कि नगर में आए दिन बाजार क्षेत्रों और मुख्य मार्गों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। इससे आम जनता, स्कूली बच्चों, मरीजों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सभासदों का कहना है कि ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने के कारण जाम की समस्या दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने जिलाधिकारी से अनुरोध किया कि नगर में आवश्यक स्थानों पर यातायात कर्मियों की तैनाती, अवैध पार्किंग पर नियंत्रण तथा सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने जैसे कदम तुरंत उठाए जाएं, जिससे नागरिकों को जाम की समस्या से राहत मिल सके।

राजीव नगर में हरे-भरे दो पेड़ों का कर दिया कटान, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

पूरनपुर। तहसील क्षेत्र के गांव राजीव नगर में रविवार सुबह लगभग 6 बजे हरे-भरे दो पेड़ों को कटाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों द्वारा पेड़ों का अवैध कटान किया गया, जिसकी जानकारी ग्रामीणों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दी। वीडियो वायरल होने के बाद इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि पर्यावरण के साथ खिलवाड़ है। घटना की जानकारी संबंधित विभाग को भी प्रदान की गई है, ताकि जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई हो सके।

सीएचसी में अव्यवस्थाओं को लेकर जिला महामंत्री ने लगाया आरोप, जिलाधिकारी से की शिकायत

पूरनपुर। विश्व हिंदू परिषद के जिला महामंत्री रुम सिंह यादव ने रविवार दोपहर 12 बजे जानकारी देते हुए बताया कि अस्पताल के डॉक्टर मरीजों को आवश्यक दवाइयों के बजाय बाहरी मेडिकल स्टोर्स से दवाइयाँ लिखते हैं, जिससे मरीजों को अतिरिक्त आर्थिक बोझ झेलना पड़ता है। आरोप है कि प्रसव पीड़ा के दौरान पहुंचीं महिलाओं को भी अस्पताल में भर्ती करने के बजाय अनावश्यक रूप से रेफर कर नगर के निजी अस्पतालों में भेज दिया जाता है। इससे गरीब और ग्रामीण वर्ग के लोग ज्यादा परेशान होते हैं। यादव ने कहा कि अस्पताल में भ्रष्टाचार चरम पर है और मरीजों को उचित सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। मामले को गंभीर बताते हुए उन्होंने जिलाधिकारी से शिकायत कर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ जांच कर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

पूरनपुर। रोटरी क्लब पूरनपुर ग्रीन के तत्वावधान में स्टार ब्लड सेंटर पीलीभीत बायपास रोड बरेली द्वारा पूरनपुर के दिनेश नर्सिंग होम पर एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसका रिबन काटकर उद्घाटन एमएलसी डॉक्टर सुधीर गुप्ता और अध्यक्ष नगर पालिका पूरनपुर शैलेंद्र गुप्ता द्वारा सामूहिक रूप से किया गया

जिसमें 25 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। अध्यक्ष नीरज गुप्ता ने सभी का आभार प्रकट किया इस अवसर पर डॉ दिनेश गुप्ता, संजीव गुप्ता, राजेश खन्ना, राजेश रस्तोगी, मीना रस्तोगी, संदीप बन्नू, संदीप खंडेलवाल, विनय गुप्ता, हर्ष गुप्ता, बृजेश गुप्ता,अमरजीत सिंह, चरनजीत माटा, हर्ष प्रधान विवेक तिवारी आदि लोग उपस्थित रहे। बरेली से पधारे डॉ मिती गुप्ता, डॉ सुमित वैश्य ने भी कहा की सभी को 3 माह में स्वैच्छिक रक्तदान में भागीदारी करनी चाहिए।

अपहरण के बाद छात्र की हत्या, तीन गिरफ्तार

सुल्तानपुर। एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। एग्रीकल्चर के छात्र अमन यादव (24) की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। बदमाश उसका शव घर से दूर इब्राहिमपुर घाट के पास गोमती नदी में फेंककर फरार हो गए। पुलिस ने चचेरे भाई की तहरीर पर 10 नामजद आरोपियों पर केस दर्ज कर एक महिला समेत तीन को गिरफ्तार कर लिया है। गांव में घटना को लेकर आशनाई में हत्या किए जाने की चर्चा जोरों पर है। चांदा कोतवाली क्षेत्र के साढ़ापुर गांव निवासी अमन यादव (24) शनिवार की रात को अपने चचेरे भाई रिसीव करने के लिए चांदा जा रहा था. इसी दौरान ईशीपुर अरजो के पास कार सवार 5 से 6 बदमाशों ने उसे रोक लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बदमाश जबरन अमन को घसीटकर पास में ही स्थित एक स्कूल के मैदान में ले गए. वहां उसे दौड़ा-दौड़कर पीटा. आसपास मौजूद लोगों के शोर मचाने पर बदमाश अमन को कार में जबरन बैठाकर फरार हो गए। लोगों ने तत्काल इसकी जानकारी पुलिस को दी, कई थानों की पुलिस ने शनिवार रात को ही बदमाशों की तलाश में सर्च अभियान चलाया, लेकिन उनका पता नह चल पाया। इसके बाद रविवार की सुबह लोगों ने गोमती नदी के इब्राहिमपुर घाट के पास युवक का शव देखकर पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की. शव की शिनाख्त अमन के रूप में हुई। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, इसमें बदमाश अमन की पिटाई करते नजर आ रहे हैं. फुटेज के आाार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान की। पुलिस आीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं. घटना में 5-6 लोगों के शामिल होने की आशंका है। एसपी ने बताया कि सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई है. मयंक यादव, शिवम यादव और उनके साथियों ने मारपीट कर अमन की हत्या की है. मयंक और शिवम को गिरफ्तार कर लिया गया है. अन्य की तलाश की जा रही है। वह घटना के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गोमती मित्र बनना आसान नही है, इतनी ठंड में सबके बस का नहीं श्रमदान

सुल्तानपुर। धीरे धीरे करवट लेते मौसम ने अब अपना रंग दिखाना शुरूकर दिया है और ठंड का असर लोगों की दिनचर्या पर पड़ने लगा है लेकिन स्वच्छता जागरूकता के लिए अपना तन-मन-न समर्पित कर देने वाले गोमती मित्रों के साप्ताहिक श्रमदान पे इसका कोई असर नह है वही संकल्प वही जोश वही जुनून और लोग उनकी बात समझ रहे हैं इसका सुकून। रविवार 7 दिसंबर को अचानक से ठंड बढ़ गई थी लेकिन फिर भी 6:30 बजे सभी गोमती मित्र सीताकुंड ाम पहुंचकर साफ सफाई में लग गए और 3 घंटे की अथक मेहनत के बाद पूरा ाम तट यहां तक की नदी के अंदर से भी जलाार के प्रवाह को बाात करने वाली वस्तुओं को निकाल बाहर एक किनारे कर दिया गया था। श्रमदान के बाद शाम को होने वाली मां गोमती की तैयारी की गई। श्रमदान में प्रदेश अयक्ष मदन सिंह, मीडिया प्रभारी रमेश माहेश्वरी, युवा मण्डल अयक्ष अजय वर्मा, ड कुंवर दिनकर प्रताप सिंह, राकेश सिंह दद्दू समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

पुनरीक्षण पर सुप्रीम मोहर

मतदाता सूचियों की शुद्धता व पारदर्शी चुनावों के लिये चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को जारी रखने का निर्देश देकर देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को राहत ही दी है। वहीं दूसरी ओर संसद से सड़क तक एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश में लगे विपक्ष को इस निर्णय से बैकफुट पर आना पड़ेगा। दरअसल, विपक्षी दल बिहार में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार मुखर विरोध करते रहे हैं और मामला कई बार अदालत तक भी पहुंचा था। लेकिन बिहार में बहुत कम समय में यह काम पूरा हुआ और राज्य में नई सरकार भी चुन ली गई है। हालिया प्रक्रिया की कथित विसंगतियों के बाबत सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकारों के कर्मचारी एसआईआर व अन्य वैधानिक दायित्वों के निर्वहन के लिये बाध्य हैं। वहीं कोर्ट ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों को निर्देश दिए हैं कि एसआईआर में लगे बूथ लेवल अधिकारियों पर काम का दबाव कम करने के लिए तुरंत कदम उठाएं। इसके लिये अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति करने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों विशेष गहन पुनरीक्षण में लगे कई बीएलओ के तनाव से मरने व आत्महत्या करने के समाचार आए थे। जिसके चलते चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को एक सप्ताह के लिये आगे बढ़ाया था। वहीं दूसरी ओर अदालत ने स्पष्ट किया कि एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारों को चुनौती नहीं दी जा सकती। यह भी कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसके पास मतदाता सूचियों में पारदर्शिता लाने के लिये एसआईआर को अंजाम देने के संवैधानिक व कानूनी अधिकार हैं। साथ ही अदालत ने इस प्रक्रिया पर किसी तरह की रोक लगाने से इनकार किया। इसके अलावा अदालत का कहना था कि यदि भविष्य में किसी तरह की अनियमितता सामने आती है तो तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए जाएंगे। निस्संदेह, विगत में भी देश में समय-समय पर मतदाता सूचियों में पुनरीक्षण का कार्य होता रहा है। लेकिन यह कभी इतना बड़ा राजनीतिक विरोध का मुद्दा नहीं बना। बहरहाल, अदालत के इस आदेश के बाद विशेष गहन पुनरीक्षण को मुद्दा बनाकर विरोध करने वाले राजनीतिक दलों को झटका अवश्य लगा होगा। हालांकि, इससे पहले भी अदालत ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार किया था। साथ ही उससे जुड़ी विसंगतियों को दूर करने को जरूरी निर्देश अवश्य दिए थे। जहां तक बूथ लेवल अधिकारियों पर काम के दबाव का सवाल है तो निश्चित ही यह एक श्रम साध्य कार्य है। इस काम में लगे शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े दस्तावेजों के प्रमाणीकरण और शिकायतों के निवारण में खासी माथापच्ची करनी पड़ती है। इसलिए बीएलओ के काम के बोझ को कम करने का प्रयास करना बेहद जरूरी है। जिसके लिये कर्मचारियों की संख्या तुरंत बढ़ाने की जरूरत है, जिससे बीएलओ का काम का बोझ कम हो सके। उन्हें साप्ताहिक अवकाश लेने का अवसर मिल सके। निस्संदेह, सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन नियुक्त कर्मचारियों के लिये अपरिहार्य है। ऐसी ही जटिलता का सामना कर्मचारियों को जनगणना आदि कार्यक्रमों व स्वास्थ्य से जुड़े मिशनों में करना पड़ता है। घर-घर जाना और लोगों की तल्ख प्रतिक्रियाओं का भी सामना करना पड़ सकता है। वहीं विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध कर रहे राजनीतिक दलों का भी दायित्व है कि वे अपने दल के बूथ स्तरीय अधिकारियों को बीएलओ की मदद करने को प्रेरित करें। महज सत्ता पक्ष की नीतियों के विरोध के लिये विरोध करना स्वस्थ लोकतंत्र के हित में नहीं कहा जा सकता। विपक्ष को लोकतंत्र के हित में विरोध के साथ रचनात्मक सहयोग भी करना चाहिए। लोकतंत्र को संबल देने वाली विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को सफल बनाने में जहां सरकारी कर्मचारियों की बड़ी भूमिका है, वहीं राजनीतिक दलों व आम नागरिकों के भी दायित्व हैं। नागरिकों को राष्ट्रीय कार्यों में नागरिक धर्म का भी निर्वाह करना चाहिए।

कैंपस प्लेसमेंट में धांधली: नैतिकता और छात्र हितों का हनन

देश के प्रमुख प्रौद्योगिकी संस्थानों-विशेषतः आइआइटीज द्वारा 20 से अधिक कंपनियों को कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया से बाहर करना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में नैतिकता, पारदर्शिता और छात्र-हित संरक्षण को मजबूती प्रदान करने वाला साहसिक कदम है। इन कंपनियों ने छात्रों को ऑफर लेटर दिए, उनके परिवारों के भीतर आशा की किरण जगाई और अंतिम समय में बिना स्पष्ट कारण उन्हें रद्द कर दिया। यह केवल एक अनुबंध उल्लंघन नहीं, बल्कि छात्र के भविष्य, उसके मानसिक संसार और उसके सामाजिक विश्वास पर सीधा प्रहार है। आइआइटी, एनआइटी और शीर्ष विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाना किसी विद्यार्थी की दीर्घकालिक मेहनत और प्रतिभा की पहचान है। प्लेसमेंट और ऑफर लेटर केवल नौकरी नहीं, बल्कि परिवार के लिए भविष्य की सुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा और आत्मविश्वास का प्रतीक होते हैं। ऐसे में जब कंपनियां अचानक अपना वादा तोड़ देती हैं, तो विद्यार्थी केवल पेशेवर नुकसान नहीं झेलते, बल्कि मानसिक तनाव, अविश्वास और सामाजिक दबाव से भी गुजरते हैं। यह उनके मनोबल को कमजोर करता है और उनकी योग्यता के सम्मान को ठेस पहुंचाता है। इस तरह की स्थितियां बनना न केवल भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था पर एक चिन्ताजनक दाग है, बल्कि सरकार एवं कम्पनियों पर छात्रों के जीवन से खिलवाड़ करने का शर्मनाक द्योतक है। निस्संदेह वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता, मंदी, छंटनी और बाजार उतार-चढ़ाव से जूझ रही है। लेकिन इन चुनौतियों का भार छात्रों के कंधों पर डालना किसी मानवीय, पेशेवर या नैतिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। विश्वविद्यालय किसी प्रयोगशाला की तरह नहीं हैं जहां विद्यार्थियों को जोखिमपूर्ण स्थति में डालकर कंपनियां प्रयोग चलाती रहें। आइआइटीज का यह निर्णय स्पष्ट संदेश देता है कि छात्रों के भविष्य और सम्मान से खिलवाड़ सहन नहीं किया जाएगा तथा संस्थान उनके साथ खड़ा रहेगा। यह कदम उच्च शिक्षा की गरिमा और राष्ट्रीय प्रतिभा के सम्मान की पुनर्स्थापना है। यह अन्य विश्वविद्यालयों के लिए भी मार्गदर्शक हो सकता है, क्योंकि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं बल्कि सुरक्षित और विश्वसनीय भविष्य प्रदान करना है। देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेना ही छात्रों के लिये एक बड़ी चुनौती होती है, छात्र इन संस्थानों के भारीभरकम आर्थिक बजट को किसी तरह पूरा करते हैं, इसके बाद भी उनको नौकरी नहीं मिलती है तो यह उनके जीवन को अंधकारमय बना देने जैसा है। देश के अधिकांश शिक्षण संस्थानों में प्लेसमेंट व्यवस्था उतनी सुदृढ़ और पारदर्शी नहीं है, जितनी आइआइटीज में। हजारों छात्र नौकरी व अवसर की आशा में बैठते हैं और कुछ कंपनियां इस स्थिति का दुरुपयोग कर ‘ऑफर रद्द करनेङ्क की प्रवृत्ति अपनाती हैं। अब आवश्यक है कि अन्य विश्वविद्यालय भी कड़ी और अनुशासित प्लेसमेंट नीति अपनाएं, कंपनियों के व्यवहार का रिकॉर्ड रखें और बार-बार गलती करने वालों को ब्लैकलिस्ट करें। यदि शीर्ष विश्वविद्यालय सामूहिक रूप से यह कदम उठाएं, तो कॉर्पोरेट जगत पर नैतिक अनुशासन का दबाव स्वतः निर्मित होगा। यह विषय अब केवल विश्वविद्यालय का मसला नहीं बल्कि राष्ट्रीय चिंता बन चुका है। छात्रों की बेरोजगारी, अवसरों की अनिश्चितता और कंपनियों की बेहिसाब मनमानी देश की प्रतिभा को क्षति पहुंचा रही है। इसलिए सरकार और नियामक संस्थाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। सरकार को चाहिए कि प्लेसमेंट अनुबंध और कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले स्पष्ट दिशानिर्देश बनाए, कंपनियों के व्यवहार का राष्ट्रीय डाटा रिकॉर्ड विकसित करे, गलती करने वाली कंपनियों को सरकारी परियोजनाओं और प्रोत्साहनों से वंचित करे तथा आवश्यकता पड़ने पर कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित करे। छात्रों के संरक्षण हेतु बैकअप प्लेसमेंट समर्थन, आर्थिक सहायता और अनुबंधिक सुरक्षा उपाय जैसी व्यवस्थाएं भी विकसित की जानी चाहिए, ताकि किसी छात्र का भविष्य कंपनी की मनमानी से प्रभावित न हो। आइआइटी जैसे संस्थानों में प्रवेश पाना ही किसी भी छात्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि होती है। आइआइटी की प्लेसमेंट व्यवस्था पहले से ही काफी अनुशासित और नियमबद्ध है। कंपनियों को भाग लेने से पहले कई शर्तों का पालन करना होता है। इसके बावजूद यदि कोई कंपनी अपने वादे से मुकरती है, तो उसे जवाबदेह ठहराया जाना आवश्यक है। क्योंकि छात्रों को जब ऐसे किसी प्रतिष्ठित कंपनी से ऑफर लेटर मिलता है, तो वह न केवल उनके कॅरियर, बल्कि पूरे परिवार के भविष्य की उम्मीद बन जाता है। यदि वही कंपनी अंतिम समय में बिना ठोस वजह के ऑफर रद्द कर दे, तो यह केवल पेशेवर अनुशासन की कमी नहीं, बल्कि छात्रों के साथ किया गया खुला विश्वासघात है। आज का कॉर्पोरेट जगत तेजी से बदल रहा है, उसके मूल्य और मानक बिखर रहे हैं, भारत जब दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों का बनना चिन्ताजनक है। इससे भारत के उच्च शैक्षणिक संस्थानों की साख एवं प्रतिष्ठा भी दांव पर लगती है, इन्हीं स्थितियों के कारण छात्र विदेशों में उच्च शिक्षा के लिये अग्रसर होते हैं। भारत ज्ञान और युवा शक्ति का देश है। उसके शीर्ष संस्थानों की वैश्विक प्रतिष्ठा तभी कायम रह सकती है जब प्लेसमेंट प्रक्रिया भरोसेमंद, सम्मानजनक और नैतिक होगी। कंपनियों को भी समझना होगा कि युवाओं के साथ अनुचित व्यवहार उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाता है और समाज के साथ उनके संबंध कमजोर करता है। आइआइटी का यह निर्णय उन कंपनियों के लिए चेतावनी तो है ही, लेकिन शिक्षा जगत और नीति निर्माताओं के लिए अवसर भी है-एक ऐसी प्रणाली विकसित करने का अवसर जहां छात्र का सम्मान एवं जीवन-सुरक्षा सर्वोपरि हो। यदि संस्थान, सरकार और समाज मिलकर स्पष्ट, कठोर और नैतिक ढांचा बनाएं तो निश्चित ही युवा प्रतिभा सुरक्षित होगी और भारत की विश्वसनीयता भी सुदृढ़ होगी। छात्र केवल डिग्री प्राप्त करने वाले नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव हैं। उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। इसलिए आइआइटी का यह निर्णय स्वागतयोग्य है, बल्कि इसे बदलाव की दिशा में एक निर्णायक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि अन्य विश्वविद्यालय, सरकार और समाज भी इसी दिशा में आगे बढ़ें, तो निश्चित ही देश की प्रतिभा को वह सम्मान, सुरक्षा और अवसर मिलेगा जिसकी वह अधिकारी है। उच्च शिक्षा संस्थानों में प्लेसमेंट के नाम पर कंपनियों द्वारा छात्रों के साथ की जाने वाली धांधली, छल-प्रपंच और वायदाखिलाफी आज एक गम्भीर चिंता का विषय है। अनेक बार छात्रों को आकर्षक वेतन, उज्ज्वल भविष्य और स्थायी नौकरी के सपने दिखाए जाते हैं, किंतु चयन प्रक्रिया के बाद उन्हें कम वेतन, अस्थायी अनुबंध, असंगत कार्यक्षेत्र या नियुक्ति टालने जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह विश्वासघात केवल छात्र का नहीं, बल्कि संस्थान और शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता का नुकसान है। अतः भारत सरकार को एक स्पष्ट, कठोर और पारदर्शी नीति बनानी चाहिए, जिसमें प्लेसमेंट देने वाली कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित हो, अनुबंधित शर्तों का पालन अनिवार्य हो तथा उल्लंघन पर दंडात्मक प्रावधान हों। इससे छात्रों का भविष्य सुरक्षित होगा, शिक्षा-प्रणाली की गरिमा बचेगी और उद्योग जगत में विश्वसनीयता एवं नैतिकता की संस्कृति विकसित होगी। इस दृष्टि से आइआइटी प्रशासन का ताजा निर्णय कि ऐसी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया जाए, एक सख्त संदेश देता है कि छात्रों का सम्मान, कैरियर और भविष्य सर्वोपरि है। आज आवश्यकता इस बात की है कि दुनियाभर में अपनी पहचान रखने वाले आइआइटी और एनआइटी जैसे संस्थान इस तरह की नीति अपनाएं। इससे कंपनियों पर नैतिक और व्यावसायिक अनुशासन बनाए रखने का दबाव बनेगा। साथ ही छात्रों का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा कि अन्याय होने पर संस्थान उनके साथ खड़ा होगा। इसके अलावा सरकार और उच्च शिक्षा नियामक संस्थाओं को भी इस दिशा में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। एक ऐसी केंद्रीय व्यवस्था विकसित की जा सकती है, जिसमें ऑफर लेटर रद्द करने जैसी घटनाओं का रिकॉर्ड रखा जाए और बार-बार ऐसा करने वाली कंपनियों को ब्लैकलिस्ट किया जाए। यह कदम न केवल छात्रों की रक्षा करेगा, बल्कि प्लेसमेंट प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वसनीयता भी सुनिश्चित करेगा। - ललित गर्ग

देश के अधिकांश शिक्षण संस्थानों में प्लेसमेंट व्यवस्था उतनी सुदृढ़ और पारदर्शी नहीं है, जितनी आइआइटीज में। हजारों छात्र नौकरी व अवसर की आशा में बैठते हैं और कुछ कंपनियां इस स्थिति का दुरुपयोग कर ‘ऑफर रद्द करनेङ्क की प्रवृत्ति अपनाती हैं। अब आवश्यक है कि अन्य विश्वविद्यालय भी कड़ी और अनुशासित प्लेसमेंट नीति अपनाएं, कंपनियों के व्यवहार का रिकॉर्ड रखें और बार-बार गलती करने वालों को ब्लैकलिस्ट करें। यदि शीर्ष विश्वविद्यालय सामूहिक रूप से यह कदम उठाएं, तो कॉर्पोरेट जगत पर नैतिक अनुशासन का दबाव स्वतः निर्मित होगा। यह विषय अब केवल विश्वविद्यालय का मसला नहीं बल्कि राष्ट्रीय चिंता बन चुका है। छात्रों की बेरोजगारी, अवसरों की अनिश्चितता और कंपनियों की बेहिसाब मनमानी देश की प्रतिभा को क्षति पहुंचा रही है। इसलिए सरकार और नियामक संस्थाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। सरकार को चाहिए कि प्लेसमेंट अनुबंध और कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले स्पष्ट दिशानिर्देश बनाए, कंपनियों के व्यवहार का राष्ट्रीय डाटा रिकॉर्ड विकसित करे, गलती करने वाली कंपनियों को सरकारी परियोजनाओं और प्रोत्साहनों से वंचित करे तथा आवश्यकता पड़ने पर कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित करे। छात्रों के संरक्षण हेतु बैकअप प्लेसमेंट समर्थन, आर्थिक सहायता और अनुबंधिक सुरक्षा उपाय जैसी व्यवस्थाएं भी विकसित की जानी चाहिए, ताकि किसी छात्र का भविष्य कंपनी की मनमानी से प्रभावित न हो। आइआइटी जैसे संस्थानों में प्रवेश पाना ही किसी भी छात्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि होती है। आइआइटी की प्लेसमेंट व्यवस्था पहले से ही काफी अनुशासित और नियमबद्ध है। कंपनियों को भाग लेने से पहले कई शर्तों का पालन करना होता है। इसके बावजूद यदि कोई कंपनी अपने वादे से मुकरती है, तो उसे जवाबदेह ठहराया जाना आवश्यक है।

अयोध्या का नया अध्यायः आस्था, स्मृति, संघर्ष और पुनर्निर्माण की गाथा

विवेक रंजन श्रीवास्तव

समय के प्रवाह में अयोध्या एक ऐसी नदी की तरह दिखने लगा है जिसकी धारा कभी आस्था से चमकती है, कभी राजनीति की धूल से मटमैली, और कभी संस्कृति के ऐतिहासिक न्याय की ओस से निर्मल। अयोध्या केवल एक भौगोलिक नाम नहीं रहा, वह हर भारतीय मन का वह कोना बन गया है जहाँ स्मृति, विश्वास और इतिहास एक दूसरे के कंधों पर हाथ रखकर चलते हैं। समय इस यात्रा को बार बार टटोलता है, कसौटी पर परखता है जैसे जानना चाहता हो कि बीते वर्षों की हलचल अब जन मानस के मन के किस हिस्से में है। उन्नीस सौ नब्बे के आसपास अयोध्या का नाम पूरे देश के मानस में एक तीव्र कंपन की तरह उभरा। कारसेवा की खबरों, नारों की आवाज़ों और उत्तेजनाओं की परतों के बीच शहर वैसे ही कांप उठा। सांस्कृतिक इतिहास की दास्तान लंबे समय तक सुलगने के बाद एकाएक जागृत हवन बन पड़ी। आडवाणी जी की यात्रा ,उसके बाद की घटनाओं ने पूरे भारत को अपने साथ एक चेतन प्रवाह में बहा लिया। बाबरी ढांचे का ढहना सिर्फ एक इमारत का गिरना नहीं था, वह अनेक पीढ़ियों की लड़ाई का मूर्त होना था । वर्षों तक दंगों की राख और अविश्वास की धूल लोगों की स्मृति में धुंध बनकर तैरती रही। न्याय और इतिहास की कसौटियां बार बार बदलती रहीं, मानो हर दर्शक अपने तरीके से उसी सवाल को पूछना चाहता हो कि कौन सा सच किसकी दृष्टि में वजन रखता है। यह प्रश्न अदालतों में सुना गया, गलियों और मोहल्लों की बातचीत में भी, और राजनीतिक घोषणाओं में भी। धीरे धीरे न्याय की लंबी सुरंग में एक किरण उभरी और दो हजार उन्नीस में आया वह फैसला जिसने भूमि के स्वामित्व का विवाद सुलझा दिया। अदालत ने इतिहास की बहस को उन सीढ़ियों पर उतार दिया जहाँ कानून की ठोस बुनियाद और आस्था की संवेदनशीलता दोनों को बराबर जगह मिली। एक पीढ़ी के जीवन का सबसे बड़ा विवाद उसी दिन अपने औपचारिक अंत तक पहुँचा, भले ही उसके प्रभाव अभी भी राजनैतिक अनकही परतों में बचे जब तब नजर आते हैं। फैसले के बाद अयोध्या ने एक नया रूप खोजना शुरू किया। मंदिर निर्माण की भव्य गति में शहर एक परियोजना और भारतीयता का प्रतीक बन गया। ईंटों पर ईंटो का चढ़ना, शिल्पियों की हथौड़ी की ताल, चौतरफा पुनर्रचना, सड़कें, रोशनियाँ, मेले, संतों का आवागमन, श्रद्धालुओं का सैलाब, स्थानीय बाज़ारों का नवजीवन , सरयू तट पर दीपावली यह सब मिलकर अयोध्या को एक नए वर्तमान में ढालने लगे। यह आस्था का उत्सव भी था और आधुनिकता का उभरता चेहरा भी। शहर अब केवल इतिहास की स्मृति नहीं रहा, वह पर्यटन, अर्थव्यवस्था और संस्कृति का उभरता केंद्र बनने लगा। आज अयोध्या में जहाँ विकास की चकाचौंध है, वहाँ स्मृतियों की परछाइयाँ भी हैं। पुराने दिनों की खरोंचें बराबर पूछती हैं कि क्या नया वैभव उन संवेदनशीलताओं को पूरी तरह भर पाएगा जो विवाद के दशकों में हर कदम पर चुभती रहीं। क्या लोग अब इस प्रसंग को केवल आस्था के चश्मे से देखेंगे या इसमें छिपी सीख को भी याद रखेंगे। क्या यह सफर हमें संवैधानिक व्यवस्था के बहु रंग में एक साथ रहने की कला सिखाएगा? अयोध्या आज एक धार्मिक प्रतीक से आगे बढ़कर एक राष्ट्रीय चेतना बन चुका है। सरयू का प्रवाह आज़माता है कि भारत कितना संवेदनशील रह सकता है, कितना समावेशी बन सकता है, कितनी परिपक्वता से अपनी विविधताओं को संभाल सकता है। सरयू आज भी बह रही है, पर किनारों पर खड़े हम सब उस प्रवाह को अपने अपने अर्थ देते रहते हैं। किसी के लिए वह आस्था का देवालय है, किसी के लिए न्याय की जीत, किसी के लिए इतिहास की दुविधा, और किसी के लिए एक ऐसा मोड़ जहाँ से देश ने अपना राजनैतिक रास्ता बदल लिया। उन्नीस सौ नब्बे से दो हजार पच्चीस तक का अयोध्या का सफर यही सिखाता है कि इतिहास कभी केवल बीत नहीं जाता, वह मन के भीतर बैठकर वर्तमान को आकार देता रहता है। आस्था और कानून, स्मृति और परिवर्तन, संघर्ष और पुनर्निर्माण , ये सभी धागे मिलकर अयोध्या की वह गाथा बुनते हैं जो आज भी लिखी जा रही है। यह सफर अभी पूरा नहीं हुआ, बस एक नया अध्याय खुला है जिसमें भविष्य यह देखेगा कि हम इतिहास को कितना समझ सके और उससे कितनी परिपक्वता के साथ आगे बढ़ पाए।

सेहत मंत्र

खर्राटों की समस्या को हल्के में ना लें, यह हो सकती है गंभीर बीमारी

दुनियाभर में खर्राटों की समस्या काफी आम है। आपने देखा होगा कि कुछ लोग रात को सोते समय ज़ोर-ज़ोर से खर्राटे भरते हैं। लेकिन, इसका ज़रा सा भी एहसास उन्हें नहीं होता है। ऐसे में वो लोग या उनके पार्टनर इस समस्या से बेहद परेशान रहते हैं, जिस कारण उनकी नींद पूरी नहीं हो पाती है। खर्राटे आने की कई वजह हो सकती है, जैसे की नाक में सूजन, एलर्जी, स्लीपिंग डिसऑर्डर, अधिक धूम्रपान, शराब व नशीले पदार्थों का सेवन, जीभ मोटी होना, आदि। इसके अतिरिक्त गलत ढंग से सोने की वजह से भी खर्राटे आते हैं। अक्सर लोगों को सर्दी-खांसी की समस्या होने पर भी खर्राटे आते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कफ नाक के रास्ते में फंस जाता है, जिससे सांस लेने में तकलीफ होती है और खर्राटे आते हैं। अक्सर खर्राटों की समस्या गलत सोने के तरीके से भी हो जाता है, इसलिए ज़रूरी है कि आप अपनी स्लीपिंग पोज़ीशन बदल लें। वैसे पीठ के बल सोने से खर्राटे आने की संभावना ज़्यादा होती है, इसलिए लेफ्ट या राइट करवट लेकर सोएं। इसके अलावा सिर के नीचे ऊंचा तकिया रख के सोएं। साथ ही, नाक साफ न होने की वजह से भी खर्राटे आते हैं, इसलिए नाक साफ कर के सोएं। पानी सेहत के लिए अमृत के समान है। शरीर में इसकी कमी कई समस्याओं को जन्म दे सकती है, इसमें से एक खर्राटे की समस्या है। पानी की कमी से नाक के रास्ते की नमी चली जाती है, और सांस लेने में दिक्कत के साथ खर्राटें भी आने लगते हैं। तो इसलिए बेहतर है, दिनभर में 8 से 10 गिलास पानी ज़रूर पिएं। हल्दी वाला दूध काफी गुणकारी होता है। इसका सेवन सोने से पहले ज़रूर करें। साथ ही इलायची खाने से गले के अंदर हवा आने-जाने में दिक्कत नहीं होती और खर्राटों में कमी आती है। इसके लिए आप एक गिलास पानी में आधा या एक चम्मच इलायची पाउडर मिलाएं और सोने से आधा घंटा पहले उसका सेवन करें। नियमित रूप से इसका सेवन खर्राटे की समस्या को खत्म कर सकता है।

धर्म मंत्र

देवताओं के पुरोहित बृहस्पति करते हैं रक्षा भी

देवगुरु बृहस्पति पीत वर्ण के हैं। उनके सिर पर स्वर्ण मुकुट तथा गले में सुंदर माला है। वे पीत वस्त्र धारण करते हैं तथा कमल के आसन पर विराजमान हैं। उनके चार हाथों में क्रमशः दण्ड, रुद्राक्ष की माला, पात्र और वरदमुद्रा सुशोभित है। महाभारत आदिपर्व के अनुसार, बृहस्पति महर्षि अंगिरा के पुत्र तथा देवताओं के पुरोहित हैं। ये अपने प्रकृष्ट ज्ञान से देवताओं को उनका यज्ञ भाग प्राप्त करा देते हैं। असुर यज्ञ में विघ्न डालकर देवताओं को भूखों मार देना चाहते हैं। ऐसी परिस्थितियों में देवगुरु बृहस्पति रक्षोघ्न मंत्रों का प्रयोग कर देवताओं की रक्षा करते हैं तथा दैत्यों को दूर भगा देते हैं। इन्हें देवताओं का आचार्यत्व और ग्रहत्व कैसे प्राप्त हुआ, इसका वर्णन स्कन्दपुराण में प्राप्त होता है। बृहस्पति ने प्रभास तीर्थ में जाकर भगवान शंकर की कठोर तपस्या की। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शंकर ने उन्हें देवगुरु का पद तथा ग्रहत्व प्राप्त करने का वर दिया। बृहस्पति प्रत्येक राशि पर एक-एक वर्ष रहते हैं। वक्र गति होने पर इसमें अंतर आ जाता है। ऋग्वेद के अनुसार, बृहस्पति अत्यन्त सुंदर हैं। इनका आवास स्वर्ण निर्मित है। ये विश्व के लिए वरणीय हैं। ये अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उन्हें संपत्ति तथा बुद्धि से संपन्न कर देते हैं, उन्हें सन्मार्ग पर चलाते हैं और विपत्ति में उनकी रक्षा भी करते हैं। शरणागत वत्सलता का गुण इनमें कूट?कूट कर भरा हुआ है। देवगुरु बृहस्पति क वर्ण पीत है। इनका वाहन रथ है, जो सोने का बना है तथा अत्यन्त सुखकर और सूर्य के समान भास्कर है।

पर्यटन

खूबसूरत ही नहीं खुशबूदार शहर भी है मैसूर

भारत के दक्षिणी छोर में स्थित कर्नाटक की राजधानी बंगलौर से 140 किलोमीटर दूर मैसूर वाकई खूबसूरत शहर है। कभी वाडियार राजाओं की राजधानी रहा मैसूर समुद्रतल से 610 मीटर की ऊंचाई पर स्थित खुशबूदार शहर भी है। यहां चमेली, गुलाब आदि फूलों की सुगंध के अलावा चंदन और कस्तूरी की खुशबू से वातावरण सुगंधित रहता है। मैसूर चंदन के विशाल जंगलों, हाथियों, बगीचों और महलों के अलावा कला, संस्कृति, प्राकृतिक सुंदरता तथा ऐतिहासिक धरोहर से समृद्ध भारत का प्रमुख शहर है। यहां अनेक दर्शनीय स्थल हैं। आइए, आपको सबसे पहले लिए चलते हैं चामुंडेश्वरी मंदिर। चामुंडी पहाड़ी पर बने इस मंदिर तक एक हजार सीढ़ियां चढ़ कर या पैदल सड़क के रास्ते भी जाया जा सकता है। यह सतमंजिला मंदिर है। रास्ते में 5 मीटर ऊंचे ठोस चट्टानों को काट कर बनाए गए भगवान शिव के वाहन नंदी के दर्शन भी होते हैं। मंदिर तक जाने के मार्ग में हरे?भरे वृक्षों और सुरभित पवन के स्पर्श से मन आनंदित हो उठता है। मुख्य शहर से 16 किलोमीटर दूर 'श्रीरंगपटनम' अंग्रेजों से आजीवन युद्ध करते रहने वाले महान शासक टीपू सुल्तान की राजधानी थी। यहां वह इमारत दर्शनीय है जिसमें टीपू सुल्तान ने अंग्रेज सैनिकों को कैद कर रखा था। श्रीरंगपटनम की चारदीवारी के अंदर एक मस्जिद और श्री रंगनाथ स्वामी का मंदिर भी है। मैसूर से 45 किलोमीटर पूरब में सोमनाथपुर के चाणक्वेश्वर मंदिर की दीवारें उत्कृष्ट वास्तुशिल्प के उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। प्रस्तर निर्मित इन दीवारों पर रामायण, महाभारत तथा होयसल राजाओं के जीवन की जीवनशैली को बड़ी कुशलता से अंकित किया गया है। बांदीपुर वन्य प्राणी उद्यान बारहसिंगे, चितकबरे हिरण, हाथी, बाघ और तेंदुओं के लिए प्रसिद्ध है। यह मैसूर से 80 किलोमीटर दूर मैसूरउटकमांड मार्ग पर स्थित है। इस उद्यान की सैर हाथी, जीप या ट्रक के अलावा नाव द्वारा भी की जा सकती है। जून से सितंबर तक यह पक्षी विहार अनेक प्रकार के पक्षियों के कलरव से गूंजता रहता है। महाराजा पैलेस के नाम से मशहूर मैसूर महल हिन्दू और मुस्लिम वास्तुशिल्प का अनूठा संगम है। इस तीन मंजिले महल का निर्माण धूसर रंग के ग्रेनाइट पत्थरों से किया गया है।

गूँजेगी कला-संस्कृति की गूंज

नीलोत्पल, गजेन्द्र और हिमांशी की आवाज़ में डूबेगा 'सांझी विरासत'

14 दिसंबर को साहित्य के दिग्गज करेंगे भव्य मंच साझा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। जिले की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊँचाइयों पर ले जाने वाला प्रतिष्ठित आयोजन 'सांझी विरासत' इस बार और भी भव्य होने जा रहा है। 14 दिसंबर 2025 को बाराबंकी साहित्य, कला और संस्कृति का संगम बनने वाला है, जब देशभर के दिग्गज कवि और शायर एक ही मंच पर अपने अनूठे अंदाज़ में काव्य-पाठ और शायराना लुत्फ़ बिखेरेंगे। इस वर्ष के कार्यक्रम की सबसे बड़ी खासियत है प्रसिद्ध लेखक और कवि नीलोत्पल मृणाल, मर्मस्पर्शी भावनाओं के शायर गजेन्द्र प्रियांशु, युवा दिलों की धड़कन मानी जाने वाली शायरा हिमांशी बाबरा, सहित देश के कई नामी-गिरामी कवियों और शायरों का एक साथ मंच पर आना। अपनी-अपनी विशिष्ट शैली में वे ऐसी रचनाएँ प्रस्तुत करेंगे जो श्रोताओं को भाव विभोर कर देंगी और साहित्य प्रेमियों को एक अविस्मरणीय शाम का अनुभव कराएंगी।

'सांझी विरासत' सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बाराबंकी की उस साझा संस्कृति, विविधता और साहित्यिक समृद्धि का उत्सव है जो पीढ़ियों को जोड़ती है। यह मंच वर्षों से कवि सम्मेलन और मुशायरों की परंपरा को जीवित रखते हुए साहित्यिक एकता और सौहार्द का संदेश देता आया है। कार्यक्रम की लोकप्रियता का अंदाज़ इसी से लगाया जा सकता है कि हर साल हजारों की संख्या में लोग यहाँ जुटते हैं और देर रात तक काव्य-पाठ व शायरी की महफ़िलों का आनंद लेते हैं। इस वर्ष भी आयोजन को लेकर शहर में उत्साह चरम पर है। इस भव्य कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी सदस्य जिला पंचायत नेहा सिंह आनंद ने साझा की। बाराबंकी 14 दिसंबर को एक बार फिर साहित्य की खुशबू में डूबेगा काव्य, भाव, लय और सुरों से सजी एक अविस्मरणीय शाम का साक्षी बनेगा।

सूबेदार पुरवा संपर्क मार्ग जनता को समर्पित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। जिला पंचायत द्वारा रामसनेहीघाट क्षेत्र में गांव कोयलहा संपर्क मार्ग से सूबेदार पुरवा तक 22.50 लाख की लागत से बना 500 मीटर संपर्क लेपन मार्ग का लोकार्पण आज जिला पंचायत सदस्य अभिषेक वर्मा व भाजपा नेता जवाहर वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।भाजपा नेता ने कहा कि बरसात के समय इस गांव का संपर्क मुख्य मार्ग से कट जाने के कारण यहाँ के निवासियों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता था,इस मार्ग के निर्माण हो जाने से समस्या खत्म हो जायेगा, उन्होंने ने मौजूद ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि वर्तमान समय मतदाता सूची के पुनिरक्षण का कार्य बी.एल.ओ द्वारा किया जा रहा है। आप सभी लोग अपने पोलिंग बूथ पर जाकर अपना एस आई आर फॉर्म भर कर जमा करे,ताकि कोई भी नाम शामिल होने से ना रहे।इस अवसर पर अमरेश सिंह,बबलू सिंह,राम बहादुर प्रजापति, विश्वनाथ मुनीम,बुधराम विश्वकर्मा,राधे श्याम,प्रधान राजेंद्र,कल्पनाथ सिंह,राज कुमार सिंह,राम कुमार सिंह,राम फ़ेर निषाद,प्रहलाद प्रजापति,छेद्दन प्रजापति,बाबू लाल निषाद,सुख राम निषाद,माता बदल रावत,फूल चंद्र निषाद,संजय शर्मा,पवन सोनी,सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

भाकियू हरपाल गुट का रक्तदान कार्यक्रम संपन्न

बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय किसान यूनियन हरपालगुट व भारतीय किसान संगठन के संयुक्त रूप से जिला अध्यक्ष विक्रांत सैनी की अगवाई में रक्तदान का कार्यक्रम जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में संपन्न हुआ पांच कार्यकर्ताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया जिसमें जिला उपाध्यक्ष अरविंद यादव सुशील कुमार यादव हनुमान प्रसाद रवि कुमार संतोष कुमार ने रक्तदान कर महादानी बने जिला अध्यक्ष विक्रांत सैनी ने बताया कि रक्तदान करने मैं युवा अब बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और जागरूक हो रहे हैं जिससे खून की कमी से किसी की जान ना जाए रक्तदान करने से तीन जान बचाई जा सकती हैं यही सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है संगठन के पदाधिकारी अपने कार्यकर्ताओं को भी जागरूक करने का काम कर रहे हैं गांव गांव जाकर कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुख्य चिकित्सा अधीक्षक मौर्य जी जिलाध्यक्ष केके गुड्डू यादव मंडल अध्यक्ष सतीश मौर्य दीपू यादव गौरी देवी जेपी सिंह पंकज वर्मा राम सिंह यादव दिनेश यादव आदि लोग उपस्थित रहे ।

विद्यार्थी परिषद तहसील इकाई गठित

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नगर इकाई बदोसराय का गठन किया गया। सिरौलीगौसपुर लोक निर्माण विभाग अतिथि गृह में रविवार को आयोजित बैठक में 65वें प्रांत अधिवेशन की तैयारियों और कार्ययोजना पर चर्चा हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य नगर इकाई का गठन करना और आगामी प्रांत अधिवेशन की रूपरेखा तैयार करना था। इसमें नगर अध्यक्ष, नगर मंत्री और नगर के सभी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।बैठक के दौरान नई नियुक्तियों की घोषणा की गई। लवकुश पाण्डेय को नगर अध्यक्ष और देवेंद्र वर्मा को उपाध्यक्ष बनाया गया। सिद्धार्थ कुमार को नगर मंत्री नियुक्त किया गया, जबकि धनंजय, प्रतीक मोर्या, आयुष वर्मा और अनुभव यादव सहमंत्री बनाए गए। अनुगत त्रिवेदी को 'खोजो भारत' का संयोजक नियुक्त किया गया है।इस बैठक में विभाग संगठन मंत्री आकाश शुक्ला, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य आलोक कनौजिया शशिधर पाण्डेय सहित तमाम कार्यकर्ता बैठक में मौजूद थे। प्रांत कार्यकारिणी सदस्य आलोक कनौजिया ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संगठन के प्रति लगन और मेहनत से कार्य करने, संगठन का विस्तार करने तथा नए छात्र–छात्राओं को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया, जिससे संगठन और मजबूत हो सके।

ट्रैक्टर्स से टकराकर ई रिक्शा पलटा, बालक की दर्दनाक मौत

रामनगर, बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के ग्राम उटखरा में शनिवार शाम ई हुई रिक्शा व ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर में ई रिक्शा चालक के 5 वर्षीय पुत्र प्रिंस की मौत हुई। जबकि चालक बृजेश गंभीर रूप से घायल हो गया।हादसा ट्रॉली को क्रॉस करते समय ई रिक्शा के अनियंत्रित होकर पलटने से हुआ।स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा जहां से बच्चे को जिला अस्पताल रेफर किया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।इस सूचना से गांव में शोक और तनाव का माहौल बना। परिजनों ने विरोध की चेतावनी दी जिस पर पुलिस ने आश्वासन देकर तहरीर मांगी।थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। ट्रैक्टर चालक की खोज की जा रही है।

युवा सपा नेता का देहावसान, शोक लहर

रामनगर, बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील क्षेत्र के ग्राम चांदपुर निवासी सपा कार्यकर्ता पूर्व जिला सचिव अनिल कुमार यादव का हृदय गति रुकने से आकस्मिक निधन हो गया।कार्यकर्ता के अंतिम संस्कार में सपा नेता अरविंद सिंह गोप राजू यादव व जिलाध्यक्ष सहित सैकड़ों क्षेत्रीय कार्यकर्ता शामिल हुए।पूर्व विधानसभा अध्यक्ष अवधेश यादव ने घटना को रामनगर में समाजवादी परिवार की बड़ी क्षति बताया।

माता के आग्रह पर भगवान शिव ने किया राम कथा का बखान : भारद्वाज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। टिकैतनगर में श्रीमद् भागवत सप्ताह का भविष्य शुभारंभ हुआ। वृंदावन से पधारे कथा व्यास अतुल कृष्ण भारद्वाज जी महाराज ने कथा के शुभारंभ पर गुरु चरण राज का बखान करते हुए गुरु महिमा की अनुपम व्याख्या की।

महाराज श्री ने गुरु के महत्व को समझाते हुए कहा कि गुरु शिष्य को अज्ञान के अंधकार से निकालकर प्रकाश की ओर बढ़ने का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने भगवान शिव को संपूर्ण विश्व का गुरु बताया।

भगवान शिव ने माता पार्वती के आग्रह पर रामचरितमानस जैसी ज्ञानरूपी गंगा की कथा सुनाई, जो संपूर्ण विश्व का कल्याण कर सकती है। उन्होंने कहा कि गंगा तो गंगोत्री से गंगासागर तक सीमित है, लेकिन रामचरितमानस रूपी गंगा हर व्यक्ति तक स्वयं पहुंचती है। गुरु वही है जो मनुष्य को परमात्मा से जोड़ दे।

कथा व्यास ने संत तुलसीदास का उदाहरण दिया, जो गुरु नरहरिदास की कृपा से एक साधारण बालक से श्रीरामचरितमानस के रचयिता बन गए। उन्होंने बताया कि बचपन में भूखे रहने वाले तुलसीदास की रचना के बाद बड़े-बड़े राजा उनके चरण धोते थे, यह केवल गुरु कृपा का फल था।

अतुल कृष्ण भारद्वाज ने कलियुग में नाम की महिमा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राम-नाम भगवत एक ऐसा साधन है जो मानव समाज को भवसागर से पार उतार देता है। भक्त प्रहलाद, बालक ध्रुव, भक्त मीराबाई, संत रविदास, संत कबीर, संत रहीम, सदन कसाई और अजामिल जैसे अनेक भक्तों ने नाम का स्मरण कर देवलोक प्राप्त किया। चैतन्य महाप्रभु ने भी राम-नाम के रस में डूबकर लाखों लोगों को वैष्णव बनाया। कथा व्यास ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध फिल्म निर्माता स्टीफन स्पील वर्ग, हॉलीवुड अभिनेत्री जूलिया रॉबर्ट्स और लंदन के उद्योगपति मिस्टर फोर्ड राम-नाम की महिमा के कारण आज वैष्णव हो गए हैं। लाखों ईसाई भी हिंदू धर्म स्वीकार कर वृंदावन और देश के अन्य धार्मिक स्थलों पर भगवत नाम का गुणगान करते हुए माला जप रहे हैं, साथ ही मांसाहार, मदिरा और लहसुन का त्याग कर रहे हैं।

आज इन्हीं भक्तों के सहयोग से वृन्दावन में भव्य मन्दिर चन्द्रोदय मन्दिर बनना शुरू हो गया, जिसका भूमि पूजन भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्प्रणब मुखर्जी के कर कमलों से हुआ।आगे कथा व्यास ने कहा कि जो व्यक्ति स्वयं में सुधार करे उसे हंस कहते है और जो स्वयं के साथ दूसरों के जीवन में सुधार कर सद्गुणों के मार्ग पर चलाते है उसे परमहंस कहते है। छोटे से काली मन्दिर के पुजारी स्वामी रामकृष्ण जी बालक नरेन्द्र को स्वामी विवेकानन्द बना दिये, जिसके कारण वे स्वामी रामकृष्ण परमहंस कहलाये। नगर पंचायत अध्यक्ष जगदीश प्रसाद गुप्ता क्या आमंत्रण पर मंत्री सतीश चंद्र शर्मा विशिष्ट अतिथि रूप में पधारे। कालिका प्रसाद तिवारी, हरीश बिहारी द्विवेदी, किशोरी लाल , रमेश चंद गुप्ता,घनश्याम गुप्ता राजकुमार निगम ,अजीत सिंह , लाल गुप्ता, ओम प्रकाश गुप्ता ,विनय कुमार गुप्ता , गंगू सिंह , आशू विश्वकर्मा, प्रेम सिंह जी, दया शंकर गुप्ता,सहित सम्मानित भक्तगण उपस्थित रहे।

वन रेंज की टीम ने लकड़ी के कोयले से भरी डीसीएम पकड़ी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हैदरगढ़, बाराबंकी। वन तस्करी पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे मिशन संरक्षण के तहत हैदरगढ़ वन रेंज की टीम ने बीती रात महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए लकड़ी के कोयले से भरी डीसीएम (UP 36T 6712) को पकड़कर एक बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया है। 06 दिसंबर 2025 की रात रात्रि गश्त के दौरान तेजतर्रार वन दरोगा अनुज कुमार सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध डीसीएम वाहन तेजी से गुजर रहा है। संदेह होने पर टीम ने वाहन का पीछा किया और हैदरगढ़ मुख्य चौराहे पर उसे रोक लिया। वाहन चालक आशीष कुमार, निवासी सिकरी, सुल्तानपुर ने बताया कि वाहन में लकड़ी का कोयला लदा है जिसे रायबरेली से पटना, बिहार भेजा जा रहा है। जब उससे अभिवहन पास मांगा गया तो वह कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।वाहन को सीज कर रेंज कार्यालय लाया गया। इसी दौरान रात 12:10 बजे वन दरोगा के मोबाइल पर अयाज पुत्र मोहम्मद नफीस निवासी हलोर, रायबरेली का फोन आया, जिसने वाहन छुड़ाने के लिए व्हाट्सएप पर अभिवहन पास भेजने की बात की। जब पास प्राप्त हुआ तो उस पर वाहन संख्या यूप 36 टी 9404 लिखी थी, जबकि पकड़ा गया वाहन यूप 36 टी6712 था। आपत्ति जताने पर उसने दूसरा अभिवहन पास भेजा, जिसमें सही वाहन संख्या थी, पर दोनों पासों में पत्रांक संख्या, आवेदन संख्या और परमिट संख्या एक ही पाई गई। संदेह गहराने पर दोनों पासों की जांच वन प्रभाग महराजगंज से कराई गई और 07 दिसंबर को स्पष्ट किया गया कि दोनों अभिवहन पास पूरी तरह फर्जी हैं।कड़ाई से पूछताछ में अभियुक्त अयाज ने स्वीकार किया कि दोनों पास नकली हैं और वह इस फर्जीवाड़े को लंबे समय से अंजाम देता आ रहा है। बताया जा रहा है कि बाराबंकी जनपद के जिला वन प्रभागीय अधिकारी आकाशदीप बघावन के नेतृत्व में तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की यह एक और बड़ी सफलता है। लगातार हो रही इन कड़ी कार्यवाहियों से यह संदेश स्पष्ट है कि वन माफिया और वन्यजीव तस्कर अब किसी भी स्थिति में बख्शे नहीं जाएंगे।इस पूरी कार्रवाई में वन दरोगा अनुज कुमार सिंह की सूझबूझ, तत्परता और साहस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी मुस्तैदी से न केवल फर्जी पास का खेल पकड़ा गया बल्कि तस्करों के नेटवर्क पर भी बड़ा प्रहार हुआ। दूसरी ओर जिला वन प्रभागीय अधिकारी आकाशदीप बघावन की पारदर्शी और प्रेरक कार्यशैली ने फील्ड में काम कर रहे वनकर्मियों में नई ऊर्जा पैदा की है। अब वन विभाग की टीमें केवल ड्यूटी नहीं कर रहीं, बल्कि मिशन मोड पर वन संरक्षण और तस्करों की कमर तोड़ने में जुटी हैं

बीएलओ सहयोगी पंचायत सचिव दुर्घटना में जख्मी

मसौली बाराबंकी। एसआईआर कार्य मे बीएलओ के सहयोग के लिए लगाए गये ग्राम पंचायत बड़ागांव के पंचायत सचिव जैसराम को अज्ञात बाईक सवार ने टक्कर मार दी पंचायत सचिव के हाथ एव सिर मे चोट आयी है। रविवार की दोपहर करीब 1 बजे ग्राम पंचायत बड़ागांव में तैनात ग्राम विकास अधिकारी जैसराम ब्लाक मुख्यालय से पंचायत भवन बड़ागांव जा रहे थे मसौली चौराहे पर किसी कार्य के लिए रुके तभी तेज रफ्तार से आ रही अज्ञात बाईक सवार ने टक्कर मार दी जिससे पंचायत सचिव जैसराम के हाथ एव सिर चोट लग गयी है , जिन्हें स्थानीय चिकित्सक को दिखाया गया। प्राथमिक उपचार और मरहमऽपट्टी के बाद वे अपने लखनऊ स्थित आवास लौट गए।ग्राम विकास अधिकारी के घायल होने की सूचना मिलते ही खण्ड विकास अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव, सहायक विकास अधिकारी पंचायत जानकीराम, एडिओ आईएसबी मदन गोपाल कनौजिया ग्राम पंचायत बड़ागांव प्रधान प्रतिनिधि नूरमोहम्मद ने दूरभाष के माध्यम से उनका हालचाल जाना और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

फादर क्रिकेट मैचेस की श्रृंखला, नफीस अली की रोमांचक हैट्रिक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल के द्वारा आयोजित ''उड़ान'' स्पोर्ट्स मीट 2025 के सातवें दिन फादर क्रिकेट मैचेस की श्रृंखला का आयोजन लॉर्ड्स बालाजी क्रिकेट स्टेडियम में किया गया किया। इस टूर्नामेंट की चार टीमे बालाजी लायंस, बालाजी पैंथर्स, बालाजी स्ट्राइकर्स, बालाजी फाइटर्स रहीं। जिसमें बालाजी लायंस ने इस श्रृंखला को जीत लिया। पहला मैच बालाजी स्ट्राइकर व बालाजी लायंस के बीच खेला गया। टॉस जीतकर बालाजी स्ट्राइकर ने बल्लेबाजी करने का फैसला किया तथा 8 ओवरों में 102 रन का लक्ष्य बालाजी लायंस को दिया। बालाजी स्ट्राइकर की तरफ से सर्वाधिक रन तमजीद अहमद खान ने बनाए जिन्होंने मात्र 15 गेंद में 55 रनों की पारी खेली जिसमें 7 छक्के शामिल थे। जवाब में उत्तरी बालाजी लायंस की टीम की तरफ से सलामी बल्लेबाज शरद ने अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन उसके बाद वो चोटिल हो गए। मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज राकेश गुप्ता ने मात्र 16 गेंद में 52 रनों की पारी खेल कर इस मैच को जिता दिया। टूर्नामेंट का दूसरा मैच बालाजी पैंथर्स व बालाजी फाइटर्स के बीच खेला गया। बालाजी पैंथर्स ने 8 ओवरों में 113 रन जुड़े जवाब में उतरी बालाजी फाइटर 78 रनों पर सिमट गई। बालाजी पैंथर्स की तरफ से नफीस अली ने सर्वाधिक 41 रन मात्र 16 गेंद में जड़े जिसमें 7 चौके व 2 छक्के शामिल थे। दूसरे बल्लेबाज़ प्रवीन तिवारी ने शानदार 34 रन जड़े जिसमें 3 छक्के व 3 चौके शामिल थे। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला बालाजी लायंस बालाजी पैंथर्स के मध्य खेला गया। फाइनल मुकाबला 10 ओवरो का खेला गया जिसे बालाजी लायंस ने जीत लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी बालाजी पैंथर्स की तरफ से सर्वाधिक 35 रन प्रवीण तिवारी ने व 27 रन तमजीद खान ने बनाए। जिसकी बदौलत बालाजी पैंथर्स ने 10 ओवरों में 90 रन बनाए। जवाब भी उतारी बालाजी लायंस की टीम की तरफ से राकेश गुप्ता ने मात्र 19 गेंदों मे 51 रनो की पारी खेलकर बालाजी लायंस को फाइनल मैच जिता दिया। एक समय मैच में रोमांच नफीस अली ने ला दिया था, जब उन्होंने इस मैच में हैट्रिक लिया। लेकिन राकेश गुप्ता की पारी ने इस फाइनल मैच को जिता दिया। फाइनल मुकाबले के मुख्य अतिथि राजा सिंह ने जीती हुई टीम व रनर टीम को मेडल व सेर्टिफिकेटस से सम्मानित किया। इस मौके पर बालाजी ग्रुप का स्कूल के प्रबंधक श्री अंकुर माथुर, अध्यक्ष रविंद्र माथुर, कोषाध्यक्ष प्रिया माथुर, आशीष चौरसिया पियूष मौर्य, अहमद शाहबाज मोहम्मद सलीम आदि मौजूद रहे।

रोहित और कोहली का अनुभव महत्वपूर्ण, लेकिन युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अविश्वसनीय: गंभीर

एजेंसी

विशाखापत्तनम। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने विराट कोहली और रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों का अनुभव टीम के लिए काफी मायने रखता है लेकिन इसके साथ ही युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अविश्वसनीय रहा है। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई एकदिवसीय श्रृंखला में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया जबकि रोहित में दो अर्धशतक जमाकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। गंभीर ने उम्मीद जताई कि दोनों दिग्गज खिलाड़ी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगे। उन्होंने तीसरे और अंतिम वनडे में भारत की नौ विकेट से जीत के बाद पत्रकारों से कहा, ''वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। मैंने कई बार कहा है कि वे विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। वे इस

प्रारूप के बेहतरीन खिलाड़ी हैं और ड्रेसिंग रूम में उनका अनुभव वास्तव में बहुत मायने रखता है। उन्होंने कहा, ''वे वही कर रहे हैं जो वे करते रहे हैं। वे भारतीय क्रिकेट के लिए इतने लंबे समय से ऐसा प्रदर्शन करते आ रहे हैं। उम्मीद है कि वे आगे भी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगे। सीनियर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को विश्राम दिए जाने तथा शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की चोट के कारण अनुपस्थिति ने भारत को कुछ युवा खिलाड़ियों के कौशल को परखने का मौका दिया। गंभीर हर्षित राणा के गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में उभरने से विशेष रूप से प्रसन्न थे। उन्होंने कहा, ''हम हर्षित जैसे खिलाड़ी को इस तरह से तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं जो वास्तव में नंबर आठ पर बल्लेबाजी करते हुए अपना योगदान दे सके। हमें इसी तरह संतुलन बनाना होगा, क्योंकि दो साल बाद (2027 वनडे विश्व कप के लिए) दक्षिण अफ्रीका दौरे पर हमें तीन अच्छे तेज गेंदबाजों की भी ज़रूरत होगी। अगर वह एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में खुद को स्थापित करता है तो यह हमारे लिए अच्छा होगा। गंभीर भी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के प्रदर्शन से प्रभावित दिखे।

सीमित ओवरों की क्रिकेट में बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है: गंभीर

विशाखापत्तनम। गौतम गंभीर की बल्लेबाजी संयोजन में बदलाव करने की आदत अक्सर कड़ी जांच के घेरे में रही है, लेकिन भारतीय टीम के मुख्य कोच ने कहा कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में ''बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है'' और इस तरह से उन्होंने संकेत दिया कि वह अपने भरोसेमंद तरीकों पर कायम रहेंगे। भारतीय टीम के इस संयोजन के कारण सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई एकदिवसीय श्रृंखला में नंबर चार पर बल्लेबाजी करनी पड़ी, जबकि ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर की जगह पक्की नहीं रही। गंभीर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में जीत के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा,''मेरा मानना है कि वनडे प्रारूप में आपको पता होना चाहिए कि आप किस तरह से खेलना चाहते हैं। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में सलामी बल्लेबाजों के संयोजन को छोड़कर बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है।

रोहित और कोहली के साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा: बांगड़

एजेंसी

विशाखापत्तनम। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का पिछले कुछ वर्षों में प्रदर्शन को देखते हुए उनके साथ अलग तरह का व्यवहार किया जाना चाहिए और वनडे टीम में उनकी जगह को लेकर कभी भी बहस नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य और मुख्य कोच गौतम गंभीर इस सीनियर जोड़ी के 2027 विश्व कप तक फॉर्म और फिटनेस बरकरार रखने को लेकर भले ही संशय में हो सकते हैं, लेकिन दोनों बल्लेबाजों ने पिछले छह वनडे मैचों में तीन शतक (कोहली के दो) और पांच अर्धशतक (रोहित के तीन) लगाकर बतला दिया है कि उनका कोई सानी नहीं है। बांगड़ ने जिओस्टार से कहा, ''मुझे नहीं लगता कि टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा की जगह को लेकर सवाल उठाए जाने चाहिए। उनके इतने वर्षों में टीम को दिए गए योगदान पर गौर करना चाहिए। कोहली और रोहित अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। भारत पिछले कुछ समय से इस प्रारूप में बहुत कम मैच खेल रहा है और बांगड़ का मानना है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है। उन्होंने कहा, ''वे दो प्रारूपों से संन्यास ले चुके हैं, इसलिए ज़ाहिर है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है लेकिन वे ऐसा कई बार कर चुके हैं। उन्हें किसी युवा खिलाड़ी जितने मैच खेलने की ज़रूरत नहीं है। बांगड़ ने कहा, ''एक बार वे जब अपनी लय हासिल कर लेते हैं और पूरी तरह फिट तथा रन बनाने के लिए भूखे हैं तो आप इस तरह के खिलाड़ियों को टीम में चाहते हैं। आपको उनके साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा और उन्हें अपना नैसर्गिक खेल खेलने की छूट देनी होगी। उन्होंने कहा, '''जब वे लय में होते हैं तो आपको अंतर साफ नजर आता है। उनकी उपस्थिति मात्र से ड्रेसिंग रूम का माहौल बदल जाता है। टेस्ट श्रृंखला में हार के बाद उन्होंने निश्चित तौर पर युवा खिलाड़ियों से बात की होगी।

यशस्वी ने भारत के वनडे तरकश में जोड़ा एक और तीर

एजेंसी

विशाखापत्तनम। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां तीसरे और अंतिम वनडे मैच में संयम और आक्रमण की नई मिसाल पेश करके भारत की एकदिवसीय टीम के तरकश में एक और तीर जोड़ दिया। जायसवाल ने पहले ओवर में ही मार्को यानसन की ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद को छोड़कर दिखाया कि वह किसी तरह का बेमतलब का जोखिम उठाना नहीं चाह रहे हैं। जायसवाल ने इस गेंद पर कट करने की कोशिश नहीं की और उसे क्विंटन डी कॉक के पास जाने दिया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में यह एक महत्वपूर्ण क्षण था, जिसमें भारत ने नौ विकेट से जीत हासिल की। यह जायसवाल की बदली हुई मानसिकता का पहला संकेत था। उन्होंने स्पष्ट संकेत दिया कि वह अपने आक्रामक तेवरों पर लगाम लगाए रखेंगे मुख्य सलामी बल्लेबाज तथा

टीम के नियमित कप्तान शुभमन गिल के चोटिल होने के कारण उन्हें जो मौका मिला है, उसका पूरा फायदा उठाएंगे। जायसवाल ने रांची और रायपुर में खेले गए पहले दो वनडे में शुरू से ही गेंदबाजों पर हावी होने की कोशिश की लेकिन इसमें नाकाम रहे और जल्दी आउट हो गए। लेकिन यहां उन्होंने गेंदबाजों पर हावी होने के लिए किसी तरह की जल्दबाजी नहीं दिखाई और धैर्य से काम लिया। ऐसा लग रहा था कि अब उन्हें वनडे क्रिकेट की लय बेहतर समझ आ गई है। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी इस पर बात की। गंभीर ने कहा, ''जब आप लाल गेंद वाले क्रिकेट से सफ़ेद गेंद वाले क्रिकेट में आते हैं तो आपको लगता है कि आपको आक्रामक बल्लेबाज़ी करनी होगी। लेकिन आपको आक्रामक होकर खेलने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि अगर आप वनडे प्रारूप को 30 ओवर और 20 ओवर में बांट दें, तो काम बहुत आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा, ''अगर आप वनडे में पहले 30 ओवर धैर्य के साथ खेलते हैं और जायसवाल में जो क्षमता है उसे देखते हुए अगर वह 30 ओवर तक बल्लेबाज़ी करता है तो वह शतक लगा सकता है। इसके बाद भी आपके पास 20 ओवर बचे होते हैं जिन्हें आप टी20 मैच की तरह खेल सकते हैं। गंभीर ने कहा, ''जायसवाल का वनडे में यह केवल चौथा मैच था और जैसे ही उन्हें समझ आ जाएगा कि वनडे क्रिकेट में उन्हें किस गति से बल्लेबाज़ी करनी है तो वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेंगे।

स्मृति मंधाना ने पुष्टि की, 'शादी रद्द कर दी गई है', निजता का सम्मान करने की अपील की

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने अपनी जिंदगी को लेकर पिछले कुछ सप्ताह से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए रविवार को पुष्टि की कि संगीतकार पलाश मुछाल के साथ उनकी शादी ''रद्द'' कर दी गई है। उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करने का आग्रह किया है। भारत की सबसे प्रमुख महिला क्रिकेटरों में से एक मंधाना ने पिछले महीने अपनी निजी जिंदगी को लेकर अफवाह तेज होने के बाद सोशल मीडिया पर अपना पहला सार्वजनिक बयान जारी किया। मंधाना ने लिखा, ''मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है। मैं इस मामले को यहीं समाप्त करना चाहती हूं और आप सभी से भी ऐसा करने का अनुरोध करती हूं। मंधाना की 23 नवंबर को मुछाल से शादी होने वाली थी, लेकिन इस स्टार क्रिकेटर के पिता श्रीनिवास को दिल से

जुड़ी बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था जिसके कारण शादी स्थगित कर दी गई थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा, ''पिछले कुछ सप्ताह से मेरी निजी जिंदगी को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए खुलकर अपनी बात रखना महत्वपूर्ण है। खुद को एक ''बेहद निजी इंसान'' करार देते हुए मंधाना ने कहा कि चीजों को स्पष्ट करने की जरूरत के कारण उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने प्रशंसकों और जनता से अनुरोध किया कि वे ''दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें'' और उन्हें ''इससे निपटने और आगे बढ़ने के लिए जगह दें। भारत के आगामी अंतरराष्ट्रीय सत्र की तैयारी कर रही मंधाना ने कहा कि उनका ध्यान पूरी तरह से क्रिकेट पर है। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि हम सभी का (जीवन में) एक बड़ा उद्देश्य होता है और मेरे लिए वह उद्देश्य हमेशा अपने देश का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करना रहा है। मुझे उम्मीद है कि मैं यथासंभव लंबे समय तक भारत के लिए खेलती रहूंगी और ट्राफियां जीतती रहूंगी। गायिका पलक मुछाल ने कुछ दिन पहले इस मुद्दे पर बात की थी जिसके बाद अब मंधाना का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि दोनों परिवारों ने बहुत मुश्किल समय का सामना किया है। जैसा आपने अभी कहा, मैं बस यही दोहराना चाहती हूं कि हम इस समय सकारात्मक होकर आगे बढ़ना चाहते हैं। हम जितना हो सके उतना सकारात्मक बने रहना चाहते हैं। हम मजबूत बने रहने की भी कोशिश कर रहे हैं। यह दोनों बयान इस विषय को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं और और असत्यापित रिपोर्टों की पृष्ठभूमि में आए हैं। यही वजह थी कि उन्हें अटकलों पर विराम लगाने के लिए आगे आना पड़ा है।

सीएट की वैश्विक बाजार पर नजर, विभिन्न देशों की जरूरतों के लिए टायर बना रही

एजेंसी

नयी दिल्ली। टायर बनाने वाली कंपनी सीएट विभिन्न वैश्विक बाजारों के लिए खास तौर से टायर बना रही है, ताकि यूरोप और अमेरिका जैसे क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाया और खुद को वैश्विक ब्रांड बनाया जा सके। आरपीजी समूह के वाइस चेयरमैन अनंत गोयनका ने यह बात कही। आरपीजी समूह की इस कंपनी की कुल आय में निर्यात की 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है और आने वाले कुछ सालों में ये हिस्सा बढ़ने की उम्मीद है। गोयनका ने बातचीत में कहा, हम अंतरराष्ट्रीय वृद्धि पर बहुत ध्यान दे रहे हैं ऽ अमेरिका में वृद्धि, यूरोप में वृद्धि। हमारा लक्ष्य वैश्विक ब्रांड बनना है। हम अक्सर कहते हैं कि भारतीय उद्योग ब्रांड बनाने और वैश्विक वृद्धि में और ज्यादा निवेश कर सकते हैं। ये हमारे लिए एक प्रमुख क्षेत्र है। उन्होंने बताया कि कंपनी किसी क्षेत्र की खास जरूरतों के हिसाब से टायर बना रही है। गोयनका ने कहा, इटली में ग्राहक को क्या चाहिए, स्पेन में क्या चाहिए ऽ हम उस खास बाजार के लिए पूरी श्रृंखला विकसित कर रहे हैं। कंपनी नॉर्डिक क्षेत्र, जर्मनी और अलग-अलग जगहों पर टायर का परीक्षण कर रही है। उन्होंने कहा, हम सड़क की खास स्थिति के लिए टायर बनाते हैं। पश्चिम एशिया में ज्यादातर सीधी सड़कें हैं। यूरोप में घुमावदार सड़कें हैं। अमेरिका में सीधी सड़कें हैं। मौसम भी अलग-अलग है, इसलिए इन सबको ध्यान में रखकर टायर बनाना पड़ता है। गोयनका ने कहा कि कंपनी भविष्य की वृद्धि को लेकर बहुत आशावादी है। उन्होंने कहा, हमें क्षमता की कमी महसूस हो रही है। हमारी 60 प्रतिशत बिक्री पुराने टायरों को बदलने के लिए की जाने वाली खरीद से आती है। हम 20 प्रतिशत बिक्री अंतरराष्ट्रीय बाजार में और 20-25 प्रतिशत बिक्री ओईएम को करते हैं। सभी क्षेत्र सकारात्मक दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू टायर उद्योग का भविष्य कुल मिलाकर सकारात्मक है।

सोने की चमक बरकरार, इस साल अबतक दिया लगभग 67 प्रतिशत रिटर्न: विशेषज्ञ

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुरक्षित निवेश परिसंपत्ति के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस साल घरेलू बाजार में इसने अबतक लगभग 67 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपयेऽडॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत पांच प्रतिशत से 16 प्रतिशत प्रति 10 ग्राम और चढ़ सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं, इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश करना जरूरी है। दिल्ली सर्राफा संघ के आंकड़ों अनुसार, इस साल एक जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम थी जो बीते शुक्रवार पांच दिसंबर को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। मेहता इक्विटीज लि. के

उपाध्यक्ष (जिंस) राहुल कलंत्री ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''चालू वर्ष में सोने ने असाधारण रूप से मजबूत रिटर्न दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें इस साल अब तक लगभग 60 प्रतिशत (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) तक चढ़ चुकी हैं। इसका मुख्य कारण सुरक्षित निवेश की मांग, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया के बड़े केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर घटाने की उम्मीद है। वहीं भारत में रिटर्न इससे भी ज्यादा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक करीब 67 प्रतिशत चढ़ चुकी है। इसका अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना और मजबूत वैश्विक संकेत है। उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर, 2025 में सोने ने अधिकांश निवेश उत्पादों (इक्विटी शेयर और बॉन्ड) की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और साबित किया है कि अनिश्चितता और अस्थिर समय में यह सबसे भरोसेमंद साधन है। अगर इक्विटी शेयर पर रिटर्न देखा जाए तो निफ्टी 50 टीआरआई (कुल रिटर्न सूचकांक) और निफ्टी 500 टीआरआई ने तीन दिसंबर तक क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं 10 साल के सरकारी बॉन्ड का प्रतिफल दिसंबर 2025 की शुरुआत में लगभग 6.53 प्रतिशत रहा। सोने की कीमत में आई तेजी के कारणों के बारे में पूछे जाने पर कलंत्री ने कहा, ''वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता, डॉलर सूचकांक में कमजोर रुख,मुद्रास्फीति की चिंता और इसके खिलाफ सुरक्षा की आवश्यकता ने निवेशकों के लिए सोने में निवेश को आकर्षक विकल्प बनाया है।

जलवायु दबाव बढ़ने के कारण कॉर्टेवा ने भारत में जैविक गतिविधियों को तेज किया

एजेंसी

हैदराबाद। अमेरिका की कृषि क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कोर्टेवा एग्रीसाइंस भारत में अपने जैविक उत्पादों के विस्तार में तेजी ला रही है और जैव-नियंत्रण तथा जैव-उत्तेजक पर विशेष ध्यान दे रही है। कंपनी की एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। बढ़ते जलवायु दबाव और कीट-प्रतिरोध की चुनौतियों के बीच प्राकृतिक फसल-सुरक्षा समाधान तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। कोर्टेवा की एशिया-प्रशांत अध्यक्ष ब्रूक कनिंघम ने अपनी भारत यात्रा के दौरान को बताया कि प्राकृतिक खेती और जीन-संपादन प्रौद्योगिकियों को मिल रहे सरकार के समर्थन के कारण कंपनी भारत को जैविक उत्पादों के लिए बेहद महत्वपूर्ण बाजार मानती है। कनिंघम ने कहा, किसानों को सबसे ज्यादा जरूरत जैव-नियंत्रण की है। अभी तक किसी ने भी इसे बड़े पैमाने पर हल नहीं किया है। उन्होंने बताया कि कंपनी सूक्ष्मजीवीय समाधानों में भारी निवेश कर रही है, जो या तो कीटों पर सीधा हमला करते हैं या पौधों की रक्षा-क्षमता को बढ़ाते हैं। जैविक उत्पादों की ओर बदलाव जलवायु परिवर्तन के कारण और तेज हो रहा है, क्योंकि इससे कीटों का फैलाव तेज हो रहा है तथा सूखा, बाढ़ और गर्मी से पौधों पर तनाव बढ़ रहा है। जैव-उत्तेजक अब भारतीय किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण उपकरण बनकर उभर रहे हैं। कनिंघम ने कहा, 'यह रसायनों का विकल्प नहीं, बल्कि एकीकृत कीट प्रबंधन है।' उन्होंने बताया कि रासायनिक समाधान अभी भी फलों में 80 प्रतिशत और सब्जियों में 50 प्रतिशत नुकसान रोकते हैं। कंपनी जैविक उत्पादों को पारंपरिक फसल सुरक्षा का पूरक मानती है, जो कीट-प्रतिरोध और पर्यावरणीय स्थिरता की दोहरी चुनौतियों का समाधान करते हैं। भारत में, जहां किसान वैश्विक कृषि भूमि के केवल 2.4 प्रतिशत हिस्से पर 1.4 अरब लोगों को भोजन उपलब्ध कराते हैं, जैविक उत्पाद खाद्य सुरक्षा और निर्यात लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आवश्यक माने जा रहे हैं। हालांकि ब्राजील अभी कीटों के भारी दबाव के कारण जैविक उत्पाद अपनाने में सबसे आगे है, लेकिन भारत में अनूठे अवसर मौजूद हैं। सरकार का प्राकृतिक खेती को बढ़ावा और जीन-संपादन तकनीकों का समर्थन देश को बीज, फसल संरक्षण तथा जैविक उत्पादों में अत्याधुनिक नवाचार लागू करने की स्थिति में ला रहा है। कनिंघम ने कहा, 'भारत उस निर्णायक मोड़ पर खड़ा है जहां से वह दुनिया को भोजन और ईंधन दोनों मुहैया करा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि देश के 15 करोड़ छोटे किसान, जिनमें अधिकांश के पास दो हेक्टेयर से कम जमीन है, जैविक समाधानों से काफी लाभ उठा सकते हैं। इन समाधानों से 0.3 हेक्टेयर वाले किसानों की उपज औसतन 15-20 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। भारत कोर्टेवा का एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे बड़ा बीज बाजार है और यह क्षेत्र कंपनी के वैश्विक राजस्व का लगभग 10 प्रतिशत योगदान देता है। अनुसंधान एवं विकास तथा साझेदारियों के बारे में कनिंघम ने कहा कि कोर्टेवा अपनी आय का आठ प्रतिशत फसल संरक्षण और बीज क्षेत्र में अनुसंधान पर पुनः निवेश करती है, जो सालाना लगभग 1.4 अरब डॉलर है। कंपनी नई जैविक तकनीकों को तेजी से और कम लागत में विकसित करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग कर रही है। कनिंघम ने कहा, 'हमारे पास एक अरब डॉलर से अधिक का अनुसंधान बजट होने के बावजूद हम अकेले नवाचार नहीं कर सकते। इसलिए हम स्थानीय नवप्रवर्तकों के साथ साझेदारी कर रहे हैं ताकि उनकी विशेषज्ञता, नियामक ज्ञान और विनिर्माण क्षमता का लाभ मिल सके। हालांकि, नियामक बाधाएं अभी भी बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। भारत में उर्वरक (नियंत्रण) आदेश के तहत मंजूरियां ऑस्ट्रेलिया जैसे बाजारों की तुलना में काफी धीमी हैं। कनिंघम ने कहा, 'वैश्विक स्तर पर समन्वित नियामक व्यवस्था का अभाव एक बड़ी चुनौती है। हमें विज्ञान-आधारित, डेटा-संचालित और पूर्वानुमान योग्य ढांचों की जरूरत है। अप्रत्याशित या गैर-वैज्ञानिक निर्णय हमारे अनुसंधान एवं विकास निवेश को उचित ठहराने की क्षमता को बाधित करते हैं।

फ़ेड के बयान, खुदरा महंगाई पर रहेगी निवेशकों की नजर

शेयर समीक्षा

एजेंसी

मुंबई। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में रही गिरावट के बाद अब निवेशकों की नजर अगले सप्ताह अमेरिकी फ़ेडरल रिजर्व की बैठक और खुदरा महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी। अमेरिकी फ़ेडरल रिजर्व की बैठक 09 और 10 दिसंबर को होने वाली है। वहीं, घरेलू स्तर पर खुदरा महंगाई के नवंबर के आंकड़े 12 दिसंबर को जारी होंगे। डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में उतार-चढ़ाव का असर स्पष्ट रूप से बाजारों पर दिखेगा। औद्योगिक उत्पादन के कमजोर आंकड़ों के बाद पिछले सप्ताह शेयर बाजारों में बिकवाली हावी रही। रुपये की गिरावट से भी निवेश धारणा कमजोर हुई। हालांकि सप्ताह के अंतिम दिन शुक्रवार को रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती से बाजार में रौनक लौट आयी, विशेषकर बैंकिंग कंपनियों में। गत सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 5.70 अंक की नगण्य बढ़त के साथ 85,712.37 अंक पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ सप्ताहांत पर 26,186.45 अंक पर बंद हुआ। मझौली और छोटी कंपनियों पर दबाव ज्यादा रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.23 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.80 प्रतिशत लुढ़क गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 16 में साप्ताहिक गिरावट रही जबकि अन्य 14 में तेजी दर्ज की गयी। इटनरल को सबसे अधिक 2.58 प्रतिशत का नुकसान हुआ। टाइटन का शेयर 2.42 फीसदी, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 1.75 और रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.66 प्रतिशत टूट गया। सप्ताह के दौरान ट्रेंट का शेयर 1.45 फीसदी, सनफार्मा का 1.44, बीईएल का 1.18 और महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1.10 फीसदी लुढ़क गया। एनटीपीसी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, भारतीय स्टेट बैंक, एलएंडटी और अडानी पोर्ट्स में 0.50 फीसदी की गिरावट रही।

इनफोसिस का शेयर 3.61 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में बंद हुआ। टेक महिंद्रा में 3.49 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 3.39, एशियन पेंट्स में 3.26 और टीसीएस में 3.16 प्रतिशत की गिरावट रही। मारुति सुजुकी का शेयर 2.41 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.44 और रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.04 प्रतिशत चढ़ा।

शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 72,285 करोड़ रुपये बढ़ा

नयी दिल्ली। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में पांच का कुल बाजार मूल्यांकन पिछले हफ्ते 72,284.74 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस को सबसे अधिक लाभ हुआ। इस दौरान भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन बढ़ा, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो और एलआईसी में गिरावट हुई। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स महज 5.7 अंक चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 16.5 अंक गिरा। इस दौरान टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 35,909.52 करोड़ रुपये बढ़कर 11,71,862.37 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का मूल्यांकन 23,404.55 करोड़ रुपये बढ़कर 6,71,366.53 करोड़ रुपये हो गया। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 6,720.28 करोड़ रुपये बढ़कर 6,52,396.39 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 3,791.9 करोड़ रुपये बढ़कर 12,01,832.74 करोड़ रुपये हो गया। दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 35,116.76 करोड़ रुपये घटकर 20,85,218.71 करोड़ रुपये रह गया।

संतों, ऋषियों, मुनियों की तपस्या और ध्यान राष्ट्र के शाश्वत ज्ञान का आध्यात्मिक आधार है: राधाकृष्णन

एजेंसी

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि ने संतों, ऋषियों, मुनियों की तपस्या और ध्यान राष्ट्र के शाश्वत ज्ञान का आध्यात्मिक आधार है। श्री राधाकृष्णन ने कहा कि राजयोग और विपश्यना जैसी परंपराएं इस बात के महत्व को इंगित करती है कि सच्ची शक्ति और स्पष्टता भीतर से ही उभरती है।

श्री राधाकृष्णन ने यह बात रविवार को गुरुग्राम में ब्रह्म कुमारी के ओम शांति रिट्रीट सेंटर (ओएसआरसी) के रजत जयंती वर्ष समारोह के शुभारंभ के अवसर

के संदेश की ओर आकर्षित होने वाले वैज्ञानिकों, डॉक्टरों, प्रशासकों, राजनेताओं जैसे पेशेवरों की विविधता की सराहना की। उन्होंने ब्रह्म कुमारी को दुनिया के सबसे बड़े महिला-नेतृत्व वाले आध्यात्मिक संगठन के रूप में उभरने के लिए बधाई भी दी। श्री राधाकृष्णन ने भारत की आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाने और विदेशों में लाखों लोगों को मन की शांति और पवित्रता की ओर मार्गदर्शन करने के लिए ब्रह्म कुमारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि अमृत काल में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 में विकसित भारत की कल्पना की है, जहां आर्थिक विकास, आंतरिक स्थिरता, प्रसन्नता और शांति पूरक हो। उन्होंने कहा कि आज के तीव्र संसार में ध्यान को एक आवश्यक जीवन कौशल के रूप में अपनाया जाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति ओम शांति रिट्रीट सेंटर की दृढ़ प्रतिबद्धता और प्रधानमंत्री मोदी की पहल मिशन लाइफ के साथ तालमेल की भी सराहना की। यह मिशन लोगों को सचेतन जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने केंद्र की हरित पहलों की भी सराहना की जिनमें 1 मेगावाट का हाइब्रिड सौर ऊर्ज़ा संयंत्र, वर्षा जल संचयन प्रणालियां, बायोगैस और सीवेज शोधन संयंत्र, हरित रसोई, निःशुल्क पौध नर्सरी और कल्प तरु परियोजना के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण शामिल हैं।

श्री राधाकृष्णन ने 'नशा मुक्त भारत अभियान' और वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान तथा सभी क्षेत्रों में कर्मयोग को बढ़ावा देने वाली अन्य सामाजिक पहलों में ब्रह्म कुमारी के योगदान की सराहना की।

श्री राधाकृष्णन ने हाल ही में लखनऊ में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा ब्रह्म कुमारी के वार्षिक अभियान ''विश्व एकता और विश्वास के लिए राजयोग ध्यान'' के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि रजत जयंती वर्ष सेवा के नए मार्ग खोलेगा, सामाजिक साझेदारी को और गहरा करेगा और आध्यात्मिक पहुंच को बढ़ाएगा। इस अवसर पर हरियाणा सरकार के पर्यावरण एवं वन तथा उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी मौजूद थे।

मानवाधिकार दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 10 दिसंबर को यहां भारत मंडपम में आयोजित होने वाले मानवाधिकार दिवस समारोह की मुख्य अतिथि होंगी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) द्वारा आयोजित इस समारोह में एनएचआरसी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यन सहित विभिन्न गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे।

ज्ञात रहे कि मानवाधिकार दिवस विश्व भर में हर वर्ष 10 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिन 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (यूडीएचआर) को अपनाए जाने की याद दिलाता है। यह घोषणा पत्र मानव गरिमा, समानता और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने का वैश्विक आधार है। भारत का संविधान और मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 भी इन्हीं आदर्शों को आगे बढ़ाते हैं, जिसके आधार पर 1993 में एनएचआरसी का गठन किया गया था। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र की थीम 'दैनिक आवश्यकताएं' है। इसी क्रम में एनएचआरसी सभी के लिए 'सार्वजनिक सेवाएं और सम्मान' विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित करेगा। सम्मेलन का मुख्य भाषण प्रधानमंत्री के मुख्य सचिव डॉ. पीके मिश्रा देंगे। यह विषय इस विचार को रेखांकित करता है कि मानवाधिकार केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, न्याय और सामाजिक सुरक्षा जैसी रोजमर्रा की बुनियादी सुविधाओं से भी जुड़ा है। आयोग के अनुसार बुनियादी सेवाओं तक समान पहुंच, न्याय, स्वतंत्रता और सम्मान जैसे संवैधानिक मूल्यों को पूरा करने में शासन की जवाबदेही और सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हाल के वर्षों में भारत ने आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन जैसी पहलों के माध्यम से इन सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने में उल्लेखनीय प्रगति की है।

सम्मेलन के आयोजित होने वाले दो सत्र 'सभी के लिए बुनियादी सुविधाएं' और 'सभी के लिए सार्वजनिक सेवाएं और सम्मान सुनिश्चित करना' में सरकारी सचिव, विशेषज्ञ और विभिन्न संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी इन मुद्दों पर मंथन करेंगे।

वक्फ संपत्तियों का डिजिटल लेखा-जोखा पूरा, 'उम्मीद' पोर्टल बंद

नई दिल्ली। वक्फ संपत्तियों के डिजिटलीकरण और उनके प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया महत्वाकांक्षी 'उम्मीद' पोर्टल निर्धारित समय सीमा पूर्ण होने के बाद आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया है। यह निर्णय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों और उम्मीद अधिनियम, 1995 के अनुसार दिया गया है। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस पोर्टल का शुभारंभ 06 जून 2025 को किया था। छह महीने की निर्धारित अवधि पूरी होने पर इसे 06 दिसंबर 2025 को औपचारिक रूप से बंद किया गया। मंत्रालय के अनुसार, राज्यों के साथ लगातार समन्वय, समीक्षा बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सचिव-स्तरीय हस्तक्षेपों के चलते अंतिम चरण में रिकॉर्ड स्तर पर वक्फ संपत्तियों का डेटा पोर्टल पर अपलोड किया गया। पोर्टल पर दर्ज अंतिम आंकड़े के अनुसार, कुल अपलोडेड वक्फ संपत्तियों की संख्या 5,17,040 है, जिनमें स्वीकृत संपत्तियां 2,16,905, प्रक्रियाधीन/प्रस्तुत संपत्तियां 2,13,941 और अस्वीकृत संपत्तियां (सत्यापन में) 10,869 हैं। पोर्टल के संचालन के दौरान मंत्रालय के सचिव डॉ. चंद्रशेखर कुमार ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ 20 से अधिक समीक्षा बैठकें कीं। मंत्रालय ने कहा कि यह उपलब्धि वक्फ संपत्तियों के डिजिटल, पारदर्शी और एकीकृत प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय स्तर पर इस अभियान को सफल बनाने के लिए राज्यों में नियमित प्रशिक्षण सत्र, कार्यशालाएं और तकनीकी सहायता प्रदान की गई। दिल्ली में दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर कार्यशाला के साथ सात क्षेत्रीय बैठकें भी आयोजित की गईं।

एआई और मशीन लर्निंग से बिजली वितरण क्षेत्र में आएगा बड़ा बदलाव : मनोहर लाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय ऊर्ज़ा मंत्री मनोहर लाल ने रविवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) आधारित तकनीकें भारत के बिजली वितरण क्षेत्र को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखती हैं।

उन्होंने यहां भारत मंडपम में आयोजित ''बिजली वितरण क्षेत्र में एआई/एमएल तकनीकों के उपयोग'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुये यह बात कही। श्री लाल ने कहा कि एआई/एमएल से संचालित समाधान बुद्धिमान, उपभोक्ता-केंद्रित और स्व-अनुकूलित वितरण नेटवर्क विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर एनालिटिक्स, डिजिटल ट्विन, पूर्वानुमानित रखरखाव, चोरी का पता लगाने वाली इंटेलिजेंस, उपकरण-स्तरीय उपभोक्ता विश्लेषण, स्वचालित आउटेज पूर्वानुमान और जेनएआई आधारित निर्णय सहायता जैसे समाधान बिजली कंपनियों के संचालन और उपभोक्ताओं के बिजली उपयोग अनुभव को पूरी तरह बदल सकते हैं। श्री लाल ने कहा कि नई तकनीकें न केवल बिजली कटौती की संभावना को कम करती हैं, बल्कि ईमानदार उपभोक्ताओं को चोरी के बोझ से बचाने, वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के घाटे को घटाने और बिजली खरीद लागत को प्रभावी बनाने में भी मददगार साबित होंगी। उन्होंने कहा कि एआई आधारित तकनीकें परिवारों को अपनी खपत को बेहतर ढंग से नियंत्रित करने का अधिकार देती हैं और डिस्कॉम को मजबूत बुनियादी ढांचा विकसित करने में सहायता करती हैं। सम्मेलन में उद्योग जगत, नवप्रवर्तकों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं, शिक्षाविदों और विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। श्री लाल ने कहा कि सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि बिजली वितरण तंत्र को स्मार्ट और उपभोक्ता-

केंद्रित बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि तकनीक अपनाने में उपभोक्ताओं की भागीदारी भी आवश्यक है और नई तकनीकों को लेकर फैली गलत जानकारियों को दूर करना होगा। सम्मेलन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय आह्वान के तहत 195 आवेदन प्राप्त हुए। प्रारंभिक जांच के बाद 51 समाधानों को जूरी के विस्तृत मूल्यांकन के लिए चुना गया। मूल्यांकन के बाद विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं की घोषणा की गई। डिस्कॉम श्रेणी में टीएनपीडीसीएल (तमिलनाडु) और एमपी ईस्ट (मध्य प्रदेश) को विजेता घोषित किया गया। एएमआईएसपी श्रेणी में टाटा पावर और अप्रावा एनर्जी को चयनित किया गया। तकनीकी समाधान प्रदाता श्रेणी में प्रवाह और फ्लॉक एनर्जी, जबकि गृह स्वचालन श्रेणी में टाटा पावर विजेता रहे। विजेताओं ने उन्नत स्मार्ट मीटर विश्लेषण, सटीक उपभोक्ता सूचकांकीकरण, व्यवहारिक मांग प्रतिक्रिया, एआई आधारित परिचालन स्वचालन, रीयल-टाइम ग्रिड इंटेलिजेंस और उपकरण-स्तरीय उपभोक्ता विश्लेषण जैसे नवाचारों का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्युत मंत्री ने केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा विकसित स्टॉलर (दीर्घकालिक पर्याप्तता और लचीलेपन के लिए रणनीतिक उपकरण) का शुभारंभ किया। यह उपकरण डिस्कॉम कंपनियों को दीर्घकालिक संसाधन पर्याप्तता का अध्ययन करने और बेहतर योजना तैयार करने में मदद करेगा।

इसके साथ ही इंडिया स्मार्ट ग्रिड फोरम (आईएसजीएफ) ने एआई, एमएल, एआर/वीआर और रोबोटिक्स आधारित समाधानों पर आधारित एक हैंडबुक और इलेक्ट्रिक यूटिलिटीज के रोडमैप को भी जारी किया, जिसमें 174 उपयोग मामलों का उल्लेख किया गया है, जिनमें 45 भारतीय यूटिलिटीज से संबंधित हैं।

अमित शाह ने स्वामी महाराज की जयंती पर नमन किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को स्वामी महाराज की जयंती पर उन्हें नमन किया।

श्री शाह ने एक्स हैंडल पर अपने एक पोस्ट में स्वामी महाराज की नमन करते हुये लिखा, ''सादगी, सेवा और करुणा के प्रतीक स्वामी महाराज की जयंती पर मैं उनका स्मरण कर उन्हें नमन करता हूँ। स्वामी जी के विचार और ज्ञान का दायरा इतना विराट था कि उनसे जब भी बात होती, नई प्रेरणा और ऊर्ज़ा प्राप्त होती थी। मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे उनसे मिलने, बातचीत करने और समय बिताने का अवसर प्राप्त हुआ। श्री शाह ने कहा कि स्वामी महाराज

जी ने मानव समाज को आस्था और ईश्वर-भक्ति से जोड़ने का कार्य किया। भगवान स्वामीनारायण की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुँचाने वाले प्रमुख स्वामी महाराज के स्मरण मात्र से मन शांति और श्रद्धा से भर उठता है।

पूर्वी लद्दाख में सेना के लिए खोली गई 12 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर बनी श्योक टनल

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में 12 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर बनाई गई श्योक टनल रविवार को सेना के लिए खोल दी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज इसका उद्घाटन किया, जिसके बाद पूर्वी लद्दाख के डेपसांगऽडीबीओ सेक्टर तक भारतीय सेना की पहुंच अब ज्यादा तेज, सुरक्षित और सुगम हो जाएगी। भारी बर्फबारी में भी सैनिक, हथियार व लॉजिस्टिक मूवमेंट की गति कई गुना बढ़ेगी, जिससे संवेदनशील एलएसी क्षेत्रों में परिचालन तत्परता और मजबूत होगी।

पूर्वी लद्दाख में श्योक नदी क्षेत्र के पास बनाई गई श्योक टनल रणनीतिक सुरंग है, जो दर्बुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड को हर मौसम में जोड़ने के लिए बनाई गई है। यह 322 किलोमीटर लंबी दर्बुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड का हिस्सा है, जो भारतीय सेना की सबसे रणनीतिक सप्लाई लाइनों में से एक है। यह सड़क चीन सीमा पर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के बेहद करीब जाती है, इसलिए यह सुरंग सेना के लिए बेहद अहम है। पहाड़ों के ऊंचे दर्रे अक्सर सर्दियों में भारी बर्फबारी और हिमस्खलन की वजह से बंद हो जाते हैं, जिससे सैनिकों और सामान की आपूर्ति पर असर पड़ता है। नई श्योक टनल इस परेशानी को काफी हद तक दूर कर देगी।

बॉर्डर रोड्स ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) के इस प्रोजेक्ट का रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उद्घाटन करके पूर्वी लद्दाख में चीन के खिलाफ भारतीय सेना को बड़ी बढ़त दिलाई है। उन्होंने कहा कि अभी कुछ ही महीने पहले हमने देखा, जब पहलगाम के दुर्दांत आतंकी हमले का जवाब देते हुए हमारी सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। वैसे करने को तो हम बहुत कुछ कर सकते थे लेकिन हमारी सेनाओं ने पराक्रम के साथ-साथ धैर्य का भी परिचय देते हुए उतना ही किया, जितना आवश्यक था। इतना बड़ा ऑपरेशन इसलिए संभव हो पाया, क्योंकि हमारी कनेक्टिविटी मजबूत थी। हमारी सेनाओं के पास सही समय पर लॉजिस्टिक पहुंचाया जा सका। सीमा क्षेत्रों के साथ भी हमारी कनेक्टिविटी बनी रही, जिसने ऑपरेशन सिन्दूर को ऐतिहासिक सफलता दी। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान हमारी सेनाओं और नागरिक प्रशासन के साथ सीमा क्षेत्रों के नागरिकों का सहयोग देखने को मिला, वह भी तारीफ करने के काबिल था। हमारा आपसी जुड़ाव ही हमें दुनिया में सबसे अलग पहचान दिलाता है। हमारा हमेशा यह प्रयास रहा है कि लद्दाख समेत जितने भी सीमा क्षेत्र हैं, उनके साथ हमारा संचार और अधिक मजबूत हो। अभी हाल ही में चाणक्य डिफेंस डॉयलाग के दौरान लद्दाख में 200 किलोवाट के ग्रीन हाइड्रोजन आधारित माइक्रोग्रिड पावर प्लांट का उद्घाटन किया गया, जो इस क्षेत्र के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों के लिए भी बहुत लाभकारी होगा। सीमा क्षेत्रों में बीआरओ के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्रों में कनेक्टिविटी का बढ़ना सबको प्रभावित कर रहा है। आज हमारे जवान कठिन इलाकों में इसलिए मजबूती से खड़े हैं, क्योंकि उनके पास सड़कें, रियल-टाइम कम्युनिकेशन सिस्टम, सैटेलाइट सपोर्ट, सर्विलांस नेटवर्क और रसद संपर्क उपलब्ध है। सीमा पर तैनात जवान की जिंदगी का एक-एक मिनट, एक-एक सेकेंड बहुत महत्वपूर्ण होता है।इसलिए कनेक्टिविटी को सिर्फ नेटवर्क, ऑप्टिकल फाइबर, ड्रोन, रडार तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे सुरक्षा की रीढ़ के रूप में देखा जाना चाहिए। बॉर्डर एरिया में बनने वाली सड़कें सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, सशस्त्र बलों की गतिशीलता और आपदा प्रबंधन सबके लिए लाइफलाइन जैसी होती हैं।

नेहरू के लिये सरदार पटेल, अंबेडकर की विरासत को समाप्त किया गया: भाजपा

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को आरोप लगाया कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की विरासत को बचाने के लिये सरदार वल्लभ भाई पटेल, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर, सुभाष चंद्र बोस समेत कई नेताओं की विरासत को समाप्त किया गया और उनकी उपेक्षा की गयी।

यह दावा यहां भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने पत्रकारों के समक्ष किया। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के इस आरोप कि भाजपा, पंडित जवाहर लाल नेहरू की विरासत को मिटाना चाहती है - पर पलटवार करते हुये श्री पात्रा ने कहा, ''मैं सोनिया गांधी से कहना चाहूंगा कि केवल नेहरू की स्मृति और तथाकथित विरासत को जीवित रखने के लिए कांग्रेस पार्टी ने न जाने कितने महापुरुषों की विरासत को समाप्त किया। श्री पात्रा ने कहा कि इसका सबसे बड़ा उदाहरण सरदार वल्लभभाई पटेल है। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई को समाप्त करने की कोशिश की गई। इसके साथ उन्होंने यह भी दावा किया कि अगर कांग्रेस में सही लोकतांत्रिक तरीके से वोटिंग प्रणाली को लागू किया जाता, तो शायद आज न तो नेहरू की कोई विरासत होती और न

ही पंडित नेहरू देश के प्रधानमंत्री बनते। श्री पात्रा ने कहा कि इसी प्रकार सुभाष चंद्र बोस की उपेक्षा की गई और उन्हें कम करके आंकने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर ने संविधान रचा और जो संविधान ड्राफ्टिंग कमेटी के चेयरमैन रहे, उनके प्रति पंडित नेहरू का जैसा व्यवहार रहा–वह जनता जनार्दन जानती है। श्री पात्रा ने कहा कि जब संसद में संविधान पर चर्चा हो रही थी, तब हमें मालूम पड़ा कि अंबेडकर और नेहरू के बीच जो पत्राचार हुए थे, और उनमें नेहरू ने अंबेडकर के बारे में क्या कहा है, यह देश के सामने आया है।

पेज एक का शेष

इंडिगो ने 610...

अब तक के घटनाक्रम पर असुविधा के लिए माफी मांगते हुए कहा है कि उसे ग्राहकों को हुई दिक्कतों पर खेद है और यह संकेत दिया कि उसका परिचालन 10 दिसंबर तक स्थिर हो जाएगा

गोवा के नाइट...

ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा, ''यहां जो घटना हुई वह बहुत दुखद है... ऐसी सभी जगहों पर सही तरीके से नियमों का पालन होना चाहिए। हम पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़े हैं। हम यह भी पक्का कर रहे हैं कि सरकार उनके परिवारों की मदद करने की पूरी कोशिश कर रही है। ये घटनाएं गोवा जैसी जगह पर नहीं होनी चाहिए, खासकर जिस तरह से यह हुआ है। गोवा के स्वास्थ्य सचिव यतींद्र मरालकर ने कहा कि पांच मरीज़ मामूली रूप से जख्मी हैं।

इजराइल और भारत...

इस बात को लेकर बहुत हिचकिचाहट है कि जब युद्ध अब भी जारी है तो वे इसमें कैसे शामिल हों। भले ही युद्धविराम हो, (अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रंप द्वारा एक शांति योजना बनाई गई हो, फिर भी हिचकिचाहट बनी हुई है। अगर फिर से युद्ध छिड़ गया तो क्या होगा? अधिकारी ने कहा, ''इसलिए, मुझे लगता है कि इसमें अभी समय लगेगा। इस समय इजराइल के पास आगे बढ़ाने के लिए कुछ भी नहीं है, जब तक कि सऊदी अरब को गाजा में किसी प्रकार की प्रगति नजर न आए, क्योंकि सऊदी अरब ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उसे फलस्तीनियों को कुछ देना होगा३ कोई भी ऐसा कदम जिससे फलस्तीनियों को शांत किया जा सके, उसके बाद ही वह आगे बढ़ेगा और इजराइल के साथ संबंधों को सामान्य करेगा। कई विशेषज्ञों ने आईएमईसी को चीन के 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (बीआरआई) का जवाब बताया है, जो अरबों डॉलर की एक बुनियादी ढांचा और संपर्क परियोजना है जिसमें दर्जनों देश शामिल हैं। अधिकारी ने यह भी कहा कि इजराइल भारत के साथ-साथ बाकी दुनिया पर भी हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए दबाव डाल रहा है। अधिकारी ने कहा कि भारत अगर हमास को सूचीबद्ध करता है तो इसका ''एक मजबूत वैश्विक प्रभाव'' पड़ेगा। उन्होंने कहा, '' यह दुनिया को एक बहुत कड़ा संदेश देगा, क्योंकि कई पड़ोसी देश भारत की ओर देखते हैं और जब भारत किसी चीज की घोषणा करता है, तो इसका बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है।

देश भर में क्लैट -2026...

विशेष रूप से की गई। अधिकारियों ने बताया कि परीक्षार्थियों के प्रवेश, बैठने की व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधन को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए थे।आरएमएलएनएलयू प्रशासन ने बताया कि परीक्षा प्रक्रिया पूर्णतः निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में पूरी की गई। गौरतलब है कि क्लैट परीक्षा के माध्यम से देश के 24 राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में प्रवेश मिलता है। इसके अलावा कई अन्य प्रतिष्ठित विधि संस्थान भी इस स्कोर को स्वीकार करते हैं। परीक्षा के परिणामों के आधार पर छात्रों को लॉ क्षेत्र में श्रेष्ठ करियर बनाने का अवसर मिलता है।

वंदे मातरम की...

नारा बन गया। 24 जनवरी 1950 को भारत सरकार ने वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत का दर्ज़ा दे दिया था।

ऑपरेशन सिंदूर के...

संभव है। उन्होंने कहा, ''संचार को सिर्फ बुनियादी ढांचे के लिहाज से नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक बहुत व्यापक शब्द है। शांति, सद्भाव और समाज की समझ के लिए संचार जरूरी है।'' उन्होंने कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास लद्दाख समेत सभी सीमावर्ती इलाकों के साथ संचार और कनेक्टिविटी को मज़बूत करना रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सीमावर्ती इलाकों के समग्र विकास के लिए पूरे उत्साह से काम कर रही है। रक्षा मंत्री ने कहा, ''हमारी सरकार, हमारे सशस्त्र बल और बीआरओ जैसे संगठन आपके साथ खड़े हैं। हमें बस इस संबंध को मजबूत करते रहना है ताकि हमारे संबंध किसी बाहरी तत्व से प्रभावित ना हो।'' उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी ना सिर्फ सुरक्षा और बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही है, बल्कि आर्थिक विकास को भी गति दे रही है। वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का हवाला देते हुए सिंह ने कहा कि मजबूत संचार और कनेक्टिविटी नेटवर्क एक प्रमुख कारक रहे हैं, जिसे सरकार की विकास-समर्थक नीतियों और राष्ट्रव्यापी सुधारों का समर्थन प्राप्त है।

बिहार स्टेट एक्स सर्विसमैन बेनेवोलेंट फंड में करें अंशदान : नीतीश कुमार

■ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लगाया गया सशस्त्र सेना झंडा, सैनिक कल्याण कोष में किया अंशदान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर सैनिक कल्याण निदेशालय के निदेशक ब्रिगेडियर मृगेन्द्र कुमार ने रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से 1 अणे मार्ग स्थित उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें सशस्त्र सेना झंडा दिवस का फ्लैग लगाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बिहार स्टेट एक्स सर्विसमैन बेनेवोलेंट फंड में अंशदान कर देश के जवानों के प्रति सम्मान और समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि

राष्ट्र की सुरक्षा में सैनिकों का योगदान अविस्मरणीय है और उनकी वीरता तथा बलिदान सदैव याद रखे जाएंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, ''हमारे सैनिक राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपनी जान तक न्योछावर कर देते हैं। बाह्य और आंतरिक दोनों प्रकार के खतरों का वे पूरा साहस और निष्ठा के साथ सामना करते हैं। उनकी कुर्बानियां अमर हैं। मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों से भी अपील की कि वे सैनिक कल्याण और पुनर्वास के लिए बेनेवोलेंट फंड में सहयोग करें, ताकि पूर्व सैनिकों और वीर शहीदों के परिवारों को समर्थन मिल सके। इस अवसर पर राज्य के जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी, गृह विभाग के सचिव प्रणव कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, निदेशक ब्रिगेडियर मृगेन्द्र कुमार, कर्नल संतोष कुमार त्रिपाठी और कर्नल मनोज कुमार सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस समारोह में सम्मिलित हुई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता आज मानेकशॉ सेंटर दिल्ली कैंट में आयोजित सशस्त्र सेना झंडा दिवस समारोह में सम्मिलित हुई।

मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा में समर्पित हमारे वीर सैनिकों, वीर बलिदानियों के परिवारों और पूर्व सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। यह दिवस हमें उन अनगिनत त्यागों की याद दिलाता है जिनके कारण हम सुरक्षित और स्वतंत्र जीवन जी रहे हैं। मुख्यमंत्री ने समारोह में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह तथा नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी के साथ उपस्थित रहकर शौर्य एवं विशिष्ट सेवा पदक से अलंकृत वीर सशस्त्र बल कर्मियों को सम्मानित किया।

इसके साथ ही सशस्त्र बलों के कल्याण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 10 विशिष्ट नागरिकों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने कार्य से सैन्य परिवारों के प्रति संवेदनशीलता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की मिसाल प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, सैन्य आधुनिकीकरण और रणनीतिक क्षमता के नए आयाम स्थापित किए हैं। ऑपरेशन सिंदूर ने यह सिद्ध किया कि भारत अपनी सीमाओं, नागरिकों तथा बहन-बेटियों के सम्मान की रक्षा में दृढ़, सक्षम और निर्णायक राष्ट्र है। उन्होंने कहा कि शौर्य, अनुशासन और राष्ट्रनिष्ठा-यही हमारी सेना की पहचान है।

बिहार में बनेंगी 100 फास्ट ट्रैक अदालतें उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने की घोषणा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में न्यायिक व्यवस्था को गति देने के लिए 100 फास्ट ट्रैक न्यायालयों का गठन किया जाएगा। राज्य के उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को इसकी घोषणा की। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि इन अदालतों की स्थापना का मुख्य उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन, न्यायालयों का बोझ कम करना और संवेदनशील मामलों पर तेजी से सुनवाई सुनिश्चित करना है। वर्तमान में राज्य में 18 लाख से अधिक मामले लंबित हैं, जिन्हें देखते हुए यह कदम अत्यंत जरूरी है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि पटना में 08 फास्ट ट्रैक अदालतें प्रस्तावित हैं, जबकि गया, मुजफ्फरपुर, दरभंगा और भागलपुर में 04S04 अदालतें स्थापित की जाएंगी। नालंदा (बिहारशरीफ), रोहतास (सासाराम), सारण (छपरा), बेगूसराय, वैशाली (हाजीपुर), पूर्वी चंपारण (मोतिहारी), समस्तीपुर और मधुबनी में 03S03 फास्ट ट्रैक अदालतें बनाई जाएंगी। इसी तरह पश्चिम चंपारण (बेतिया), सहरसा, पूर्णिया, मुंगेर, नवादा, जहानाबाद, अरवल, औरंगाबाद, कैमूर (भभुआ), बक्सर, भोजपुर (आरा), सीतामढ़ी, शिवहर, सीवान, गोपालगंज, सुपौल, मधेपुरा, अररिया, किशनगंज, कटिहार, बांका, जमुई, शेखपुरा, लखीसराय और खगड़िया में 02S02 फास्ट ट्रैक अदालतें संचालित होंगी। इसके अतिरिक्त नवगछिया और बगहा उप-मंडलीय न्यायालय में 01S01 फास्ट ट्रैक अदालत स्थापित करने का प्रस्ताव है। सम्राट चौधरी ने बताया कि जिलापदाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से चिन्हित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया जाएगा। राज्य के 38 जिलों और उप-मंडलों में कुल 100 फास्ट ट्रैक अदालत स्थापित किए जाने के लिए कर्मियों की नियुक्ति भी बड़े पैमाने पर की जाएगी। प्रत्येक अदालत के लिए 8 प्रकार के पदों, बेंच क्लर्क, कार्यालय लिपिक, स्टेनोग्राफर, डिपोज़िशन राइटर, डेटा एंट्री ऑपरेटर, ड्राइवर, प्रोसेस सर्वर और चपरासी/ऑर्डर्ली के कुल 900 पदों पर नियुक्ति प्रस्तावित है। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि शस्त्र अधिनियम से संबंधित लंबित मामलों के त्वरित निपटारे के लिए 79 न्यायालयों को एक्ट कोर्ट के रूप में नामित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि शस्त्र अधिनियम जैसे गम्भीर मामलों का शीघ्र समाधान कानून व्यवस्था को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार न्यायिक प्रक्रिया को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। यही वजह है कि 100 फास्ट ट्रैक अदालतों के गठन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री नीतीश ने पटना डेयरी परियोजना का किया निरीक्षण, विस्तार के दिए निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को फुलवारीशरीफ स्थित पटना डेयरी प्रोजेक्ट (सुधा) का निरीक्षण किया और अधिकारियों को डेयरी प्लांट एवं दुग्ध उत्पादन समितियों के विस्तार से जुड़े आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दूध उत्पादन बढ़ने से किसानों की आमदनी में इजाफा होगा और राज्य में रोजगार के नए अवसर बनेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2008 में कृषि रोड मैप लागू होने के बाद राज्य में कृषि उत्पादन, उत्पादकता और दुग्ध उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे राज्य के किसानों और पशुपालकों को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ मिला है। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि दुग्ध समितियों का और विस्तार किया जाए, अधिक लोगों को जोड़ा जाए तथा प्रोसेसिंग और प्रोक्योरमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर की क्षमता बढ़ाई जाए। साथ ही, प्लांट में कार्यरत कर्मचारियों के लिए आवासीय व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों और पशुपालकों की समृद्धि के

लिए लगातार कार्य कर रही है। राज्य दुग्ध सहकारी महासंघ लिमिटेड (कॉम्फ़ेड) के माध्यम से दुग्ध उत्पादकों को बेहतर मूल्य उपलब्ध कराया जा रहा है और बाजार में सुधा ब्रांड के नवीन उत्पाद उतारे जा रहे हैं। राज्य दुग्ध सहकारी महासंघ लिमिटेड (कॉम्फ़ेड) की स्थापना वर्ष 1983 में ऑपरेशन फ्लड कार्यक्रम के अंतर्गत की गई थी। वर्तमान में 31 जिलों में आठ दुग्ध संघ कार्यरत हैं, जबकि शेष सात जिलों में दुग्ध संग्रहण सीधे कॉम्फ़ेड द्वारा किया जा रहा है। वर्तमान में प्रतिदिन 18 लाख लीटर पाउच दूध तथा 3.5 लाख लीटर दुग्ध उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। सुधा के दूध एवं दूध उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए राज्यभर में 37,000 खुदरा विक्रय केंद्र और 914 होल-डे-मिल्क बूथ संचालित किए जा रहे हैं। नालंदा डेयरी में यूएचटी सुविधा स्थापित होने के बाद सुधा अब देशभर में लंबी शेल्फ लाइफ वाले दूध उत्पादों की आपूर्ति कर रहा है। वर्तमान में टेट्रा पैक दूध असम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम सहित कई राज्यों में उपलब्ध है और इसकी आपूर्ति भारतीय सेना को भी की जा रही है। इसके अतिरिक्त उत्पादों का विपणन दिल्ली और कोलकाता सहित विभिन्न मेट्रो शहरों में भी किया जा रहा है। मार्च 2025 में कॉम्फ़ेड ने 5 मीट्रिक टन घी अमेरिका और 8 मीट्रिक टन गुलाबजामुन कनाडा को निर्यात किया है। सुधा ब्रांड के तहत घी, पनीर, दही, पेड़ा, टेबल बटर, आइसक्रीम, रसगुल्ला, बलूशाही, लस्सी, फ्लेवर्ड मिल्क समेत कई उत्पाद निर्मित किए जा रहे हैं। ताजे उत्पादों के साथ-साथ टिन पैक उत्पादों की शेल्फ लाइफ अधिक होने के कारण उनकी मांग बढ़ी है। निरीक्षण के दौरान पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की अपर मुख्य सचिव एवं कॉम्फ़ेड अध्यक्ष डॉ. एन. विजयलक्ष्मी, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी डॉ. गोपाल सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह, कॉम्फ़ेड के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक, पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस.एम., तथा पटना डेयरी प्रोजेक्ट के प्रबंध निदेशक रूपेश राज सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पंजाब सीमा पर हेरोइन का बड़ा जखीरा बरामद हथियार भी मिले

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब में सीमा पार से संचालित नार्को-टेरर नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए शनिवार रात दो अलग-अलग अभियानों में भारी मात्रा में हेरोइन के साथ-साथ एक पिस्टल और गोला-बारूद बरामद किया। बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर के जन संपर्क अधिकारी ने रविवार को बताया कि पहला ऑपरेशन अमृतसर सीमा पर संदिग्ध ड्रोन गतिविधि की सूचना के बाद शुरू किया गया। बीएसएफ के जवानों ने तुरंत एक व्यापक तलाशी अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप गाँव दाओके के पास के खेतों से 12 पैकेट हेरोइन बरामद हुई, जिसका कुल वजन 6.638 किलोग्राम था। उन्होंने बताया कि फिरोजपुर सीमा क्षेत्र में एक अन्य अभियान चलाया गया। इस दौरान, बीएसएफ ने गाँव गांदू किलचा के समीप एक खेत से एक पिस्तौल, एक मैगज़ीन और चार कारतूस जब्त किए। अधिकारी ने कहा कि ये सफल बरामदगियां सीमा पार से हो रही।

किक्रेट प्रतिका रावल को 1.5 करोड़ की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी : रेखा गुप्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी प्रतिका रावल का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि हमारी होनहार बेटी प्रतिका ने दिल्ली को गौरवान्वित किया है। खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और उत्कृष्ट प्रदर्शन को सम्मान देते हुए दिल्ली सरकार द्वारा उन्हें 1.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रतिका युवा दिल्ली की ऊर्जा, साहस और नए भारत की नारी-शक्ति की सजीव छवि हैं। उनकी यात्रा यह बताती है कि दिल्ली सपनों को केवल जन्म नहीं

देती, उन्हें उड़ान भी देती है। मुख्यमंत्री ने उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कैबिनेट सहयोगी शिक्षा मंत्री आशीष सूद तथा डीडीसीए के अध्यक्ष रोहन जेटली जी उपस्थित रहे।

सीएम रेखा ने दिल्ली के स्कूलों में एआई ग्राइंड इनिशिएटिव का किया शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज दिल्ली के स्कूलों में एआई ग्राइंड इनिशिएटिव का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में बताया कि आज सेंट्रल पार्क में आयोजित इस उद्घाटन समारोह में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने वाले पहले भारतीय के रूप में हमारे युवाओं के लिए रोल मॉडल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज एआई तकनीक और इनोवेशन के क्षेत्र में वैश्विक मंच पर नई पहचान बना रहा है। तकनीक अब आम नागरिक की पहुंच में है और युवाओं के लिए अनंत संभावनाओं के द्वार

खोले गए हैं। इसी विजन से प्रेरित होकर दिल्ली सरकार ने भारत का पहला सिटी-सेंट्रिक एआई- इंजन- दिल्ली एआई ग्राइंड प्रारंभ किया है। यह दिल्ली के युवाओं को वास्तविक समस्याओं का एआई आधारित समाधान विकसित करने में सक्षम बनाएगा। कक्षाएं इनोवेशन प्रयोगशालाओं में बदलेंगी, स्टूडेंट्स चेंजमेकर बनेंगे और दिल्ली ज्ञान और एआई नवाचार की राजधानी के रूप में उभरने की ओर आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने सभी युवाओं से अपील है कि आपकी कल्पना ही दिल्ली का कल गढ़ेगी।

मुख्यमंत्री धामी ने बागेश्वर में विकास परियोजनाओं का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को बागेश्वर में सरयू नदी तट पर चल रहे विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और सरकार की योजनाओं पर फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि सभी कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण रूप से पूर्ण किए जाएं। इसके अलावा मुख्यमंत्री बागेश्वर भ्रमण के दौरान बैडमिंटन इंडोर स्टेडियम पहुंचे, जहां उन्होंने खिलाड़ियों के साथ बैडमिंटन खेलकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने प्रशिक्षण सुविधाओं, खेल उपकरणों एवं संसाधनों की उपलब्धता की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल अवसंरचना को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप विकसित करने के लिए लगातार प्रयासरत है, ताकि उत्तराखण्ड के खिलाड़ी राष्ट्रीय व वैश्विक

स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। मुख्यमंत्री इसके बाद बागनाथ मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया और अपने विचार साझा किए। इसके अलावा सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दिवस देश के वीर सैनिकों की अदम्य वीरता, बलिदान और उत्कृष्ट सेवाओं को स्मरण करने का अवसर है। इस दौरान मुख्यमंत्री को टोकन फ्लैग एवं लापेल पिन लगाया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, विधायक पार्वती दास, विधायक सुरेश गडिया, पालिकाध्यक्ष सुरेश खेतवाल, अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल, एसडीएम प्रियंका रानी, ललित मोहन तिवारी सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से किया अंशदान का आह्वान

देहरादून। 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' के अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से लोक भवन में रविवार को सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास निदेशक श्याम सिंह ने मुलाकात कर फ्लैग लगाया। इस दौरान राज्यपाल ने सशस्त्र सेना झंडा कोष में सहयोग राशि देते हुए प्रदेशवासियों से भी अंशदान देने का आह्वान किया। राज्यपाल ने प्रदेश के सभी सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं शहीद सैनिकों के परिजनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस हमें देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों की याद दिलाता है। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड सैन्य भूमि है और हम सब का प्रयास होना चाहिए कि प्रदेश के पूर्व सैनिकों और शहीद सैनिकों के परिजनों की अधिक से अधिक सहायता की जाए। मुख्यमंत्री ने भी की अपील मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन राष्ट्र के सजग प्रहरियों के अविस्मरणीय बलिदानों और सेवाओं को स्मरण करने और उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के प्रत्येक नागरिक से 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष' में सैनिक परिवारों के कल्याण के लिए अपना योगदान देने की अपील की है।

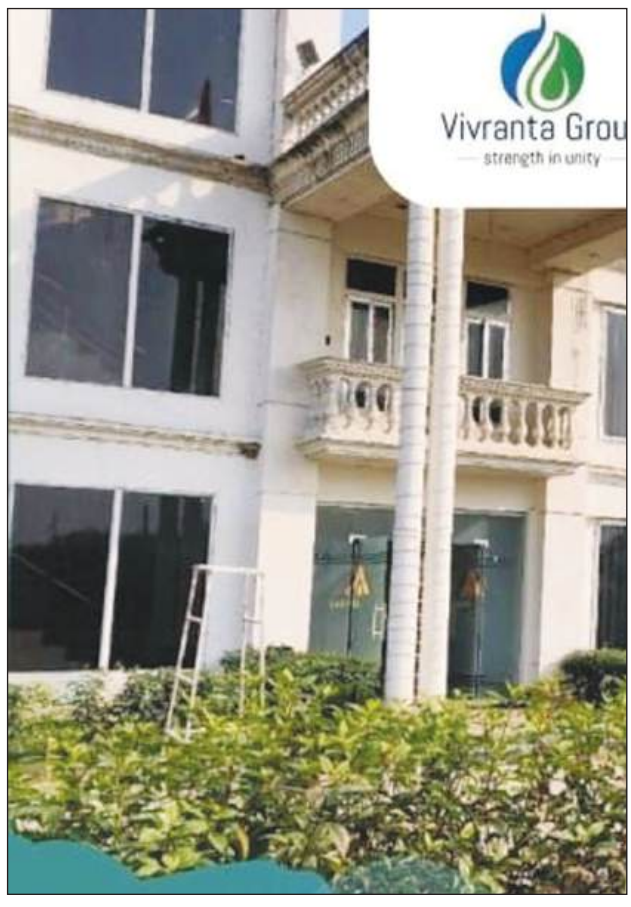

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 **e-mail** : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063